आज का मौसम
23.0° अधिकतम तापमान
11.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.00
सूर्यास्त 05.52

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 03:39 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

रविवार, 1 फरवरी 2026, वर्ष 35, अंक 362, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ ग्रीन एनर्जी आधारित इको-सिस्टम से सशक्त बनेगा प. उप्र - 12

■ एसबीआई चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा- बैंक जमा निवेश पर समान कर हो लागू - 12

■ अमेरिकी जंगी बेड़े के करीब ईरान करेगा युद्धाभ्यास एलान से तनाव- 13

■ दिल्ली को एलिमिनेटर में जगह बनाने से रोकने उतरेगी यूपी - 14

उद्योग जगत उत्तर प्रदेश की खुशहाली का सबसे बड़ा साझेदार : मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने उद्योग बंधु को प्रभावी बनाने और समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए सख्त निर्देश

● कहा- यूपी में निवेश राष्ट्रहित में किया गया निवेश है, सीएसआर से विकास में सहभागी बनें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में किया गया निवेश केवल किसी एक राज्य में निवेश नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया निवेश है। रोजगार सृजन, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प और प्रदेश की समग्र खुशहाली में उद्योग जगत सरकार का सबसे बड़ा साझेदार है। उन्होंने अधिकारियों को उद्योग बंधु को और प्रभावी बनाने समेत हर समस्या का समयबद्ध समाधान करने के सख्त निर्देश दिए।

उद्योग बंधु की एनेक्सी में शनिवार को राज्यस्तरीय उद्योग संगठनों और प्रमुख उद्यमियों के साथ हुई विशेष बैठक में योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार उद्योगों को केवल निवेशक नहीं, बल्कि विकास की साझेदारी का अभिन्न हिस्सा मानती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उत्तर प्रदेश में निवेश करने वाला हर उद्यमी सरकार को नीति, इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रशासन तीनों स्तरों पर अपने साथ खड़ा पाएगा। मुख्यमंत्री ने उद्योग समूहों से सीएसआर के माध्यम से प्रदेश के सामाजिक व आर्थिक विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया। कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय अधोसंरचना जैसे क्षेत्रों में उद्योगों का योगदान प्रदेश के समावेशी विकास को नई गति दे सकता है। एमएसएमई सेक्टर पर विशेष जोर देते हुए कहा कि नवाचार, पैकेजिंग, डिजाइनिंग और एक्सपोर्ट प्रमोशन को मजबूत किए बिना वैश्विक प्रतिस्पर्धा संभव नहीं है। उन्होंने उद्योग समूहों से इन क्षेत्रों में व्यावहारिक सुझाव देने और सरकार के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया। टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट्स सेक्टर में महिलाओं की बड़ी भागीदारी का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस क्षेत्र में महिलाओं के लिए और अधिक रोजगार अवसर सृजित किए जाने चाहिए।

उद्योग बंधु की राज्यस्तरीय उद्योग संगठनों और प्रमुख उद्यमियों के साथ आयोजित विशेष बैठक में मुख्यमंत्री योगी।

यूपी की औद्योगिक उड़ान

- देश के एक्सप्रेस-वे नेटवर्क का लगभग 55% यूपी में, कुल लंबाई करीब 1225 किमी।
- प्रदेश में चार अंतर्राष्ट्रीय सहित 16 हवाई अड्डे संचालित, जेवर एयरपोर्ट निर्माणाधीन।
- वर्ष 2023-24 में निर्यात बढ़कर 1.86 लाख करोड़, 100% से अधिक वृद्धि।
- पंजीकृत फैक्ट्रियां : 2003 में 8,980 अब लगभग 27,000।
- 4 ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के जरिए 15 लाख करोड़ से अधिक निवेश का क्रियान्वयन।
- अगले दो वर्षों में 5,000 करोड़ से 185 औद्योगिक क्लस्टरों का उन्नयन।

मंडल व राज्य स्तर पर नियमित बैठकें अनिवार्य

योगी ने निर्देश दिए कि उद्योग बंधु की हर माह जिलों की बैठक में डीएम-एसपी रहेंगे, जबकि उद्योग बंधु की राज्यस्तरीय बैठक केवल लखनऊ तक सीमित न रहे। अन्य मंडल मुख्यालयों पर भी आयोजित की जाए। कमिश्नरी स्तर पर मंडलायुक्त एवं एडीजी/आईजी की उपस्थिति में प्रत्येक दो माह में उद्योग बंधु की बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित होगी। इन बैठकों में संबंधित मंत्री गणों के साथ इन्वेस्ट यूपी के सीईओ व अवस्थापना और औद्योगिक विकास से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। वहीं राज्यस्तर पर प्रत्येक तिमाही बैठक मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक की उपस्थिति में आयोजित की जाएगी।

इंसेंटिव का वितरण पारदर्शी और समयबद्ध होगा

योगी ने उद्यमियों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार की औद्योगिक नीतियों के अनुरूप इंसेंटिव का वितरण पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घोषित प्रोत्साहनों का लाभ उद्योगों तक बिना देरी पहुंचे, यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने खिलौना उद्योग की व्यापक संभावनाओं की ओर ध्यान दिलाते हुए प्रदेश में टॉय पार्क के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने प्रमुख सचिव आवास को निर्देश दिए कि आवासीय पार्किंग के लिए उपयोग की जा रही भूमि पर अनावश्यक कर न लिया जाए, ताकि नागरिकों और उद्योग से जुड़े लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े।

घने कोहरे और बर्फीली हवा के साथ फिर लौटी कड़ाके की ठंड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● तीन दिन बारिश के आसार, कई जिलों में घना कोहरा, दृश्यता 10 मीटर तक घटी, पारे में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट

अमृत विचार : प्रदेश में शनिवार को एक बार फिर ठंड ने जोर पकड़ लिया। कोहरे और बर्फीली हवा के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। लखनऊ समेत कई जिलों में सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता बेहद कम हो गई। मौसम विभाग ने रविवार से अगले तीन दिनों तक पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश की संभावना भी जताई है।

बारिश और ओलावृष्टि के बाद ठंड का असर और तेज हो गया है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, बरेली, गाजियाबाद सहित कई जिलों में शनिवार सुबह से घना कोहरा छाया रहा। अनेक स्थानों पर दृश्यता घटकर मात्र 10 मीटर तक रह गई। बर्फीली हवा के कारण न्यूनतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। सुबह और शाम गलन बढ़ गई है, जिससे सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। लोग गर्म कपड़ों और अलाव का सहारा लेते नजर आए। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 31 जनवरी तक कोहरे में और बढ़ोतरी हो सकती है तथा कुछ क्षेत्रों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि फरवरी के पहले सप्ताह में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से एक से तीन फरवरी के बीच प्रदेश के दोनों संभागों में बारिश हो सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस दौरान दिन के तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी संभव है, जिससे कोहरे से आंशिक राहत मिलेगी। हालांकि चार फरवरी से तापमान में फिर हल्की गिरावट के आसार हैं। शुक्रवार को न्यूनतम आठ डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ बुलंदशहर प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा, जबकि अधिकतम 21.9 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ आगरा सबसे गर्म दर्ज किया गया।

मौसम विभाग का इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने कई जिलों कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरेया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल और बदायूं में घने कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और वाहन चालकों को सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

उत्तर भारत में आज से बारिश के आसार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में रविवार से बारिश होने के संभावना है। एक के बाद एक, दो पश्चिमी विक्षोभ के असर से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 31 जनवरी से 3 फरवरी के दौरान मध्यम से तेज बारिश के साथ बर्फबारी देखने को मिल सकता है। वहीं, उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य भारत के आस-पास के मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम अलग-अलग जगहों छिटपुट बहारिश होने की संभावना है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, युवाओं का नया गणित बचत पीछे, खर्च आगे व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

रैगिंग में एमबीबीएस के आठ छात्र निलंबित

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के प्रथम वर्ष के एक छात्र की रैगिंग करने के मामले में एमबीबीएस के आठ छात्रों को छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। पीड़ित द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद कॉलेज की रैगिंग रोधी समिति ने जांच की और आरोपों को सही पाया। एमबीबीएस के तीसरे वर्ष के छात्रों नवदीप चौधरी, प्रकाश बावरिया, विक्रम सिंह मीणा, धर्मेंद्र कुशवाह, केशव गौतम, सुदीप जायसवाल, नवनीत कुशवाह और रवि मीणा को छात्रावास से निष्कासित कर दिया गया है और प्रत्येक पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

सीतारमण आज पेश करेंगी आम बजट, बहुप्रतीक्षित सीमा शुल्क सुधारों पर होंगीं निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी

● वित्त मंत्री लगातार 9वां बजट पेश कर बनाएंगीं नया रिकॉर्ड, 1999 के बाद यह पहला मौका है जब रविवार को आएगा बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना लगातार नौवां बजट पेश कर एक नया रिकॉर्ड बनाएंगी। इस बार सभी की निगाहें बहुप्रतीक्षित सीमा शुल्क सुधारों पर टिकी होंगी। सीतारमण ने अपने पहले बजट में दशकों से चले आ रहे चमड़े के ब्रीफकेस की जगह लाल कपड़े में लिपटे पारंपरिक 'बही-खाता' का अनुकरण किया था। पिछले चार वर्षों की तरह इस साल का बजट भी वह डिजिटल रूप से पेश करेंगी। यह 1999 के बाद यह पहला मौका है जब रविवार को बजट पेश हो रहा है।

आम बजट 2026 में वे प्रमुख रूप से जिन आंकड़ों पर नजर होगी उनमें मुख्य रूप से राजकोषीय घाटा शामिल है। सरकार के कुल खर्च और आय के बीच का अंतर राजकोषीय घाटा कहलाता है। चालू वित्त वर्ष (2025-26) के लिए इसके जीडीपी के 4.4 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया गया है। बजट में 4.5 प्रतिशत से नीचे का लक्ष्य हासिल करने के बाद, बाजार अब कर्ज-जीडीपी अनुपात में कमी की दिशा में आगे बढ़ने के लिए सटीक आंकड़ों का इंतजार कर रहा है। उम्मीद है कि सरकार वित्त वर्ष 2026-27 के लिए चार प्रतिशत के राजकोषीय घाटे की घोषणा कर सकती है। पूंजीगत व्ययः चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार का नियोजित पूंजीगत व्यय 11.2 लाख करोड़ रुपये तय किया गया है।

आज खुलेगा शेयर बाजार

नई दिल्ली। आमतौर पर रविवार को छुट्टी मनाने वाले निवेशकों के लिए इस बार का बजट बेहद खास होने वाला है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने साफ कर दिया है कि यूनियन बजट 2026 के दिन शेयर बाजार पूरी तरह खुला रहेगा। इस दिन बाजार सामान्य समय पर खुलेगा। सुबह 9 बजे प्री ओपन सेशन शुरू होगा और 9 बजकर 15 मिनट से लेकर दोपहर 3 बजकर 30 मिनट तक सामान्य ट्रेडिंग होगी।

महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम बनीं सुनेत्रा पवार

● अजित पवार के निधन के चौथे दिन ली शपथ, नहीं पहुंचे शरद पवार

मुंबई, एजेंसी

राकांपा के दिवंगत अध्यक्ष अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार (62) ने शनिवार को मुंबई में एक समारोह में महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे चुकीं सुनेत्रा को यहां लोकभवन में एक संक्षिप्त समारोह में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इससे पहले दिन में, उन्हें औपचारिक रूप से राकांपा विधायक दल का नेता चुना गया। भाजपा, एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार नीत राकांपा के घटक वाली 'महायुति' सरकार में अजित पवार उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री थे। उनकी 28 जनवरी को बारामती में एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। सुनेत्रा पवार जब शपथ लेने के लिए उठीं तो 'अजित दादा अमर रहें' जैसे नारे लगाए गए। सुनेत्रा पवार के छोटे बेटे जय पवार और उनकी पत्नी भी शपथग्रहण समारोह में मौजूद थीं। सुनेत्रा राज्य विधानमंडल के किसी भी सदन की सदस्य नहीं हैं। उनके बारामती विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की संभावना है जो अजित के निधन से खाली हुई है। चर्चाओं से दूर रहने वाली सुनेत्रा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने चुनावी करियर की शुरुआत की थी।

प्रधानमंत्री मोदी व सीएम योगी ने दी बधाई

नई दिल्ली/लखनऊ। प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने पर सुनेत्रा पवार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि वह राज्य के लोगों की भलाई के के साथ दिवंगत अजितदादा पवार के विजन को पूरा करेंगी। वहीं, मुख्यमंत्री योगी ने भी सुनेत्रा अजित पवार को हार्दिक बधाई।

कोडीन कफ सिरप : भोला की 5.77 करोड़ की संपत्ति जब्त

वाराणसी/सोनभद्र। सोनभद्र जिले की पुलिस ने अवैध नशीले कफ सिरप मामले में शनिवार को वाराणसी में भोला जायसवाल और उसके परिजनों की कुल पांच करोड़ 77 लाख से अधिक की संपत्ति कुर्क की। सोनभद्र के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिषेक वर्मा ने बताया कि राबर्ट्सगंज पुलिस थाने में पंजीकृत अभियोग के तहत अभियुक्त भोला प्रसाद जायसवाल के वाराणसी के मडौली, भरलाई और जगदीशपुर क्षेत्रों में 4.55 करोड़ रुपये की कुल सात अचल संपत्तियां और 51.16 लाख रुपये मूल्य के चार वाहन कुर्क किये गए हैं। इसके अलावा बैंक खातों में जमा 70,99,228 रुपये को भी कुर्क किया गया है। कुर्क की गई चल-अचल संपत्तियों की कुल कीमत 5,77,17,990 रुपये बताई गई है।

तंबाकू-पान मसाला का सेवन आज से होगा महंगा

● तंबाकू पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क, पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर आज से प्रभावी

नई दिल्ली। सिगरेट व तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क तथा पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर एक फरवरी से लागू हो जाएगा। यह जीएसटी की उच्चतम 40 प्रतिशत की दर के ऊपर लगाया जाएगा।

ये उपकर और उत्पाद शुल्क इन हानिकारक वस्तुओं पर एक जुलाई 2017 से लागू 28 प्रतिशत जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर का स्थान लेंगे। इसके अलावा, एक फरवरी से तंबाकू उत्पादों (चबाने वाला तंबाकू, फिल्टर खैनी, जर्दा युक्त सुगंधित तंबाकू और गुटखा) के लिए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) आधारित मूल्यांकन की नई व्यवस्था शुरू होगी। इसके तहत जीएसटी का निर्धारण पैकेट पर घोषित खुदरा बिक्री मूल्य के आधार पर किया जाएगा। पान मसाला निर्माताओं को एक फरवरी से स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून के तहत नया पंजीकरण कराना होगा।

ऐसे उत्पादों के निर्माताओं को सभी पैकिंग मशीनों को कवर करने वाली एक कार्यशील सीसीटीवी प्रणाली लगानी होगी और इसकी फुटेज को कम से कम 24 महीनों तक सुरक्षित रखना होगा। उन्हें उत्पाद शुल्क अधिकारियों को मशीनों की संख्या और उनकी क्षमता की जानकारी भी देनी होगी।

सिगरेट की लंबाई के आधार पर उत्पाद शुल्क

एक फरवरी से प्रभावी केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम में संशोधन कर सिगरेट की लंबाई के आधार पर 2.05 रुपये से 8.50 रुपये प्रति स्टिक तक उत्पाद शुल्क लगाया गया है। इसके अलावा, स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून पान मसाला इकाइयों की उत्पादन क्षमता पर उपकर लगाता है।

भारत का टी-20 सीरीज पर कब्जा

ईशान किशन (103) के पहले आतिशी शतक, कप्तान सूर्यकुमार यादव (63) और हार्दिक पंड्या (42) की तूफानी पारियों तथा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (51 रन पर पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी की मदद से भारत ने न्यूजीलैंड को पांचवें और अंतिम टी20 मुकाबले में शनिवार को 46 रन से हराकर सीरीज 4-1 से जीत ली। भारत ने पांच विकेट पर 271 रन का विशाल स्कोर बनाने के बाद न्यूजीलैंड को 19.4 ओवर में 225 रन पर समेट दिया। (विस्तृत खेल पेज)

साक्षात्कार

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- भारत 2032 तक दो हजार अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य कर सकता है हासिल

ईयू के बाद अब अमेरिका की बारी, जल्द होगी दमदार ट्रेड डील

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है और दोनों देश इसे जल्द पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने भरोसा जताया कि निकट भविष्य में इस मोर्चे पर अच्छी खबर दी जाएगी।

गोयल ने एक साक्षात्कार में कहा, हर मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अपनी शर्तों और खूबियों पर टिका होता है। हमारी बातचीत बहुत अच्छी चल रही है। अमेरिका में मेरे समकक्ष और मेरे बीच बहुत ही शानदार कामकाजी संबंध और व्यक्तिगत मित्रता है। हम इस समझौते को जल्द से जल्द पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि मदर ऑफ ऑल डील्स (भारत-ईयू समझौता) के बाद अब भारत और अमेरिका के बीच फादर ऑफ ऑल डील्स कब तक हकीकत बनेगी, तो उन्होंने कहा कि व्यापार समझौतों के लिए कभी कोई समय सीमा तय नहीं की जाती। इन्हें दोनों देशों के हितों को ध्यान में रखते हुए सही समय पर अंतिम रूप दिया जाएगा। एफटीए से यूरोप को भारतीय निर्यात पांच वर्षों में बढ़कर दोगुना होने की उम्मीद है। गोयल ने कहा कि भारत वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते 2030 के पिछले अनुमान के बजाय 2032 तक दो हजार अरब अमेरिकी डॉलर के माल एवं सेवा निर्यात का लक्ष्य हासिल कर सकता है। कोविड-19 महामारी से देश का निर्यात क्षेत्र प्रभावित हुआ, इसके बाद वैश्विक व्यापार व्यवस्था में उथल-पुथल मची, हालांकि अब यह अस्थिरता धीरे-धीरे खत्म होती दिखाई दे रही है। गोयल ने कहा, हम दो हजार अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य हासिल करने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहे हैं।

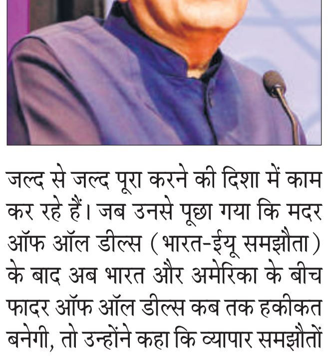

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री बोले- मां 28 बच्चों का ख्याल रखेगी

नई दिल्ली। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अगले पांच वर्षों में यूरोप को होने वाले देश के निर्यात को दोगुना कर देगा। उन्होंने इस ऐतिहासिक समझौते को मदर ऑफ ऑल डील्स करार देते हुए कहा कि मां दयालु और प्रेममयी होगी और यह सुनिश्चित करेगी कि इसके सभी 28 बच्चों (भारत और यूरोपीय संघ के 27 देश) को इस समझौते से लाभ हो। भारत-यूरोपीय संघ एफटीए को व्यापक रूप से मदर ऑफ ऑल डील्स कहा जा रहा है। दोनों पक्षों ने घोषणा की है कि समझौते के लिए बातचीत पूरी हो चुकी है और इसके इसी साल लागू होने की संभावना है। गोयल ने कहा कि यूरोपीय संघ को होने वाले वस्तु और सेवा निर्यात में भारत पहले से ही व्यापार अधिशेष की स्थिति में है। अब, समझौते के लागू होने के पहले ही दिन से भारत के 99 प्रतिशत निर्यात को यूरोपीय संघ में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। इससे अगले पांच वर्षों में देश का निर्यात दोगुना होने की संभावना है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का वस्तु निर्यात 76 अरब डॉलर और सेवा निर्यात 46 अरब डॉलर था।

न्यूज ब्रीफ

रविदास जयंती पर योगी ने दीं शुभकामनाएं

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संत शिरोमणि रविदास की जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर ही संत रविदास जी का जन्म हुआ था, इसलिए यह तिथि आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष महत्व रखती है। मुख्यमंत्री ने माघ पूर्णिमा पर संगम में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं और कल्पवासियों के सुख, स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की कामना की तथा स्वच्छता, अनुशासन और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के पालन की अपील की।

राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 31 मार्च तक

अमृत विचार, लखनऊ : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, सर्वोच्च न्यायालय के तत्वावधान में देशभर में राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 संचालित किया जा रहा है। यह अभियान 31 मार्च तक प्रभावी रहेगा। अभियान का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों का मध्यस्थता के माध्यम से त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण कर न्याय प्रक्रिया को सुलभ और समयबद्ध बनाना है। अभियान के अंतर्गत वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, चेक बाउंस, उपभोक्ता, वाणिज्यिक एवं अन्य उपयुक्त मामलों का समाधान मध्यस्थता के माध्यम से कराया जाएगा। नागरिकों से अभियान में सहभागिता की अपील की गई है।

मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर 22 को

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व कार्यपालक अध्यक्ष/वरिष्ठ न्यायमूर्ति, उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 22 फरवरी को लखनऊ में वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के तत्वावधान में किया जाएगा। सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि शिविर का आयोजन जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मलखान सिंह के निर्देशन में सुनिश्चित किया गया है। शिविर का उद्देश्य समाज के निर्बल, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना तथा विभिन्न सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही मंच पर प्रदान करना है।

लखनऊ में जुटेंगी दिग्गज फार्मा कंपनियां

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश को देश का प्रमुख फार्मास्यूटिकल और मेडिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की ठान ली है। 3 फरवरी को राजधानी लखनऊ स्थित होटल ताज में "फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 : इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन उत्तर प्रदेश" का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश-दुनिया की दिग्गज फार्मा कंपनियां आएंगी और निवेश के नए अवसरों पर मंथन होगा। एफएसडीए के सचिव एवं आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि कॉन्क्लेव का आयोजन उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) और इन्वेस्ट यूपी द्वारा किया जा रहा है। कॉन्क्लेव का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे, जबकि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन-उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा वीडियो संदेश के माध्यम से निवेशकों को संबोधित करेंगे।

पीएम सूर्य घर योजना में 10.94 लाख आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से यूपी देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। राष्ट्रीय पोर्टल के अनुसार, देशभर में अब तक 58.36 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से अकेले उत्तर प्रदेश से 10.94 लाख से अधिक आवेदन दर्ज किए गए हैं। योगी सरकार की सक्रिय नीतियों और यूपीनेडा व वितरण कंपनियों के समन्वित प्रयासों से प्रदेश में अब तक 3.57 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं। इससे राज्य की कुल स्थापित सौर क्षमता 1,227 मेगावाट से अधिक हो गई है। योजना के तहत उपभोक्ताओं को अब तक 2,440 करोड़ से अधिक केंद्रीय सब्सिडी और लगभग 600 करोड़ की राज्य सब्सिडी दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर दो ग्राम पंचायतों के नाम बदले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- फिरोजाबाद और हरदोई की पंचायतों के नाम परिवर्तन को मिली मंजूरी

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में दो ग्राम पंचायतों के नाम परिवर्तित किए गए हैं। राज्य सरकार ने स्थानीय जनभावनाओं और प्रशासनिक प्रस्तावों के आधार पर यह निर्णय लिया है।

सरकारी आदेश के अनुसार, फिरोजाबाद जनपद के शिकोहाबाद तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत वासुदेवमई में स्थित ग्राम उरमुरा किरार का नाम परिवर्तित कर अब हरिनगर कर दिया गया है। इसी प्रकार हरदोई जनपद के विकास खंड भरावन की ग्राम पंचायत हाजीपुर का नाम बदलकर सियारामपुर किये जाने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश सरकार के अनुसार, नाम परिवर्तन का उद्देश्य स्थानीय सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान को सम्मान देना और ग्राम पंचायतों की पहचान को और सुदृढ़ करना है। नाम परिवर्तन से संबंधित सभी प्रशासनिक अभिलेखों, राजस्व रिकॉर्ड और सरकारी दस्तावेजों में आवश्यक संशोधन किए जाने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

फिल्म 'गोदान' के निर्माता-निर्देशक ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर फिल्म का ट्रेलर लांच किया गया।

योगी से मिले 'गोदान' फिल्म के निर्माता-निर्देशक, ट्रेलर लांच

अमृत विचार, लखनऊ : गोमाता के संरक्षण, भारतीय संस्कृति में उसके महत्व और पंचगव्य आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को केंद्र में रखकर बनी फिल्म गोदान के निर्माता-निर्देशक ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर फिल्म का ट्रेलर लांच किया गया। निर्माता-निर्देशक विनोद चौधरी ने कहा कि प्रदेश में गो-रक्षा को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जो ठोस, व्यापक और जमीनी स्तर पर कार्य हुआ है, वही इस फिल्म के निर्माण की सबसे बड़ी प्रेरणा बना। फिल्म में पंचगव्य से "पंच परिवर्तन" की अवधारणा को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया गया है। विनोद चौधरी द्वारा निर्मित व निर्देशित फिल्म 'गोदान' 6 फरवरी को देशभर में एक साथ रिलीज होगी। निर्माता ने मुख्यमंत्री को फिल्म की विषयवस्तु, उद्देश्य और सामाजिक संदेश से अवगत कराते हुए कहा कि यह फिल्म केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि गोमाता, भारतीय संस्कृति, वैज्ञानिक चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी का समग्र दस्तावेज है।

एटा का 'पटना पक्षी अभयारण्य' रामसर साइट सूची में शामिल

वेटलैंड दिवस से पहले यूपी को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान, बना 11वां रामसर स्थल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः विश्व वेटलैंड्स दिवस (2 फरवरी) से पहले प्रदेश को बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। केंद्र सरकार ने एटा जनपद स्थित पटना पक्षी अभयारण्य को रामसर साइट्स की सूची में शामिल कर लिया है। इसके साथ ही प्रदेश में रामसर स्थलों की संख्या 10 से बढ़कर 11 हो गई है। इस अंतरराष्ट्रीय मान्यता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेशवासियों को बधाई दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में वर्ष 2017 के बाद से आर्द्रभूमि, वन्यजीव और जैव विविधता संरक्षण के लिए किए गए निरंतर प्रयासों का यह परिणाम माना जा रहा है। 108.86 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला पटना पक्षी विहार एक लाख से अधिक जल-पक्षियों की संरक्षण क्षमता रखता है। सर्दियों के मौसम में यहां बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षियों का आगमन होता है। वर्ष 1990 में इसे अभयारण्य घोषित किया गया था, जिसका नाम जलेसर तहसील के पटना गांव के नाम पर रखा गया।

यह अभयारण्य 178 प्रजातियों के पक्षियों का आश्रय स्थल है। यह क्षेत्र 44 से अधिक जल-पक्षी प्रजातियों और चार आर्द्रभूमि पक्षी प्रजातियों- सरकिडियोर्निस मेलानोटस, अनहिंगा मेलानोगास्टर, मारेका स्ट्रेपेरा और एंसर की वैश्विक जैव-भौगोलिक आबादी के एक प्रतिशत से अधिक का संरक्षण करता है। गर्मियों में आसपास की आर्द्रभूमियों के सूख जाने पर यह स्थल सारस क्रेन का प्रमुख आश्रय बन जाता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को वैश्विक पहचान मिल रही है। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने इसे जैव विविधता और पारिस्थितिक तंत्र संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

प्रदेश के रामसर स्थल

नवाबगंज (उन्नाव), पार्वती अरगा (गोंडा), समान (मैनपुरी), समसपुर (रायबरेली), सरसई नावर (इटावा), सांडी (हरदोई), सूर सरोवर (आगरा), बखीरा (संतकबीर नगर), ऊपरी गंगा नदी (बुलंदशहर), हैदरपुर वेटलैंड (मुजफ्फरनगर) और पटना पक्षी अभयारण्य (एटा)।

- पीएम मोदी और सीएम योगी ने दी बधाई, जैव विविधता संरक्षण को लेकर बड़ी उपलब्धि

वेटलैंड दिवस पर बर्ड फेस्टिवल कल से

अमृत विचार, लखनऊ : विश्व आर्द्रभूमि (वेटलैंड) दिवस के अवसर पर 2 फरवरी को ललितपुर स्थित महावीर स्वामी पक्षी विहार में बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव की शुरुआत प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह करेंगे। आयोजन का उद्देश्य वेटलैंड संरक्षण के साथ-साथ जैव विविधता और पक्षी संरक्षण के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना है। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार ने शनिवार को अरण्य भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बर्ड फेस्टिवल में देशभर से पक्षी प्रेमी, पर्यावरणविद् और विशेषज्ञ भाग लेंगे। मंत्री ने पटना पक्षी विहार को रामसर साइट घोषित किए जाने पर विभागीय अधिकारियों की भी सराहना की।

2028 तक तैयार होगी फिल्म सिटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र में बनेगी इंटरनेशनल फिल्म सिटी
- एक ही परिसर में स्टूडियो से यूनिवर्सिटी तक पूरा इकोसिस्टम
- यूपी में रोजगार, पर्यटन और सांस्कृतिक पहचान को मिलेगा नया आयाम

अमृत विचारः यमुना एक्सप्रेस-वे के किनारे सेक्टर-21 में प्रस्तावित इंटरनेशनल फिल्म सिटी उत्तर प्रदेश सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल है। करीब एक हजार एकड़ क्षेत्रफल में विकसित की जा रही इस फिल्म सिटी को जून 2028 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार इसे राज्य की आर्थिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक दिशा को नई ऊंचाई देने वाली परियोजना के रूप में देख रही है। इसके पूरा होने के बाद उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख फिल्म निर्माण और मनोरंजन केंद्रों में शुमार हो सकता है।

इस परियोजना की निगरानी और क्रियान्वयन के लिए यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने इंजीनियरिंग एजेंसियों और चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्मों के चयन हेतु निविदाएं आमंत्रित की हैं। इसे फिल्म सिटी के निर्माण कार्य के औपचारिक रूप से अगले चरण में प्रवेश का संकेत माना जा रहा है। सरकार का उद्देश्य यहां मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर का एक समग्र इकोसिस्टम विकसित करना है, जहां अत्याधुनिक फिल्म स्टूडियो, शूटिंग फ्लोर, पोस्ट-प्रोडक्शन यूनिट, वीएफएक्स सुविधाएं और फिल्म यूनिवर्सिटी एक ही परिसर में उपलब्ध हों।

यमुना एक्सप्रेस-वे से सीधी कनेक्टिविटी और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की नजदीकी के कारण देश-विदेश के फिल्म निर्माताओं के लिए यहां पहुंचना बेहद आसान होगा। रोजगार सृजन के लिहाज से भी यह परियोजना बेहद अहम मानी जा रही है। फिल्म सिटी के निर्माण और संचालन से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। अभिनय के साथ-साथ कैमरा, साउंड, एडिटिंग, सेट डिजाइन, कॉस्ट्यूम, लाइटिंग और अन्य तकनीकी क्षेत्रों में प्रदेश के युवाओं को नए अवसर मिलेंगे।

फिल्म सिटी के विकास से पर्यटन क्षेत्र को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। इसके आसपास होटल, कन्वेंशन सेंटर और मनोरंजन सुविधाओं के विकास की योजना है, जिससे फिल्म टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही प्रदेश की लोक कला, संस्कृति और परंपराओं को फिल्मों और डिजिटल माध्यमों से राष्ट्रीय व वैश्विक पहचान मिलेगी। इस तरह इंटरनेशनल फिल्म सिटी उत्तर प्रदेश को एक सशक्त पहचान दिलाने वाली परियोजना साबित हो सकती है।

भाजपा सरकार में बड़े पैमाने पर हुए फर्जी एनकाउंटर : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : मुठभेड़ों को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की टिप्पणी के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

सपा मुखिया ने बयान जारी कर कहा कि भाजपा के शासनकाल में बड़े पैमाने पर फर्जी एनकाउंटर हुए हैं, जिससे न केवल निर्दोष लोगों की जान गई, बल्कि उनके परिवार भी पूरी तरह बर्बाद हो गए। अखिलेश यादव ने कहा कि कोर्ट के अलावा किसी अन्य द्वारा सजा देना अपने आप में अपराध है। झूठे एनकाउंटर प्रशासन को भ्रष्ट करते हैं और कानून के राज को कमजोर करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद पुलिस को बेलगाम छोड़ दिया गया, जिसके चलते फर्जी एनकाउंटर के नाम पर हत्याएं हुईं। अब स्थिति यह है कि खुद न्यायालय को भी नाराजगी जाहिर करनी पड़ रही है।

पांच आईएएस अफसरों का तबादला

- नगेंद्र प्रताप बने आगरा मंडल के कमिश्नर, एक प्रमुख सचिव को अतिरिक्त प्रभार, कई जिलों को मिले नए सीडीओ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए पांच वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले और एक प्रमुख सचिव को अतिरिक्त प्रभार के आदेश दिए हैं। नगेंद्र प्रताप, जो अब तक यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर तैनात थे, उन्हें आगरा मंडल का आयुक्त (कमिश्नर) नियुक्त किया गया है।

वहीं, मऊ के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) प्रशांत नागर को फिरोजाबाद का नगर आयुक्त बनाया गया है। इसके साथ ही उन्हें फिरोजाबाद-शिकोहाबाद विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष भी नियुक्त किया गया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में उप सचिव के पद पर तैनात विवेक कुमार श्रीवास्तव को मऊ का नया मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है। मथुरा के मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीणा को स्थानांतरित करते हुए यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण का अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनकी जगह गाजियाबाद में संयुक्त मजिस्ट्रेट के पद पर कार्यरत डॉ. पूजा गुप्ता को मथुरा का मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है। खाद्य एवं रसद तथा उपभोक्ता मामले विभाग के प्रमुख सचिव रणवीर प्रसाद को उनके वर्तमान पद के साथ-साथ आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

पांच पीसीएस अधिकारियों के तबादले राजेश वर्मा बने बरेली के नगर मजिस्ट्रेट

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने पीसीएस अधिकारियों के तबादले करते हुए प्रशासनिक स्तर पर फेरबदल किया है। जारी सूची के अनुसार कुल पांच अधिकारियों को नई तैनाती दी गई है। जालौन के नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा को नगर मजिस्ट्रेट बरेली बनाया गया है। इसी पद तैनात अलंकार अग्निहोत्री को गणतंत्र दिवस के दिन सरकार विरोधी कृत्यों को लेकर निलंबित करके डीएम शामली कार्यालय से संबद्ध किया जा चुका है। जारी आदेश के अनुसार, उप जिलाधिकारी प्रयागराज सुनील कुमार को नगर मजिस्ट्रेट, जालौन बनाया गया है। अपर आयुक्त, देवीपाटन मंडल गोंडा के पद पर कार्यरत कमलेश चन्द्र को उप सचिव, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में राजेश कुमार यादव-I, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति), मथुरा को अपर आयुक्त, देवीपाटन मंडल, गोंडा के पद पर स्थानांतरित किया गया है। इसके अलावा नंद प्रकाश मौर्य, उप जिलाधिकारी महाराजगंज को अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति), मथुरा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सरकार की ओर से जारी इस तबादला सूची को प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़ाने और विभिन्न जिलों एवं मंडलों में कार्य संतुलन बनाए रखने की दिशा में कदम माना जा रहा है।

गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा की शुरुआत 5 से

तीन दिवसीय अभियान में 300 केंद्रों पर लगेंगे शिविर, मिलेगा निःशुल्क इलाज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन (एनएमओ) अवध एवं गोरक्ष प्रांत तथा श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास की ओर से गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 की शुरुआत की जा रही है। तीन दिवसीय इस स्वास्थ्य सेवा अभियान के तहत भारत-नेपाल सीमा से सटे सुदूर, थारू बाहुल्य और सीमावर्ती क्षेत्रों में डॉक्टरों की टीमें पहुंचकर लोगों को निःशुल्क जांच और इलाज की सुविधा उपलब्ध कराएंगी।

स्वास्थ्य सेवा यात्रा की शुरुआत 5 फरवरी को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री असीम अरुण और संघ के प्रचारक सहित अन्य अतिथि लोहिया संस्थान से करेंगे। यात्रा की जानकारी शनिवार को जियामऊ स्थित विश्व संवाद केंद्र में आयोजित प्रेसवार्ता में दी गई। इस मौके पर श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. एमएलबी भट्ट, एनएमओ अवध प्रांत अध्यक्ष डॉ. संदीप तिवारी, केजीएमयू के डॉ. विजय कुमार और मीडिया प्रभारी डॉ. कपिल देव शर्मा मौजूद रहे।

विश्व संवाद केंद्र में पत्रकारों को जानकारी देते श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. एमएलबी भट्ट, साथ में अन्य।

डॉ. संदीप तिवारी और डॉ. एमएलबी भट्ट ने बताया कि यात्रा की रवानगी के बाद डॉक्टरों की टीमें लखीमपुर, पीलीभीत, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज के सीमांत इलाकों में पहुंचेंगी। सभी क्षेत्रों में 6 फरवरी को सुबह 9 बजे से स्वास्थ्य शिविरों की शुरुआत होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ऑनलाइन माध्यम से इन शिविरों का उद्घाटन करेंगे।

उन्होंने बताया कि 6 और 7 फरवरी को 300 केंद्रों पर विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे, जबकि 8 फरवरी को विशाल स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान निःशुल्क जांच, दवा वितरण और विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा दी जाएगी। इस बार ढाई लाख से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं देने का लक्ष्य रखा गया है।

स्वास्थ्य सेवाओं में केजीएमयू, एम्स, एसजीपीजीआई, बीएचयू सहित देश के 70 मेडिकल कॉलेजों के एक हजार से अधिक डॉक्टर हिस्सा लेंगे। राजस्थान, महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों से भी चिकित्सक इस अभियान में सहयोग करेंगे। शिविरों में एक्स-रे, कैंसर, मोतियाबिंद सहित विभिन्न बीमारियों की जांच की जाएगी। साथ ही चश्मा वितरण, आयुष्मान कार्ड बनवाने जैसी सुविधाएं भी लोगों को उपलब्ध कराई जाएंगी।

पहल

उप्र. और बिहार के महिला किसान संगठनों के बीच एमओयू

खेती में डिजिटल टेक्नोलॉजी का होगा इस्तेमाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी-बिहार मिलकर करेंगे महिला किसानों की क्षमता वृद्धि, खुलेंगे रोजगार के नए अवसर

अमृत विचारः खेती को आधुनिक, टिकाऊ और लाभकारी बनाने की दिशा में उप्र. और बिहार ने एक अहम पहल की है। डिजिटल तकनीक, डेटा आधारित निर्णय प्रणाली और क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश और बिहार के महिला किसान संगठनों के बीच राजधानी लखनऊ में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

यह एमओयू उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से संबद्ध महिला किसान उत्पादन संगठनों के राज्य स्तरीय संघ भूस्वामिनी और बिहार के पहले एफपीओ महासंघ बिहप्रो कन्सोर्टियम ऑफ प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के बीच हुआ। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य महिला किसानों की क्षमता वृद्धि, आधुनिक तकनीक आधारित खेती को प्रोत्साहन, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन तथा खरीद-बिक्री की संगठित व्यवस्था विकसित करना है। एमओयू के तहत खेती में डिजिटल टेक्नोलॉजी और डेटा के उपयोग

को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे महिला किसान वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित निर्णय ले सकेंगी। साथ ही बदलते मौसम को ध्यान में रखते हुए क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर प्रैक्टिसेज अपनाने पर विशेष जोर रहेगा। एमओयू के माध्यम से उत्तर प्रदेश और बिहार की महिला किसान संयुक्त रूप से प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और नवाचार आधारित कार्यक्रम संचालित करेंगी। इससे महिला किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों, जलवायु अनुकूल खेती और संसाधनों के बेहतर उपयोग की जानकारी मिलेगी।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देशों के अनुरूप प्रदेश में महिला किसानों को केवल उत्पादन तक सीमित न रखकर कृषि आधारित उद्यमिता, प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग और मार्केट लिंकेज से जोड़ा जा रहा है। कृषि उत्पादों की खरीद-बिक्री के लिए एक पारदर्शी और सशक्त तंत्र विकसित किया जाएगा, जिससे महिला किसान संगठनों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके।

आपदा राहत कार्यों को मिली रफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वर्ष 2025-26 में 710.12 करोड़ रुपये जारी, बाढ़ राहत पर सर्वाधिक खर्च

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों को लेकर पूरी तरह संवेदनशील और प्रतिबद्ध है। बाढ़, भूकंप, सूखा, अग्निकांड, शीतलहर और मानव-जीव संघर्ष जैसी आपदाओं से प्रभावित लोगों को त्वरित राहत पहुंचाने के लिए राहत आयुक्त कार्यालय लगातार सक्रिय हैं। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान आपदा राहत मद में कुल 710.12 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई, जिससे प्रदेश में राहत, बचाव और पुनर्वास कार्यों को नई गति मिली है।

जारी की गई धनराशि में सबसे अधिक 365.73 करोड़ रुपये बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास के लिए आवंटित किए गए। यह राशि मुख्य रूप से सरयू, गंगा और घाघरा नदी से प्रभावित इलाकों में बचाव कार्यों, क्षतिपूर्ति और पुनर्वास पर खर्च की गई। इसके अलावा चक्रवात व आंधी-तूफान से हुई क्षति के लिए 14.13 करोड़ रुपये, ओलावृष्टि से नुकसान की भरपाई के लिए 0.13 करोड़ रुपये और अग्निकांड से प्रभावितों को सहायता के लिए 14.63 करोड़ रुपये जारी किए गए। शीतलहरी से बचाव को लेकर सरकार ने विशेष प्रयास किए, जिसका सकारात्मक असर भी देखने को मिला। ठंड से निराश्रितों की सुरक्षा के लिए 50.72 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई। इसके अंतर्गत कंबल वितरण के लिए 45.51 करोड़ रुपये और अलाव जलाने के लिए 3.51 करोड़ रुपये खर्च किए गए। प्रदेश के सभी जनपदों में 27,027 स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था की गई, जिनमें अब तक 1,69,834 अलाव जलाए जा चुके हैं।

राहत आयुक्त कार्यालय के अनुसार, अब तक 5,89,689 कंबल गरीबों और निराश्रितों को वितरित किए जा चुके हैं। साथ ही प्रदेश भर में 1,242 रैन बसेरे स्थापित किए गए हैं, जहां 64 हजार से अधिक लोगों को ठंड से राहत मिली है।

उद्यमियों ने रखीं अहम मांगें, बजट को लेकर दिए व्यावहारिक सुझाव

डिफेंस कॉरिडोर, एमएसएमई, आईटी और निर्यात पर फोकस, औद्योगिक सुधारों पर संतोष

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अपर मुख्य सचिवों और प्रमुख सचिवों की उपस्थिति में शनिवार को आयोजित विशेष बैठक में उद्योग संगठनों और उद्यमियों ने बजट 2026-27 के संदर्भ में अपने सुझाव और अपेक्षाएं रखीं। मुख्यमंत्री ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और प्रभावी बनाने के लिए उद्योग जगत से व्यावहारिक सुझाव देने का आह्वान किया।

कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के वाइस चेयरमैन अभिषेक सराफ ने डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड में औद्योगिक गतिविधियों को गति देने के लिए भूमि आवंटन की आवश्यकता पर जोर दिया और शीघ्र निर्णय की अपेक्षा जताई। वहीं फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन मनोज गुप्ता ने औद्योगिक भूमि को फ्रीहोल्ड किए जाने का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और दीर्घकालिक निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।

उद्योग जगत ने औद्योगिक कानूनों के डी-क्रिमिनलाइजेशन पर संतोष जताया और इसे सकारात्मक सुधार बताया। इंडिया पेस्टीसाइड लिमिटेड के प्रतिनिधि ने कहा कि इन सुधारों से उद्योगों को अनावश्यक दंडात्मक प्रावधानों से राहत मिली है, हालांकि आगे और सुधारों की अपेक्षा बनी हुई है।

एसोचैम के को-चेयरमैन हसन याकूब ने "वन कंपनी-वन रजिस्टर-वन लेटर" जैसी व्यवस्था लागू करने का सुझाव दिया, ताकि अनुपालन प्रक्रिया सरल हो सके। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश की 'एक जनपद-एक उत्पाद' नीति की तर्ज पर फिलीपींस में भी कार्यक्रम शुरू किया गया है, जो प्रदेश की नीति की वैश्विक स्वीकार्यता को दर्शाता है।

व्यापारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

बैठक में एमएसएमई, आईटी और निर्यात को बढ़ावा देने पर विशेष चर्चा हुई। प्रतिनिधियों ने आईटीआई संस्थानों के उन्नयन, रिसर्च व इनोवेशन को बढ़ावा देने और इक्विटी मार्केट के विकास की आवश्यकता बताई। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े मामलों में ओटीएस योजना लाने और एमएसएमई इकाइयों का एक्सपोर्ट काउंसिल्स से नियमित संवाद कराने का सुझाव दिया गया।

नैसकॉम के लखनऊ चैप्टर के चेयरमैन रमीश जैदी ने छोटी आईटी कंपनियों के लिए प्लग-एंड-प्ले फैसिलिटी की जरूरत बताई। वहीं क्रेडाई यूपी के अध्यक्ष शोभित मोहन दास ने उद्योग बंधु की तर्ज पर 'आवास बंधु' बैठक शुरू करने की मांग रखी।

दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के राज्य अध्यक्ष मनीष वर्मा से संवाद में मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जनपद में एससी/एसटी वर्ग के कम से कम 10 युवा उद्यमी तैयार करने के लिए योजनाबद्ध प्रयासों पर जोर दिया, ताकि समावेशी औद्योगिक विकास को नई गति मिल सके।

शादी-ब्याह वाले घरों को राहत का छिड़काव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: मौजूदा वक्त में समझदारी से ही सोने-चांदी की खरीदारी करना बेहतर होगा। करीब 4.10 लाख तक पहुंच चुकी चांदी में 3.18 लाख रुपये में आ गई है। इसी तरह बड़ी गिरावट सोने में भी देखने को मिली है। दो दिनों में सोना एमसीएक्स पर चौबीस कैरेट सोना 1,51,500 लाख रुपये प्रति दस ग्राम पहुंच गया है। जो चंद दिन पहले 1.85 लाख रुपये प्रति दस ग्राम था। इन भावों में तीन प्रतिशत जीएसटी शामिल नहीं होती है। लगातार होती बड़ी गिरावट से जहां निवेशकों को झटका लगा है। वहीं शुरू हो रही सहालग को लेकर शादी-ब्याह वाले घरों को थोड़ा राहत का छिड़काव जरूर हुआ है।

- सोने चांदी के भाव में बड़ी गिरावट, निवेशकों को झटका

सोने व चांदी में शार्ट टर्म के लिए निवेश करने वालों के लिए यह गिरावट एक झटका है। इससे उबरने में निवेशकों को समझदारी से ही खरीदारी करनी होगी और इंतजार करना पड़ सकता है। दोनों धातुओं में आई गिरावट से सर्राफा बाजार में थोड़ी रौनक लौटने की उम्मीद बढ़ी है। इसे लेकर इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (इब्जा) के नार्थ हेड अनुराग रस्तोगी बताते हैं कि वैश्विक उथल-पुथल से दोनों धातुओं में गिरावट आई है। वहीं गिरावट के पीछे एक कारण डालर की मजबूती और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें ऊंची रखना है। मुनाफाखोरी भी एक वजह है। जिनके घरों में शादियां हैं उनके लिए यह कमी राहत भरी है। वहीं चौक सर्राफा एसोसिएशन के वरिष्ठ महामंत्री विनोद महेश्वरी के अनुसार इतनी गिरावट सोने-चांदी में लंबे समय बाद देखने को मिली है।

शनिवार को चौक सर्राफा में रहे दाम

- 24 कैरेट : 1.69 लाख रुपये प्रति दस ग्राम
- 22 कैरेट : 1,55,700 लाख रुपये प्रति दस ग्राम
- 18 कैरेट : 1,29,200 लाख रुपये प्रति दस ग्राम
- चांदी : 3.18 लाख रुपये प्रति किलो

बजट से उम्मीद

महंगाई पर हो लगाम तो विकास को मिले रफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- केंद्रीय बजट पर अर्थशास्त्रियों की अपेक्षाएं

अमृत विचार: देश की आर्थिक दिशा तय करने वाला मोदी सरकार का आगामी केंद्रीय बजट से आम जनता, उद्योग जगत, किसानों, मध्यम वर्ग और युवाओं को काफी उम्मीदें हैं। आर्थिक मंदी, महंगाई और रोजगार जैसी चुनौतियों के बीच इस बजट से विकास को गति देने और आम लोगों को राहत देने की अपेक्षा की जा रही है। मध्यम वर्ग को आयकर में छूट, महंगाई से राहत और आवास ऋण पर प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद अर्थशास्त्र के जानकार व्यक्त कर रहे हैं। वहीं, किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य, सिंचाई, कृषि तकनीक और फसल बीमा योजनाओं के माध्यम से लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है।

उद्योग और व्यापार जगत को सरल कर व्यवस्था, एमएसएमई के लिए सस्ती ऋण सुविधा और निवेश बढ़ाने वाले प्रावधानों की प्रतीक्षा है। साथ ही बुनियादी ढांचे सड़क, रेल, स्वास्थ्य और शिक्षा में निवेश बढ़ाकर आर्थिक विकास को मजबूती देने की उम्मीद की जा रही है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों को और सशक्त बनाने के लिए बजटीय प्रावधानों पर भी नजरें टिकी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह बजट संतुलित और जन-केंद्रित रहा तो इससे अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिलेगी और विकास की रफ्तार तेज होगी।

बजट किसी भी सरकार की मास्टर वित्तीय योजना है जिससे वह देश ही नहीं वहां की जनता भी प्रभावित होती है। आगामी बजट 2026 से पूरे राष्ट्र को एवं उसके प्रत्येक क्षेत्र को कुछ आशाएं एवं उम्मीदें हैं। उम्मीदें कहां तक पूरी हो सकती हैं, यह बजट प्रस्तुति पर ही स्पष्ट हो पाएगा फिर भी इस आगामी बजट से आर्थिक सर्वेक्षण 2026 के आधार पर कुछ उम्मीदें इंगित हो रही हैं। आगामी बजट 2026 से लोगों को स्टैंडर्ड टैक्स में छूट, न्यू टैक्स रिजीम के अंतर्गत लोगों को स्टैंडर्ड टैक्स डिडक्शन के अंतर्गत लाभ प्राप्त हो सके। एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए सुलभ व सस्ता कर्ज मिले, छोटे शहरों तक उद्योग पहुंचे और कैपिटल खर्च 10-15 प्रतिशत से बढ़ाकर लगभग 12 लाख करोड़ से अधिक किया जा सकता है। कृषि बजट में बढ़ोतरी और जल्दी खराब होने वाली उपज के लिए वेयर हाउसिंग सुविधा का विस्तार हो सकता है।

-डॉ. राहुल कुमार मिश्रा, अर्थशास्त्र विभाग, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि

इस बजट से उम्मीद है कि इनकम टैक्स में राहत खासकर मध्यम वर्ग के लिए नए टैक्स स्लैब में छूट की या सुधार की उम्मीद है। इसी है सेक्शनों में सुधार से टेक-होम इनकम बढ़ सकती है। स्टैंडर्ड डिडक्शन का बढ़ना 75 हजार से एक लाख रुपये तक होने की मांग से कर्मचारियों की जेब में अधिक पैसा बच सकता है। लॉन्ग टर्म पूंजी लाभ टैक्स में सुधार निवेशकों को शेयर-म्यूचुअल फंड पर टैक्स भार को कम करने की उम्मीद। कुल मिलाकर आम टैक्सपेयर चाहता है कि टैक्स बोझ कम हो, खासकर मध्यम वर्ग और सैलरी वालों के लिए।

-मुकेश वार्ष्णेय, अवकाश प्राप्त वरिष्ठ शाखा प्रबंधक, पंजाब नेशनल बैंक

बजट 2026 को लेकर कई महत्वपूर्ण राहतों की उम्मीद है। जिसमें युवाओं के लिए अधिक रोजगार के अवसर, छोटे व्यवसायों को समर्थन, बुनियादी ढांचे का विकास तथा उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ एमएसएमई के विकास की मांग प्रमुख रूप से की जा रही है। किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को सुविधाजनक बनाने तथा ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। उद्योग जगत को अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए बेहतर नीतियों और अनुकूल वातावरण की उम्मीद है। स्वास्थ्य और शिक्षा दो ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जहां सार्वजनिक खर्च विभिन्न वित्त आयोगों की सिफारिशों के अनुरूप नहीं है। बजट में इन क्षेत्रों के लिए अधिक आवंटन की अपेक्षा की जा रही है। प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसके लिए बड़े पैमाने पर सार्वजनिक निवेश की आवश्यकता है, ताकि मजबूत घरेलू बुनियादी ढांचा विकसित हो सके और भारत इस क्षेत्र में निर्यातक के रूप में भी उभर सके।

-प्रो. सनातन नायक, अर्थशास्त्र विभाग, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विवि

केंद्रीय बजट सर्वसमावेशी और भविष्य की चुनौतियों से निपटने वाला होना चाहिए। उम्मीद है कि महंगाई पर नियंत्रण के साथ विकास कार्यों को गति देने वाला बजट हो। अब एआई और तकनीक का युग है जिसमें पूरी दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है। हमारा बजट ऐसा हो कि अधिक से अधिक समाज और देश के लिए उपयोगी शोध केंद्रीत बजट आवंटन हो। जिससे हमारा रक्षा क्षेत्र और शिक्षा के साथ चिकित्सा क्षेत्र को मजबूती मिले। हमे कृषि क्षेत्र पर भी पूरा ध्यान देना है क्यों कि आगामी 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य है लेकिन देश की आबादी 2025 तक लगातार बढ़ेगी और इसके बाद स्थायित्व प्राप्त करने की संभावना बताई गई है। इसलिए हमें कृषि क्षेत्र, रोजगार सृजन, स्टार्ट अप संस्कृति और कौशल विकास को और तेजी से आगे बढ़ाना होगा।

-डॉ. राजेश श्रीवास्तव, अर्थशास्त्री

बजट पर टिकीं नजरें, महंगाई व टैक्स पर राहत की उम्मीद

- किसान, युवा और मध्यम वर्ग को ठोस फैसलों का इंतजार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: यूनियन बजट 2026 को लेकर इस बार प्रदेश के आम लोगों की उम्मीदें पहले से कहीं अधिक बढ़ गई हैं। लगातार बढ़ती महंगाई, सीमित रोजगार के अवसर और रोजमर्रा के खर्चों के दबाव ने आम परिवारों की आर्थिक चुनौतियां बढ़ा दी हैं। ऐसे में 1 फरवरी को पेश होने वाले आम बजट को लेकर शहरों से गांवों तक चर्चा है। आम आदमी को उम्मीद है कि इस बार बजट में केवल बड़े आंकड़ों और घोषणाओं के बजाय उसकी रोजमर्रा की परेशानियों पर ठोस फैसले लिए जाएंगे।

हर वर्ग चाहे वह किसान हो, युवा हो, नौकरीपेशा हो या मध्यम वर्ग की नजरें 1 फरवरी को बजट पर टिकी हैं। सबको उम्मीद है कि यह बजट केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि आम आदमी की जेब और भविष्य दोनों को संबल देने वाला साबित होगा। लखनऊ, कानपुर, बरेली, मुरादाबाद, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर और मेरठ जैसे बड़े शहरों में नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग की सबसे बड़ी अपेक्षा इनकम टैक्स में राहत को लेकर है। लोगों का कहना है कि बढ़ती महंगाई के बीच टैक्स स्लैब में छूट और मानक कटौती बढ़ाए जाने से उनकी जेब पर पड़ रहा दबाव कुछ कम हो सकता है। साथ ही सीनियर सिटीजन के लिए रेलवे रियायतों की बहाली और स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त प्रावधान की मांग भी सामने आ रही है।

रोजगार और शिक्षा पर युवाओं की निगाहें

प्रदेश के युवाओं की निगाहें रोजगार और शिक्षा पर टिकी हैं। बुंदेलखंड, पूर्वांचल और तराई क्षेत्रों के युवाओं का कहना है कि बजट में रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। औद्योगिक निवेश के साथ-साथ कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने से युवाओं को स्थायी रोजगार मिल सकता है। युवाओं की यह भी अपेक्षा है कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान किए जाएं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, बजट में कृषि आपूर्ति श्रृंखला, कोल्ड स्टोरेज, फूड प्रोसेसिंग और परिवहन लागत घटाने पर जोर दिया गया, तो इसका सीधा लाभ यूपी को मिलेगा, क्योंकि देश की बड़ी आबादी और कृषि उत्पादन यहीं केंद्रित है। सरकारी नौकरियों पर निर्भरता कम करते हुए एमएसएमई, स्टार्टअप और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूती देना जरूरी है। यूपी में डिफेंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावना को देखते हुए, बजट में इन सेक्टर्स के लिए क्रेडिट सपोर्ट, आसान ऋण और स्किल डेवलपमेंट पर विशेष प्रावधान होने चाहिए। इससे युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल सकेगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि मध्यम वर्ग को टैक्स में राहत मिलनी चाहिए, लेकिन साथ ही राजकोषीय अनुशासन भी जरूरी है।

किसानों को सब्सिडी, न्यूनतम समर्थन मूल्य ठोस कदम: ग्रामीण इलाकों और किसान परिवारों के लिए भी यह बजट बेहद अहम माना जा रहा है। पश्चिमी यूपी से लेकर पूर्वांचल तक किसानों को खेती की बढ़ती लागत, खाद-बीज के दाम और सिंचाई खर्च की चिंता है। किसान चाहते हैं कि कृषि क्षेत्र के लिए सब्सिडी, न्यूनतम समर्थन मूल्य और कृषि अवसंरचना पर बजट में ठोस कदम उठाए जाएं। इसके साथ ही ग्रामीण रोजगार, सिंचाई परियोजनाओं और गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की भी मांग उठ रही है।

रसोई गैस समेत दैनिक उपयोग की वस्तुओं में राहत की उम्मीद: महंगाई से जूझ रही गृहिणियों और आम परिवारों को रसोई गैस, खाद्य पदार्थों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दामों में राहत की उम्मीद है। लोगों का कहना है कि यदि बजट में महंगाई नियंत्रित करने के उपायों और बचत को प्रोत्साहित करने वाली योजनाओं की घोषणा होती है, तो आम आदमी को वास्तविक राहत मिल सकती है।

माल की आवक कम हुई तो फुटकर में बढ़े सिगरेट और गुटखा के दाम, 6 से आएगा नया माल

अमृत विचार, लखनऊ: बाजार में माल की आवक कम होने से फुटकर बाजार में सिगरेट और गुटखा महंगे दाम पर बिक रहा है। कारोबारियों के मुताबिक व्यापार करने वालों को महंगे दामों में गुटखा व सिगरेट मिल रहा है। इससे फुटकर व्यापारी उसे बढ़ाकर बेच रहे हैं। छह रुपये वाली सिगरेट आठ रुपये में बिक रही है। बड़े साइज वाली सिगरेट जो 18 रुपये की थी, उसे पान की दुकानों पर 24 रुपये तक बेचा जा रहा है। वहीं गुटखा के दामों में एक से दो रुपये प्रति पीस बढ़ोतरी हुई है। सिगरेट कंपनियों ने एक फरवरी से थोक दुकानदारों को माल देना बंद कर दिया। लखनऊ व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष नवीन के मुताबिक इनके नया माल छह फरवरी तक आ जाएगा। छह फरवरी से बाजार में नए दाम में माल आ जाएगा जो दूसरे सप्ताह तक लागू हो जाएंगे। इसी माह के अंत तक दामों में नियंत्रण हो जाएगा। नए रेट भी इसी के ईर्द-गिर्द होने की संभावना है। यह दोनों चीजें करीब एक पखवारे से फुटकर दुकानों पर महंगी बिक रही हैं। हालांकि, थोक में कोई दाम नहीं बढ़े हैं। पान की दुकान पर माल जरूर महंगा हो गया है। ज्यादा मुनाफा की लालच में थोक कारोबारियों ने नीचे की सेल का माल रोक या यूं कहें कि कम कर दिया है। इससे यह दिक्कत बनी हुई है। वहीं फुटकर में सिगरेट व गुटखा खरीदने वाले लोग मानसिक रूप से नए रेट के लिए तैयार है। क्योंकि फुटकर में वह बीस दिन से महंगी दामों में सिगरेट व गुटका खरीद रहे है।

आम बजट में विद्युत संशोधन बिल और निजीकरण की आहट

अमृत विचार, लखनऊ: देश के आम बजट को लेकर बिजली कर्मचारियों में चिंता बढ़ गई है। उनकी निगाहें ऊर्जा क्षेत्र में प्रस्तावित निजीकरण और विद्युत संशोधन बिल पर टिकी हुई हैं। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने आशंका जताई है कि आम बजट के माध्यम से बिजली क्षेत्र में निजीकरण के रास्ते खोले जा सकते हैं। संघर्ष समिति के अनुसार, 30 जनवरी को केंद्रीय विद्युत राज्य मंत्री यशोपाद नायक ने लोकसभा में विद्युत संशोधन बिल के ड्राफ्ट का विवरण साझा किया है। इससे यह संकेत मिल रहा है कि आम बजट या बजट सत्र के दौरान इस विधेयक को पारित कराने की कोशिश की जा सकती है। समिति संयोजक शैलेंद्र दुबे ने कहा कि सरकार बेलआउट पैकेज के नाम पर बिजली क्षेत्र में निजीकरण को आगे बढ़ा सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार इस दिशा में कदम उठाती है तो बिजली कर्मचारी अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार तत्काल प्रभाव से विरोध प्रदर्शन शुरू करने को बाध्य होंगे। बिजली कर्मचारियों का कहना है कि प्रस्तावित संशोधन और निजीकरण से सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनियों, कर्मचारियों के अधिकारों और उपभोक्ताओं के हितों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसी वजह से आम बजट और आगामी संसदीय गतिविधियों पर बिजलीकर्मी संगठनों की कड़ी नजर बनी हुई है।

दिवालियापन समाधान के लिए एनसीएलटी को सशक्त बनाने की जरूरत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पीएचडीसीसीआई में विशेषज्ञों ने आर्थिक चुनौतियों पर किया मंथन

अमृत विचार: देश में दिवालियापन समाधान प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के लिए नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल को और सशक्त किए जाने की आवश्यकता है। यह बात पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित आईबीसी पल्स सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कही। सम्मेलन में देश की आर्थिक चुनौतियों, बैंकिंग सुधारों और इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड की भूमिका पर गहन मंथन हुआ। मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कर्ज न चुका पाने के कारणों पर प्रकाश डालते हुए औद्योगिक विकास को गति देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश में मजबूत कर्ज संस्कृति और बैंकिंग सुधार समय की मांग हैं। नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स की रिकवरी में आईबीसी की भूमिका को उन्होंने अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

सम्मेलन में न्यायमूर्ति राजेश दयाल खरे ने कहा कि आईबीसी ने उस फंसी हुई पूंजी को फिर से आर्थिक प्रवाह में लाने में अहम योगदान दिया है। पीएचडीसीसीआई की एनसीएलटी और आईबीसी समिति के जीपी मदान ने कहा कि इनसॉल्वेंसी समाधान और आईबीसी आज देश के कॉरपोरेट इकोसिस्टम के मजबूत स्तंभ बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि सकल एनपीए घटकर लगभग 2.2 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए आधा प्रतिशत रह गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता एनसीएलटी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. यूके चौधरी ने लंबित मामलों को कम करने के लिए एनसीएलटी बेंचों और सदस्यों की संख्या बढ़ाने तथा बुनियादी ढांचे के उन्नयन पर जोर दिया। एनसीएलटी के सदस्य (न्यायिक) प्रवीण गुप्ता ने आईबीसी में हुए प्रगतिशील बदलावों, लेनदार-के-नियंत्रण मॉडल और सीमा पार इनसॉल्वेंसी की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. (डॉ.) अमर पाल सिंह ने कहा कि बैंकिंग सुधार विकसित हो रहे आईबीसी ढांचे का अभिन्न हिस्सा हैं।

बजट का इंतजार, व्यापारियों को राहत की 'और' दरकार ताकि चले व्यापार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: रविवार को केंद्र सरकार अपना सालाना बजट पेश करेगी। वित्त मंत्री संसद में बजट रखेंगी। ऐसे में सभी को आने वाले बजट से बड़ी अपेक्षाएं हैं। व्यापारी वर्ग भी इससे अछूता नहीं है। व्यवसायियों का मानना है कि कई सेक्टर में राहत मिली जरूर है लेकिन व्यापार को पंख लगाने के लिए राहत की अभी ''और'' दरकार है। ई-कामर्स और रिटेल ट्रेड पॉलिसी की मांग पर अब तक कदम आगे नहीं बढ़े हैं। एक ट्रेड-एक टैक्स, टीडीएस दरों को सरल बनाते हुए केवल एक और पांच प्रतिशत की दो दरों की मांग, फर्नीचर ट्रेड पर कच्चा माल सस्ता किया जाने, हस्त निर्मित बेंत, बास, रस्सी फर्नीचर पर जीएसटी स्लैब 18 से 5 प्रतिशत किए जाने समेत जीएसटी पोर्टल की तकनीकी खामियों और जटिलताओं से जूझते व्यापारियों की ऐसी तमाम समस्याएं हैं जिनका वह निदान चाहते हैं। वहीं सोने चांदी के भाव में अनिश्चितता के माहौल ने सर्राफा कारोबार को झकझोर दिया है। दाम बढ़ने से छोटे ज्वेलर्स और खुदरा व्यापारी सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। व्यापारियों के लिए दुर्घटना बीमा और पेंशन की मांग भी लंबित है। ईपीएस- 95पेंशन बढ़ोतरी की घोषणा की बात इस बजट में लाए जाने की मांग भी पेंशनर्स कर रहे हैं।

व्यापारी की उधारी को बैंक की उधारी की तरह संरक्षण प्रदान मिले। उधारकर्ता की इनवाइस का जीएसटी इनपुट वापस लेने के साथ विभाग द्वारा उसके सिबिल स्कोर यानी क्रेडिट योग्यता में भी घटाया जाये जिससे व्यापारियों की जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराने के साथ बिल से ही सप्लाई करने की प्रक्रिया बढ़ जायेगी। इनपुट वापस लेने का नियम जीएसटी में लागू है।

-श्याममूर्ति गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष उप्र सीमेंट व्यापार संघ

कैसा होना चाहिए बजट

- बजट ऐसा हो जो आम आदमी की समझ में आए।
- एक ट्रेड-एक टैक्स व्यवस्था हो लागू।
- टीडीएस की केवल दो दरें।
- एक कारोबार पर एक कर।
- आइटमवार भिन्न-भिन्न जीएसटी दरें नहीं।
- जीएसटी पोर्टल की तकनीकी खामियों से आज भी जूझ रहा व्यापारी।
- छोटे व्यापारियों पर अनावश्यक पेनाल्टी एवं ब्याज का बोझ न डाला जाए।
- जीएसटी पंजीकरण सीमा बढ़े।
- फर्नीचर के लिए कच्चे माल पर कर और शुल्क में राहत मिले।
- आसान और सस्ता ऋण मिले।
- फर्नीचर निर्माण के लिए रियायती आयात शुल्क।
- छोटे फर्नीचर निर्माताओं और खुदरा विक्रेताओं के लिए 5-15 लाख रुपये तक के व्यवसाय लोन को आसान बनाना, जिसमें ब्याज दरें कम हों।
- असंगठित क्षेत्र के हस्त निर्मित (हस्त निर्मित बेंत, बास, रस्सी) फर्नीचर पर जीएसटी स्लैब 5 प्रतिशत हो
- एक ही वस्तु पर समान कर दर होने की स्थिति में केवल एक एचएसएन कोड रखा जाए।
- सोने चांदी के दाम बढ़ने से छोटे ज्वेलर्स, खुदरा व्यापारी और आमजन सबसे ज्यादा प्रभावित।
- कच्चे माल पर अधिक और तैयार माल पर कम टैक्स दर के कारण आईटीसी क्लेम फंसने से राहत की उम्मीद, ऑटोमेटिक रिफंड हो।
- आईटीसी मिसमैच की नोटिस उसी माह मिले या फिर उसी वित्तीय वर्ष में।
- आयकर की नई योजना के अंतर्गत, हाउसिंग लोन के ब्याज का लाभ नहीं मिलता है, आयकर की नई योजना में भी 2 लाख रुपये के ब्याज का लाभ मिले।
- नेशनल फेसलेस स्कीम में सभी आयकर दाताओं को पर्सनल फिजिकल एपीयरेंस का अवसर मिलना चाहिए ताकि सर्वर, भाषा की समस्याओं एवं व्यावहारिक तौर पर केस को समझा जा सके।
- एलएलपी और पार्टनरशिप फर्म पर वर्तमान में 30 प्रतिशत की दर है। इसे कॉरपोरेट टैक्स के बराबर 22.5 होना चाहिए।
- वर्तमान में सेस की दर 3 प्रतिशत है। इसे 1 फीसद किया जाना चाहिए।
- आयकर की धारा 44 एडी की वर्तमान में लिमिट अभी 1.5 करोड़ है इसे 5 करोड़ की जाए।
- शेयर और म्यूचुअल फंड पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर आयकर केवल एक लाख की छूट है। इसे बढ़ाकर पांच लाख किया जाए।
- आयकर दाताओं को जमा किए गए कर के अनुपात में दस लाख रुपये तक जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा दिया जाए।

बजट में ईपीएस- 95पेंशन बढ़ोतरी की घोषणा हो

ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति पिछले 10 वर्षों से केंद्र के सार्वजनिक उपक्रमों, सहकारी/निजी संस्थानों के पेंशनरों की पेंशन बढ़ाने की मांग कर रहा है। बार-बार आश्वासन देने के बावजूद अभी तक बजट में कोई घोषणा नहीं की गई है। इससे औसतन 1171/- मासिक पेंशन पा रहे देश के 81 लाख पेंशनर्स की आर्थिक स्थिति बदतर हो चुकी है। उन्हें कोई मेडिकल सुविधा नहीं मिल रही है। आगामी बजट में ईपीएस- 95 पेंशन 7500/- महीना एवं महंगाई भत्ते की घोषणा सरकार करे।

-राजीव भटनागर, राष्ट्रीय सचिव, एनएसी

न्यूज ब्रीफ

चोरी की स्कूटी संग युवक धरा गया

अमृत विचार, लखनऊ : वजीरगंज पुलिस ने चोरी की स्कूटी के साथ एक युवक को सिटी स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी मो. राशिद अमीनाबाद के मौलवीगंज स्थित चिकमंडी का रहने वाला है। आरोपी ने कबूला कि स्कूटी 30 जनवरी की रात चरक चौराहे के पास से चोरी की थी।

शादी का झांसा देकर किया यौन शोषण

अमृत विचार माल : थाना क्षेत्र में युवती को प्रेम जाल में फंसाकर आरोपी ने फंसाया। शादी का झांसा देकर यौन शोषण करता रहा। शादी का दबाव बनाने पर इंकार किया। उसके बाद परिवार ने गाली-गलौज कर धमकाया। माल पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी और उसके परिजन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर माल नवाब अहमद ने बताया कि आरोपी बक्खा खेड़ा गांव निवासी विनय मौर्य की तलाश की जा रही है।

इंस्टाग्राम पर आईडी बना की रुपये की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : इंस्टाग्राम पर युवती की फोटो लगाकर जाली आईडी बनाकर रुपयों की मांग की गयी। विनीतखंड निवासी युवती ने बताया कि शरारती तत्व ने उनकी निजी तस्वीरों की मदद से उसके नाम इंस्टाग्राम पर जाली आईडी बनायी। उसपर पीड़िता की 13 फोटो अपलोड की गयी। इसके बाद दूसरों को मैसेज कर रुपये की मांग की गयी। 26 जनवरी को आरोपी ने अकाउंट का यूजरनेम बदल दिया। जाली अकाउंट की जानकारी होने पर पीड़िता ने गोमतीनगर थाने में आईटी एक्ट की रिपोर्ट दर्ज करायी है।

बोर्ड परीक्षाओं का दबाव बच्चों को बना रहा अवसादग्रस्त

राजधानी के अस्पतालों की ओपीडी में बढ़े तनाव व अवसाद से जूझ रहे छात्रों के मामले

पंकज द्विवेदी, लखनऊ

अमृत विचार : बोर्ड परीक्षाओं का बढ़ता दबाव बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रहा है। बेहतर प्रदर्शन और अधिक अंक लाने की होड़ में छात्र तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं की चपेट में आ रहे हैं। बीते कुछ दिनों में केजीएमयू, बलरामपुर अस्पताल, सिविल अस्पताल और लोकबंधु अस्पताल सहित अन्य चिकित्सा संस्थानों के मानसिक रोग विभाग की ओपीडी में ऐसे छात्रों की संख्या में इजाफा हुआ है।

बलरामपुर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक एवं वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. देवाशीष शुक्ला ने बताया कि सीमित समय में अधिक पाठ्यक्रम पूरा करने की मजबूरी और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चलते बच्चे लगातार तनाव में रह रहे हैं। इसका असर उनकी नींद, एकाग्रता और आत्मविश्वास पर साफ देखा जा रहा है।

ठाकुरगंज अस्पताल के मनोचिकित्सक डॉ. लवकुश ने बताया कि बीते कुछ दिनों से रोजाना चार से पांच बच्चे परीक्षा की तैयारी को लेकर तनाव की शिकायत लेकर ओपीडी में पहुंच रहे हैं। बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों की भी काउंसलिंग की जा रही है। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से परीक्षा के समय बच्चों पर अतिरिक्त दबाव न डालने और उनसे संवाद बनाए रखने की अपील की।

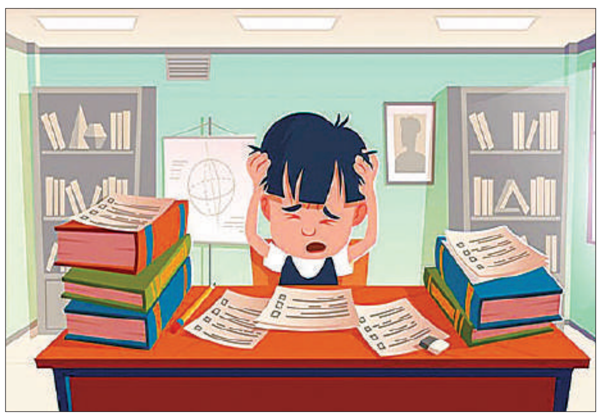

45 मिनट पढ़ाई, 15 मिनट का ब्रेक जरूरी

- डॉ. देवाशीष शुक्ला ने छात्रों की एकाग्रता बढ़ाने के लिए सुझाव देते हुए कहा कि पढ़ाई के दौरान फोकस शुरू और अंत में सबसे अधिक होता है, लेकिन बीच में धीरे-धीरे कम होने लगता है। ऐसे में छात्रों को 45 मिनट पढ़ाई करने के बाद 15 मिनट का ब्रेक लेना चाहिए। इस दौरान शरीर को स्ट्रेच करें, खुली हवा में सांस लें या हल्की टहल करें। उन्होंने सलाह दी कि ब्रेक के दौरान मोबाइल पर बात करने, रील देखने या टीवी देखने से बचें, क्योंकि इससे मन भटकता है और एकाग्रता प्रभावित होती है। शेड्यूल बनाकर पढ़ें।

पूरी नींद और व्यायाम भी जरूरी

- डॉ. देवाशीष के अनुसार परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को पूरी नींद लेनी चाहिए, जिससे यादाश्त बेहतर रहती है। साथ ही नियमित शारीरिक व्यायाम एकाग्रता बढ़ाने में सहायक होता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को शांत माहौल उपलब्ध कराएं और उनकी पढ़ाई के समय ध्यान भटकाने वाली चीजों से दूर रखें।

अभिभावक यह न करें

- हर समय पढ़ाई और अधिक अंक लाने का दबाव न बनाएं
- पड़ोसी या रिश्तेदारों के बच्चों से तुलना न करें
- अवसाद के लक्षण दिखने पर बच्चे को अकेला न छोड़ें
- बच्चों को हतोत्साहित नहीं, प्रोत्साहित करें
- बच्चों के भोजन और नाश्ते के समय का विशेष ध्यान रखें

यह अपनाएं

- तनाव कम करने के लिए पूरी नींद लें
- नकारात्मक विचारों को हावी न होने दें
- योग करें और खेलकूद में शामिल हों
- सफल व्यक्तियों के संघर्ष की कहानियां पढ़ें

न करें नजरअंदाज

- सिर दर्द
- नींद न आना
- हर समय दबाव महसूस करना
- चिड़चिड़ापन और गुस्सा
- घर के सदस्यों से दूरी बनाना
- किसी काम में मन न लगना
- भोजन न करना
- चिंता और नकारात्मक विचार

धूप का आनंद

प्राणि उद्यान में हल्की धूप निकली तो मौज मस्ती करते शेर और शेरनी, धूप का आनंद लेता हिरनों का समूह। ● अमृत विचार

जीएसटी अधिकारी ने इस्तीफा लिया वापस

अयोध्या,एजेंसी : अयोध्या में तैनात वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) उपायुक्त प्रशांत कुमार सिंह ने अपना इस्तीफा शनिवार को वापस ले लिया। प्रशांत कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की कथित "आपत्तिजनक" टिप्पणियों के विरोध में मंगलवार को वस्तु एवं सेवा कर उपायुक्त के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने शनिवार को अपना इस्तीफा वापस ले लिया और कहा है कि वह काम पर लौट आए हैं।

प्रशांत द्वारा अपनी तैनाती की जगह अयोध्या में अपने इस्तीफे की घोषणा किये जाने के बाद, उनके भाई विश्वजीत सिंह ने मीडिया के सामने आरोप लगाया कि वस्तु एवं सेवा कर अधिकारी ने फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्र का इस्तेमाल करके सरकारी नौकरी हासिल की थी। प्रशांत ने यह भी आरोप लगाया

कि उनके भाई विश्वजीत सिंह मुख्तार अंसारी गिरोह के सक्रिय सदस्य थे और उनके वित्तीय सलाहकार के रूप में भी काम करते थे। उन्होंने कहा था कि विश्वजीत सिंह के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, और आरोप लगाया कि विश्वजीत सिंह ने उनके माता-पिता पर हमला किया था, जिसके मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

नहर की पटरी पर मिला अधेड़ व्यक्ति का शव

अमृत विचार, गोसाईगंज: थाना क्षेत्र में सुल्तानपुर रोड पर सेखनापुर गांव के किनारे नहर पटरी पर शनिवार की शाम लगभग 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक के शरीर पर काली पैंट, नीली सफेद पट्टी में जैकेट और पीली शॉल थी। पुलिस ने शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

राजपूत करणी सेना में राजेश सिंह जिला उपाध्यक्ष मनोनीत

अमृत विचार , आलमबाग: राजपूत करणी सेना, उ० प्र० एकीकृत राजपूत युवा संगठन द्वारा शुक्रवार को राजेश सिंह को संगठन के सरोजनी नगर उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। संगठन के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि राजेश सिंह को संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनसे संगठन को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ संगठन के नियमों और अनुशासन का पूरी निष्ठा से पालन करने की अपेक्षा की गई है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि राजेश सिंह के संगठन से जुड़ने से क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियों को और गति मिलेगी तथा युवाओं को एकजुट करने में मदद मिलेगी।

राजेश सिंह को नियुक्ति पत्र देते राजपूत करणी सेना के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

दंगल में पहलवानों ने दिखाए दांवपेंच

दंगल में पहलवानों को कुश्ती हेतु आमंत्रित करते आयोजक। अमृत विचार

माल, संवाददाता

अमृत विचार: माल स्थित सब्जी बाजार में भारतीय किसान यूनियन लोकतांत्रिक संगठन की ओर से आयोजित विराट कुश्ती दंगल 2026 का दूसरा दिन शनिवार को पूरे जोश के साथ शुरू हुआ। दंगल में विभिन्न राज्यों से आए नामी पहलवानों ने अपने दांव-पेंच दिखाए, जिसे देखने के लिए ग्रामीणों और कुश्ती प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी। मुकाबलों के दौरान दर्शकों ने तालियों और जयघोष से पहलवानों का उत्साह बढ़ाया।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश सिंह चौहान ने कहा कि कुश्ती न केवल शारीरिक मजबूती बढ़ाती है, बल्कि अनुशासन और संघर्ष की भावना भी सिखाती है। जिला अध्यक्ष अतुल कुमार ने बताया कि इस वर्ष दंगल में बड़े पुरस्कार रखे गए हैं और विजेताओं को नकद राशि के साथ उपहार प्रदान किए जा रहे हैं।

दूसरे दिन दिल्ली की महिला पहलवान सेजल और गोंडा की शिवांगी के बीच मुकाबला खास आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें शिवांगी विजयी रहीं। इसके अलावा नेपाल के लकी थापा, पंजाब के विक्की, सहारनपुर के चौधरी वकार, गोरखपुर से अंतरराष्ट्रीय रेफरी गुड्डू पहलवान, अयोध्या के बाबा रवि शंकर और बांदा के कालीघटा पहलवान ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों की सराहना बटोरी। प्रथम विजेता रामेश्वर भारत केशरी को मोटरसाइकिल और 72 हजार रुपये, द्वितीय लकी थापा को 51 हजार रुपये तथा तृतीय रामेश्वर (हरिद्वार) को 40 हजार रुपये नकद प्रदान किए गए।

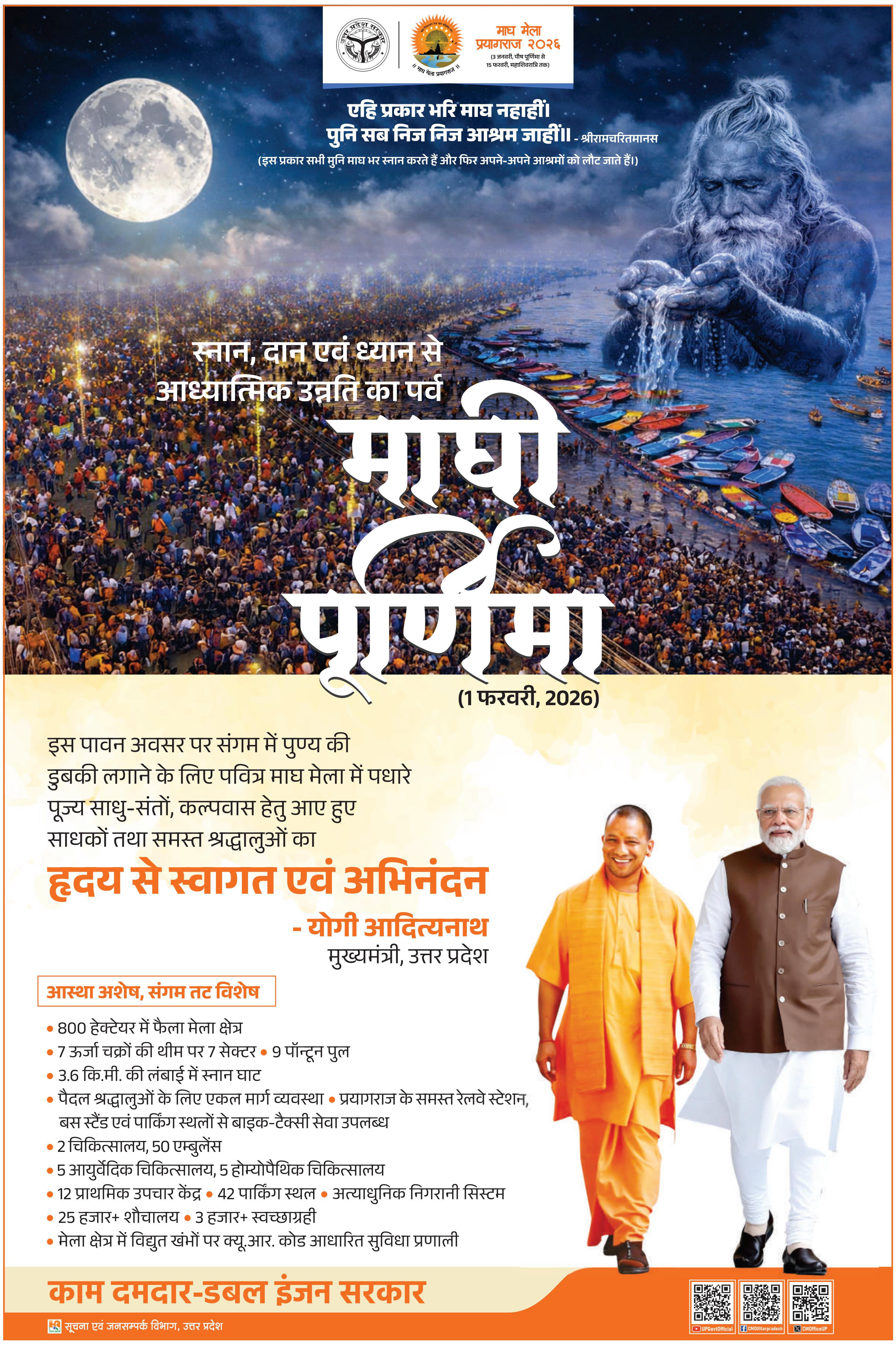

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 1 फरवरी 2026 www.amritvichar.com

युवाओं का नया गणित
बचत पीछे, खर्चे आगे

भारतीय समाज में बचत केवल आर्थिक आदत नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही एक सांस्कृतिक विरासत रही है। माता-पिता और दादा-दादी की पीढ़ी ने "आज कम खर्च करो ताकि कल सुरक्षित रहो" के सिद्धांत को जीवन मंत्र की तरह अपनाया। सीमित आय, अनिश्चित भविष्य और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच बचत को सुरक्षा कवच माना गया है। बैंक की पासबुक, डाकघर की योजनाएं, सोना-चांदी और जमीन जैसी संपत्तियां भविष्य की स्थिरता का प्रतीक थीं। शादी, बच्चों की पढ़ाई, बीमारी या बुढ़ापे के लिए पहले से धन संचित करना एक स्वाभाविक सोच थी। यह मानसिकता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन और आत्मसंयम से भी जुड़ी हुई थी, लेकिन वर्तमान में युवाओं में बचत की आदत कम दिखाई पड़ती है। अब वे बचत का नहीं खर्चों का गणित लगा रहे हैं। भौतिक सुविधाओं और बदले लाइफ स्टाइल की संस्कृति में यह कितना उचित है, इस पर एक विस्तृत विश्लेषण।

नृपेंद्र अभिषेक नृप
शोधार्थी

बदलता समय, बदलती प्राथमिकताएं

आज का युवा ब्रांड, सुविधा, अनुभव और स्वतंत्रता को प्राथमिकता देता है। मोबाइल, इंटरनेट और आसान कर्ज की दुनिया ने खर्च को सहज और आकर्षक बना दिया है, जबकि बचत अक्सर बोझ जैसी लगने लगी है। यह बदलाव केवल आदतों का नहीं, बल्कि सोच, परिस्थितियों और सामाजिक संरचना का परिणाम है। सवाल यह नहीं कि कौन सही है और कौन गलत, बल्कि यह समझना जरूरी है कि आखिर बचत की परंपरा क्यों कमजोर हो रही है और खर्च का यह नया गणित भारतीय समाज को किस दिशा में ले जा रहा है।

इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक में प्रवेश करते ही यह तस्वीर तेजी से बदलने लगी। आर्थिक उदारीकरण, वैश्वीकरण और तकनीकी क्रांति ने भारतीय युवाओं की सोच को एक नया आयाम दिया। आज का युवा केवल भविष्य की चिंता में वर्तमान को सीमित नहीं करना चाहता। उसकी प्राथमिकताओं में अनुभव, सुविधा और जीवन की गुणवत्ता अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। वह मानता है कि जीवन एक बार मिलता है और उसे पूरी तरह जीना चाहिए। इसी सोच ने बचत की परंपरागत अवधारणा को चुनौती दी है और खर्च को जीवनशैली का केंद्र बना दिया है।

डिजिटल क्रांति और 'आज में जीने' की सोच

मोबाइल फोन और सस्ते इंटरनेट की व्यापक पहुंच ने युवाओं की जीवनशैली में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। आज की पीढ़ी के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म केवल सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऑनलाइन शॉपिंग ऐप्स पर कपड़े, गैजेट्स और जरूरी सामान कुछ ही मिनटों में घर तक पहुंच जाता है, वहीं फूड डिलीवरी सेवाएं समय और मेहनत दोनों की बचत का विकल्प देती हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन गेमिंग ने मनोरंजन को चौबीसों घंटे उपलब्ध बना दिया है, जबकि ट्रैवल ऐप्स ने घूमने-फिरने को पहले से कहीं अधिक आसान और आकर्षक कर दिया है। इन सभी सुविधाओं ने खर्च को न केवल सहज बनाया है, बल्कि उसे एक प्रकार का आनंद भी प्रदान किया है। सोशल मीडिया, विशेषकर इंस्टाग्राम और यूट्यूब, इस प्रवृत्ति को और बल देते हैं। यहां दिखाई देने वाली चमकदार और परफेक्ट जीवनशैली युवाओं के मन में तुलना और आकांक्षा की भावना जगाती है। वे दूसरों की तरह दिखने, घूमने और जीने की चाह में अपने खर्च बढ़ा लेते हैं। डिजिटल दुनिया का यह प्रभाव युवाओं को वर्तमान में अधिक जीने के लिए प्रेरित करता है, जहां तत्काल संतुष्टि को प्राथमिकता दी जाती है। परिणामस्वरूप भविष्य के लिए बचत करने की सोच धीरे-धीरे कमजोर पड़ती जा रही है और 'आज का आनंद' जीवन दर्शन का केंद्र बनता जा रहा है।

ईएमआई संस्कृति और आसान कर्ज का जाल

आज के समय में युवाओं के बढ़ते खर्च के पीछे आसान कर्ज व्यवस्था एक महत्वपूर्ण कारण बनकर उभरी है। ईएमआई, क्रेडिट कार्ड और 'बाय नाउ, पे लेटर' जैसी सुविधाओं ने उपभोग की आदतों को पूरी तरह बदल दिया है। अब किसी महंगे मोबाइल, लैपटॉप, बाइक या यहां तक कि विदेश यात्रा के लिए भी पूरी रकम एक साथ चुकाने की आवश्यकता नहीं रह गई है। कुछ ही क्लिक में वस्तुएं और सेवाएं उपलब्ध हो जाती हैं और भुगतान का बोझ छोटे-छोटे मासिक किस्तों में बंट जाता है। पहले जहां किसी बड़ी खरीद से लोग वर्षों तक बचत करते थे, वहीं अब वही इंतजार असुविधाजनक और अनावश्यक लगने लगा है। हालांकि यह व्यवस्था तत्काल संतोष और सुविधा का एहसास कराती है, लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम अक्सर चिंताजनक होते हैं। ईएमआई और क्रेडिट कार्ड का लगातार उपयोग धीरे-धीरे कर्ज के जाल में बदल सकता है। कई युवा अपनी मासिक आय का बड़ा हिस्सा केवल किस्तें चुकाने में खर्च कर देते हैं, जिससे रोजमर्रा की जरूरतों और भविष्य की बचत के लिए सीमित धन बचता है। परिणामस्वरूप वास्तविक बचत की क्षमता घटती चली जाती है और आर्थिक असुरक्षा बढ़ने लगती है। आसान कर्ज की यह संस्कृति अल्पकालिक खुशी तो देती है, लेकिन दीर्घकाल में वित्तीय दबाव और असंतुलन को भी जन्म देती है।

पारंपरिक बचत से निवेश की ओर बदलाव

यह मान लेना सही नहीं होगा कि आज की युवा पीढ़ी बचत से पूरी तरह विमुख हो चुकी है। वास्तव में बचत की धारणा ही बदल गई है और उसके साथ बदल गए हैं साधन और प्राथमिकताएं। पारंपरिक बैंक एफडी, आरडी और डाकघर की योजनाएं, जो कभी सुरक्षित भविष्य का भरोसा मानी जाती थीं, अब युवाओं को कम आकर्षक लगने लगी हैं। उनकी जगह म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार, स्टार्टअप्स और यहां तक कि क्रिप्टोकरेंसी जैसे नए निवेश विकल्पों ने ले ली है। युवा इन माध्यमों को अधिक रिटर्न देने वाला मानते हैं और तेजी से बढ़ते लाभ की उम्मीद में जोखिम उठाने को भी तैयार रहते हैं।

यह प्रवृत्ति एक ओर उनकी बढ़ती वित्तीय जागरूकता और निवेश के प्रति समझ को दर्शाती है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और आसान जानकारी ने युवाओं को बाजार से जोड़ दिया है, जिससे वे पैसे को निष्क्रिय रखने के बजाय उसे 'काम करने' देना चाहते हैं, लेकिन दूसरी ओर यह बदलाव कुछ गंभीर जोखिम भी लेकर आता है। त्वरित लाभ की चाह में दीर्घकालिक स्थिरता और सुरक्षा अक्सर नजरअंदाज कर दी जाती है। शेयर बाजार और क्रिप्टो जैसे निवेश साधन उतार-चढ़ाव से भरे होते हैं, जिनमें अनुभव और धैर्य की कमी नुकसान का कारण बन सकती है। ऐसे में बचत का यह नया रूप संभावनाओं से भरा जरूर है, लेकिन संतुलन और समझदारी के बिना यह आर्थिक अस्थिरता भी पैदा कर सकता है।

सामाजिक दबाव और दिखावे की संस्कृति

आज का समाज सोशल मीडिया के प्रभाव में लगातार तुलना करने की मानसिकता को बढ़ावा दे रहा है, जहां हर व्यक्ति दूसरों के जीवन को देखकर अपने फैसले तय करने लगता है। कौन सा युवा किस ब्रांड के कपड़े पहन रहा है, कौन विदेशी यात्रा पर गया है और कौन किसी महंगे रेस्तरां में भोजन कर रहा है, ऐसी झलकियां सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आम हो गई हैं। इन दिखावटी तस्वीरों और वीडियो का युवाओं की सोच और खर्च करने की आदतों पर गहरा असर पड़ता है। सामाजिक स्वीकृति पाने और अपने स्टेटस को साबित करने की चाह में कई बार वे अपनी वास्तविक आर्थिक क्षमता को नजरअंदाज कर देते हैं और जरूरत से कहीं अधिक खर्च कर बैठते हैं। धीरे-धीरे खर्च करना पहचान और सफलता का प्रतीक बन जाता है, जबकि बचत को पिछड़ेपन या मजबूरी के रूप में देखा जाने लगता है। यह दिखावे की संस्कृति युवाओं को तात्कालिक संतुष्टि की ओर धकेलती है और दीर्घकालीन आर्थिक सुरक्षा के महत्व को कमजोर कर देती है, जिससे बचत गैर-जरूरी लगने लगती है।

शिक्षा, करियर और आत्मनिर्भरता की चुनौती

आज का युवा शिक्षा और करियर को लेकर अभूतपूर्व दबाव का सामना कर रहा है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बेहतर भविष्य की उम्मीद अच्छी पढ़ाई, महंगी कोचिंग, स्किल डेवलपमेंट कोर्स और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़ गई है, जिन पर होने वाला खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में युवा अपनी सीमित आय का बड़ा हिस्सा खुद को बेहतर बनाने में लगा देते हैं। आत्मनिर्भर बनने और तेजी से आगे बढ़ने की चाह उन्हें यह विश्वास दिलाती है कि आज यदि वे खुद पर निवेश करेंगे, तो कल उन्हें उसका बेहतर आर्थिक लाभ मिलेगा। यह सोच पूरी तरह गलत भी नहीं है, क्योंकि ज्ञान और कौशल में किया गया निवेश लंबे समय में अवसरों के द्वार खोलता है, लेकिन जब यह प्रवृत्ति संतुलन खो देती है, तब बचत पूरी तरह हाशिए पर चली जाती है। भविष्य की कमाई के भरोसे वर्तमान में जरूरत से ज्यादा खर्च कई बार आर्थिक असुरक्षा को जन्म देता है, जिससे युवा अनजाने में ही बचत की अहमियत को नजरअंदाज कर बैठते हैं।

पीढ़ियों के बीच सोच का टकराव

बचत और खर्च को लेकर आज परिवारों में पीढ़ियों के बीच स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। माता-पिता जहां सुरक्षित भविष्य के लिए पैसे जमा करने की सलाह देते हैं, वहीं युवा इसे पुरानी सोच मानते हैं। यह टकराव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मूल्य आधारित भी है। बुजुर्ग पीढ़ी स्थिरता और सुरक्षा को प्राथमिकता देती है, जबकि युवा स्वतंत्रता और अनुभव को महत्व देते हैं। इस टकराव का समाधान संवाद और समझदारी में ही छिपा है।

खर्च और बचत साथ-साथ

वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती खर्च और बचत के बीच संतुलन स्थापित करने की है। पूरी तरह खर्च प्रधान जीवनशैली भले ही तत्काल आनंद देती हो, लेकिन लंबे समय में यह आर्थिक अस्थिरता का कारण बन सकती है। वहीं दूसरी ओर, केवल बचत पर केंद्रित सोच भी आज के तेज रफ्तार और बदलते दौर में पूरी तरह व्यावहारिक नहीं रह गई है। युवाओं के लिए यह समझना आवश्यक है कि भविष्य की सुरक्षा और वर्तमान का सुख एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं, बल्कि सही योजना के साथ दोनों को साथ लेकर चला जा सकता है। नियमित और अनुशासित बचत, आकस्मिक परिस्थितियों के लिए आपातकालीन फंड तथा दीर्घकालिक निवेश भविष्य को सुरक्षित आधार प्रदान करते हैं। इसके साथ ही सीमित, आवश्यक और सोच-समझकर किया गया खर्च जीवन को संतुलित और तनावमुक्त बनाए रखता है। जब युवा अपने खर्चों पर नियंत्रण रखते हुए निवेश और बचत को आदत बना लेते हैं, तब वे न केवल वर्तमान का आनंद ले पाते हैं, बल्कि आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर भी बढ़ते हैं।

वित्तीय शिक्षा की भूमिका

खर्च और बचत के बीच संतुलन स्थापित करने में वित्तीय शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि स्कूल और कॉलेज स्तर से ही युवाओं को पैसे के प्रबंधन, बचत की योजना, निवेश के विकल्पों और कर्ज के सही उपयोग की व्यावहारिक जानकारी दी जाए, तो वे जीवन के शुरुआती चरण से ही समझदारी भरे आर्थिक निर्णय लेना सीख सकते हैं। जब युवा यह जान पाते हैं कि किसी भी छोटे या बड़े खर्च का उनके भविष्य पर क्या दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है, तब वे केवल तात्कालिक आकर्षण में बहने के बजाय सोच-समझकर कदम उठाते हैं। वित्तीय साक्षरता उन्हें ईएमआई, क्रेडिट कार्ड और निवेश जैसे साधनों के लाभ और जोखिम दोनों को समझने में सक्षम बनाती है। यह जागरूकता केवल व्यक्तिगत स्तर पर आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित नहीं करती, बल्कि समाज में जिम्मेदार उपभोक्ता और निवेशक भी तैयार करती है। व्यापक स्तर पर देखें, तो वित्तीय रूप से सशक्त नागरिक देश की अर्थव्यवस्था को स्थिरता और मजबूती प्रदान करते हैं, जिससे राष्ट्रीय विकास को भी गति मिलती है।

बदलती बचत की परिभाषा और भविष्य की दिशा

आज के बदलते दौर में बचत की परिभाषा भी व्यापक और आधुनिक रूप ले रही है। अब बचत केवल बैंक खाते में पैसा जमा करने या पारंपरिक योजनाओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका दायरा सही निवेश, कौशल विकास और स्वास्थ्य पर किए गए खर्च तक फैल चुका है। युवा पीढ़ी यह समझने लगी है कि अपने ज्ञान, क्षमताओं और शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य में किया गया निवेश भी भविष्य की सुरक्षा का ही एक रूप है। यदि यह निवेश योजनाबद्ध और संतुलित तरीके से किया जाए, तो यह लंबे समय में बेहतर आय और स्थिर जीवन की नींव रख सकता है। हालांकि इसके लिए जरूरी है कि खर्च और बचत के बीच संतुलन बना रहे, ताकि वर्तमान की जरूरतें पूरी हों और भविष्य भी सुरक्षित रहे। जब युवा इस नई सोच को समझदारी के साथ अपनाते हैं, तब यह बदलाव केवल व्यक्तिगत आर्थिक मजबूती तक सीमित नहीं रहता, बल्कि देश के लिए एक मजबूत, आत्मनिर्भर और आधुनिक आर्थिक संस्कृति के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

युवाओं द्वारा बदली जा रही बचत की परंपरा एक व्यापक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का संकेत है। यह बदलाव न तो पूरी तरह सही है और न ही पूरी तरह गलत। यह समय की मांग और परिस्थितियों का परिणाम है। जरूरत इस बात की है कि युवा पीढ़ी खर्च की आजादी के साथ-साथ भविष्य की जिम्मेदारी भी समझे। तभी यह नई सोच न केवल व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बनाएगी, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती में भी योगदान दे सकेगी।

एक्सपर्ट की राय

ताकि बनी रहे आर्थिक स्थिरता

भारत को लंबे समय तक एक बचत-प्रधान देश माना जाता रहा है। भारतीय परिवार परंपरागत रूप से भविष्य की सुरक्षा-जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, विवाह और वृद्धावस्था के लिए आय का एक हिस्सा बचाने को प्राथमिकता देते थे, लेकिन हाल के वर्षों में, विशेषकर युवा पीढ़ी के बीच, इस प्रवृत्ति में स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है। यह बदलाव केवल धारणा तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आंकड़ों और आर्थिक रिपोर्टों में भी परिलक्षित होता है। आर्थिक आंकड़े बताते हैं कि भारत की घरेलू बचत दर में लगातार गिरावट आ रही है। केयरएज रेटिंग्स के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में घरेलू बचत घटकर जीडीपी का लगभग 18.1 प्रतिशत रह गई। यह पिछले दशकों की तुलना में काफी कम है और यह संकेत देता है कि परिवारों की आय का बड़ा हिस्सा अब उपभोग में जा रहा है।

रिपुदमन सिंह
प्रोफेसर, अर्थशास्त्र

चिंताजनक तथ्य यह है कि शुद्ध वित्तीय बचत-यानी बैंक जमा, नकद और अन्य वित्तीय साधनों में की गई बचत घटकर जीडीपी के लगभग 5 प्रतिशत के आसपास आ गई है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अनुसार, यह स्तर पिछले लगभग 50 वर्षों में सबसे निचला माना जा रहा है। इसका अर्थ है कि खर्च और कर्ज की तुलना में वास्तविक बचत कमजोर हो रही है। इस बदलाव के पीछे कई कारण हैं। आसान ऋण व्यवस्था, क्रेडिट कार्ड, ईएमआई और 'अभी खरीदें-बाद में भुगतान करें' जैसी सुविधाओं ने खर्च को सरल बना दिया है। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर प्रदर्शित भव्य जीवनशैली युवाओं को अधिक उपभोग के लिए प्रेरित कर रही है। परिणामस्वरूप, बचत की जगह तात्कालिक उपभोग को प्राथमिकता मिल रही है। हालांकि तस्वीर पूरी तरह नकारात्मक भी नहीं है। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि कई युवा अब भी नियमित रूप से बचत करते हैं और अपनी आय का 20-30 प्रतिशत हिस्सा बचाने या निवेश करने का प्रयास करते हैं। फर्क यह है कि पारंपरिक बचत के बजाय वे अब म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और अन्य निवेश विकल्पों की ओर अधिक झुकाव दिखा रहे हैं। भारत में व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ी है, जो इस बदलते दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस प्रकार समस्या यह नहीं है कि युवा बचत नहीं करना चाहते, बल्कि यह है कि बढ़ता उपभोग और कर्ज बचत की गति से तेज हो गया है। यदि इस प्रवृत्ति के साथ वित्तीय साक्षरता और अनुशासन नहीं जुड़ा, तो भविष्य में आर्थिक असुरक्षा का खतरा बढ़ सकता है। अत: बचत की आदत समाप्त नहीं हो रही, बल्कि बदल रही है। आवश्यकता इस बात की है कि युवा पीढ़ी आधुनिक निवेश के साथ-साथ संतुलित और सुरक्षित बचत की महत्ता को भी समझे, ताकि आर्थिक स्थिरता बनी रह सके।

आज की खुशी और कल की सुरक्षा

मैं आज की युवा पीढ़ी की वित्तीय आदतों को देखता हूं, तो स्पष्ट रूप से महसूस होता है कि बचत और खर्च के प्रति पारंपरिक सोच में बड़ा बदलाव आया है। पहले के भारतीय परिवारों में बचत को केवल आर्थिक अनुशासन नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा का आधार माना जाता था। सीमित आय, सामाजिक असुरक्षा और आकस्मिक जरूरतों के कारण माता-पिता अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा जमा करने पर जोर देते थे। यह सोच उस समय की परिस्थितियों में पूरी तरह व्यावहारिक और आवश्यक थी। आज का आर्थिक परिदृश्य बिल्कुल अलग है। युवा पीढ़ी यात्रा, गैजेट्स, फिटनेस, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन और लाइफस्टाइल ब्रांड्स पर खुलकर खर्च कर रही है। मैं यह मानता हूं कि पैसा केवल बैंक खाते में जमा रखने के लिए नहीं है, उसका उद्देश्य जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना भी है। अनुभवों पर खर्च करना, आत्मविकास और स्वास्थ्य में निवेश करना किसी भी तरह से गलत नहीं कहा जा सकता, लेकिन यहीं से चिंता की शुरुआत होती है। आज की नौकरी और आय पहले जैसी स्थिर नहीं रही। निजी क्षेत्र में छंटनी, फ्रीलांस और गिग इकॉनमी तथा तेजी से बदलती तकनीक यह संकेत देती है कि आय की निरंतरता अनिश्चित हो सकती है। ऐसे माहौल में यदि खर्च तो बढ़ता जाए, लेकिन बचत और निवेश की कोई ठोस योजना न हो, तो भविष्य में आर्थिक दबाव पैदा होना तय है। कई बार मैंने देखा है कि अच्छी कमाई करने वाले युवा भी आपातकालीन फंड, स्वास्थ्य बीमा और रिटायरमेंट प्लानिंग को टालते रहते हैं, जो लंबे समय में गंभीर जोखिम बन सकता है। खर्च और बचत को एक-दूसरे का विरोधी नहीं, बल्कि पूरक माना जाना चाहिए। सबसे पहले हर व्यक्ति को अपनी आय का एक निश्चित हिस्सा बचत के लिए अलग करना चाहिए। कम से कम छह महीनों का आपातकालीन फंड, पर्याप्त हेल्थ इंश्योरेंस और एक टर्म इंश्योरेंस आज की जरूरत है, न कि विलासिता। इसके साथ-साथ लंबी अवधि के लिए व्यवस्थित निवेश, जैसे म्यूचुअल फंड या रिटायरमेंट स्कीम, वित्तीय स्थिरता की नींव रखते हैं। साथ ही बची हुई आय को अपने शौक, यात्रा और जीवन के आनंद पर खर्च करना पूरी तरह उचित है। समस्या खर्च करने में नहीं, बल्कि बिना योजना और बिना प्राथमिकता के खर्च करने में है। जब खर्च बजट के भीतर हो और भविष्य सुरक्षित हो, तब वर्तमान का आनंद अपराधबोध नहीं, बल्कि संतुलित जीवन का प्रतीक बन जाता है। अंतत: वित्तीय समझ का अर्थ यह नहीं कि आज को त्याग दिया जाए या केवल कल के लिए जिया जाए। सही सोच वही है, जहां आज की खुशियां और कल की सुरक्षा दोनों साथ चलें। यही संतुलन युवा पीढ़ी को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और मानसिक रूप से निश्चिंत बना सकता है।

सत्य दत्त शुक्ला
चार्टर्ड अकाउंटेंट, लखनऊ

आधुनिक जीवनशैली, असंतुलित आहार, तनाव और शारीरिक श्रम की कमी के कारण आज हृदय रोग, मधुमेह, जोड़ों का दर्द, मानसिक तनाव और स्मृति-दुर्बलता जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इन सभी स्थितियों में ओमेगा-3 फैटी एसिड को आधुनिक विज्ञान बहुत लाभकारी मानता है। यद्यपि आयुर्वेद में 'ओमेगा-3' शब्द का प्रत्यक्ष उल्लेख नहीं मिलता, परंतु जिन गुणों और कार्यों का वर्णन आधुनिक पोषण विज्ञान करता है, वे आयुर्वेद में स्निग्ध, मेध्य, बल्य और वातशामक तत्वों के रूप में पहले से वर्णित हैं। आयुर्वेद के अनुसार शरीर में वात, पित्त और कफ-इन तीनों दोषों का संतुलन ही स्वास्थ्य का मूल आधार है। ओमेगा-3 में स्निग्ध और गुरु गुण पाए जाते हैं, जो विशेष रूप से वात दोष को शांत करने में सहायक होते हैं। वात दोष की वृद्धि से जोड़ों में दर्द, मानसिक अस्थिरता, अनिद्रा और त्वचा की रुखापन जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। ओमेगा-3 इन लक्षणों को कम कर शरीर में स्थिरता और पोषण प्रदान करता है।

ओमेगा-3

दिल, दिमाग और त्वचा को रखे स्वस्थ

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर अपनी डाइट को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कुछ पोषक तत्व ऐसे हैं, जो हमारे शरीर के लिए अनिवार्य हैं और इन्हें आहार से ही प्राप्त करना पड़ता है। इन्हीं में प्रमुख है ओमेगा-3 फैटी एसिड। यह एक प्रकार की स्वस्थ वसा है, जो शरीर में स्वयं नहीं बनती। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि ओमेगा-3 हमारे हृदय, मस्तिष्क, त्वचा और हार्मोनल संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है। भारतीय आयुर्वेदिक ग्रंथों में वसा के महत्व को रेखांकित किया गया है। आयुर्वेद में इसे 'स्निग्ध' गुण वाली वसा कहा जाता है, जो शरीर को बल, चमक और मानसिक स्थिरता प्रदान करती है। यदि हम रोजाना आहार से ओमेगा-3 नहीं लेंगे, तो सूजन, थकान, डिप्रेशन और हृदय रोग जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। आज हम ओमेगा-3 पर विस्तार से चर्चा करेंगे, खासकर शाकाहारी लोगों के लिए इसके तीन मुख्य प्रकार होते हैं।

- ALA (अल्फा-लिनोलेनिक एसिड)
- EPA (ईकोसापेंटेनोइक एसिड)
- DHA (डोकोसाहेक्सेनोइक एसिड)

ALA मुख्यतः पौधों से प्राप्त होता है, जबकि EPA और DHA सामान्यतः मछली तेल में पाए जाते हैं। हालांकि शाकाहारी लोगों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मानव शरीर ALA को आवश्यकता अनुसार EPA और DHA में परिवर्तित कर सकता है। भारतीय संदर्भ में ओमेगा-3 के शाकाहारी स्रोत आसानी से उपलब्ध हैं। अलसी (फ्लैक्ससीड्स), अखरोट, चिया सीड्स, भांग के बीज (हेम्प सीड्स) तथा सरसों के बीज या तेल ओमेगा-3 के उत्कृष्ट स्रोत माने जाते हैं। एक चम्मच पिसी हुई अलसी में लगभग 2.5 ग्राम ALA पाया जाता है, जो दैनिक आवश्यकता का बड़ा भाग पूरा कर देता है। वयस्कों के लिए प्रतिदिन 1.1 से 1.6 ग्राम ALA पर्याप्त माना जाता है। यदि रोजाना इन बीजों का केवल एक चम्मच भी आहार में शामिल किया जाए, तो यह हृदय, मस्तिष्क और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

हृदय के लिए ओमेगा-3 का महत्व

हृदय स्वास्थ्य के लिए ओमेगा-3 का महत्व अतुलनीय है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है और रक्त वाहिकाओं को लचीला बनाए रखता है, जो लोग नियमित रूप से ओमेगा-3 युक्त आहार लेते हैं, उनमें हार्ट अटैक का खतरा 30 प्रतिशत तक कम हो जाता है। आयुर्वेद में इसे 'हृदय को मजबूत करने वाला' कहा गया है। सरसों का तेल, जो उत्तर भारत में आम है, इसमें ओमेगा-3 के साथ-साथ एंटीऑक्सीडेंट्स भी भरपूर हैं। यदि आप हाई ब्लड प्रेशर या अनियमित दिल की धड़कन से ग्रस्त हैं, तो अलसी या चिया को दही में मिलाकर खाएं। इससे ट्राइग्लिसराइड्स लेवल भी संतुलित रहता है।

मस्तिष्क और मानसिक स्वास्थ्य

मस्तिष्क और मानसिक स्वास्थ्य पर ओमेगा-3 का प्रभाव गहरा है। DHA मस्तिष्क का 60 प्रतिशत हिस्सा बनाता है और स्मृति, एकाग्रता बढ़ाता है। बच्चों में ADHD (अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर) और वयस्कों में डिप्रेशन को कम करने में यह सहायक है। ओमेगा-3 की कमी से अल्जाइमर जैसी बीमारियां हो सकती हैं। योग और प्राणायाम करने वालों के लिए यह और भी जरूरी है, क्योंकि यह मानसिक स्थिरता प्रदान करता है। अखरोट को 'ब्रेन फूड' कहा जाता है, इसमें ओमेगा-3 के साथ विटामिन-ई भी है, जो न्यूरॉन्स को सुरक्षित रखता है। रोजाना 4-5 अखरोट खाने से दिमाग तेज रहता है और तनाव कम होता है। आयुर्वेदिक दृष्टि से, यह 'मेध्या रसायन' (मस्तिष्क tonic) का काम करता है।

त्वचा की चमक और स्वास्थ्य

त्वचा की चमक और स्वास्थ्य के लिए ओमेगा-3 एक वरदान है। यह सूजन कम करता है, जिससे मुंहासे, एक्जिमा और शुष्कता जैसी समस्याएं दूर होती हैं। कोलेजन उत्पादन बढ़ाकर झुर्रियां रोकता है। एक अध्ययन में देखा गया कि ओमेगा-3 सप्लीमेंट लेने वाली महिलाओं की त्वचा 20 प्रतिशत अधिक हाइड्रेटेड हो गई। चिया सीड्स को पानी में भिगोकर जेल बनाएं और फेस मास्क में लगाएं, यह प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है। भांग के बीज त्वचा को कोमल बनाते हैं और बालों की जड़ों को मजबूत करते हैं। सरसों का तेल मालिश करने से त्वचा चिकनी और चमकदार हो जाती है। शुष्क मौसम में यह विशेष रूप से उपयोगी है।

वात दोष की वृद्धि से गठिया, सर्वाइकल, कमर दर्द और जोड़ों की जकड़न जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। ओमेगा-3 का स्निग्ध गुण शुष्कता को दूर कर सूजन और दर्द को कम करता है। आयुर्वेदिक चिकित्सा में इसे वातशामक आहार के रूप में स्वीकार किया जा सकता है, जिससे दीर्घकालीन वात रोगों में राहत मिलती है।

हार्मोन संतुलन में भूमिका

हार्मोन संतुलन में ओमेगा-3 की भूमिका महत्वपूर्ण है। महिलाओं में पीएमएस (प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम) के लक्षणों को कम करता है, पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन को संतुलित रखता है। थायरॉइड ग्रंथि को स्वस्थ रखकर वजन नियंत्रण में मदद करता है। आयुर्वेद में इसे 'वात-पित्त शामक' माना जाता है। मेनोपॉज के दौरान हॉट फ्लैशेस कम करने के लिए अलसी का सेवन आदर्श है।

अब बात करते हैं शाकाहारी स्रोतों के व्यावहारिक उपयोग की। भारतीय शाकाहारी आहार में ओमेगा-3 प्रचुर है। मुख्य स्रोत:

- अलसी के बीज (Flaxseeds): सबसे समृद्ध, 1 चम्मच में 2.3 ग्राम ALA पीसकर लें, क्योंकि पूरा बीज पचता नहीं। दही, स्मूदी या रोटी में मिलाएं।
- अखरोट (Walnuts): 1 मुट्ठी, भिगोकर खाएं।
- चिया सीड्स (Chia Seeds): 1 चम्मच (2 ग्राम), पानी में भिगोकर, फाइबर भी मिलता है।

- भांग के बीज (Hemp Seeds): 3 ग्राम, सलाद में छिड़कें।
- सरसों का तेल (Mustard Oil): ठंडा पिसा कच्चा तेल 1 चम्मच में (1 ग्राम) सब्जी में इस्तेमाल करें, पाचन सुधारता है।
- अन्य: मेथी दाना, सोयाबीन, कद्दू के बीज। रोजाना 1-2 चम्मच पर्याप्त।
- रोजाना एक चम्मच ओमेगा-3 बड़ा फर्क लाता है, लेकिन सही तरीके से लें।
- अलसी: हमेशा पीसकर लें। ज्यादा न लें (2 चम्मच max), वरना हार्मोन असंतुलन।
- तेल: सरसों का तेल कच्चा या कम गर्म करें।

प्राणायाम से पहले लें ओमेगा-3

कुछ लोगों को बीजों से गैस या अपच हो सकती है। ऐसे में अजवाइन और काली मिर्च के साथ लें। एक चुटकी अजवाइन पाउडर और काली मिर्च मिलाकर हल्का गर्म पानी से लें। अलसी को घी में भूनकर खाएं। गर्भवती महिलाएं चिकित्सक से सलाह लें। किडनी या पित्त समस्या वाले सीमित मात्रा में लें। शुद्धता सुनिश्चित करें, बाजार के बीज कीटनाशक रहित चुनें।

पंचकर्म में तेल मालिश (अभ्यंग) में सरसों तेल ओमेगा-3 देता है। नियमित सेवन से 'ओज' (प्रतिरक्षा) बढ़ता है। श्लोक: "स्नेह: शरीरस्य बलप्रद:"- वसा शरीर को शक्ति देती है।

ओमेगा-3 न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक शक्ति भी देता है। योग साधकों के लिए यह प्राणायाम में सहायक है, क्योंकि यह ऑक्सीजन सप्लाई सुधारता है। स्वस्थ वसा शरीर को चमकदार बनाती है, थकान दूर करती है।

ओमेगा-3 को आहार में शामिल करना सरल, लेकिन प्रभावी कदम है। रोजाना एक चम्मच से शुरुआत करें। इससे दिल मजबूत, दिमाग तेज, त्वचा सुंदर और हार्मोन संतुलित रहेंगे। ये शरीर में सूजन कम करते हैं, कोशिकाओं की झिल्ली को लचीला बनाते हैं और हार्मोन संतुलन बनाए रखते हैं। दिल, दिमाग, त्वचा और हार्मोन संतुलन के लिए बहुत अहम। स्वस्थ वसा शरीर को शक्ति, चमक और मानसिक स्थिरता देती है।

आयुर्वेद में कहा गया है कि प्रत्येक पदार्थ का सेवन व्यक्ति की प्रकृति, अग्नि और ऋतु के अनुसार होना चाहिए। अत्यधिक कफ प्रकृति वाले व्यक्तियों तथा मंदाग्नि से ग्रसित लोगों को इसका सीमित सेवन करना चाहिए। किसी भी पदार्थ का अतियोग हानिकारक हो सकता है। चिकित्सक की सलाह से ही सेवन करना लाभप्रद है। संतुलित मात्रा और उचित विधि से सेवन करने पर ओमेगा-3 शरीर, मन और बुद्धि-तीनों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, बरेली में आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार पोषण, जीवनशैली एवं रोग निवारण पर विशेष बल दिया जाता है। यहां हृदय रोग, वात विकार, मानसिक रोग, त्वचा रोग एवं स्त्री रोगों के उपचार में संतुलित आहार, रसायन चिकित्सा, पंचकर्म एवं आयुर्वेदिक परामर्श के माध्यम से ओमेगा-3 युक्त आहार की वैज्ञानिक एवं आयुर्वेदिक उपयोगिता पर रोगियों को जागरूक किया जाता है।

टू-डू लिस्ट: सफल दिन की कुंजी

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में हर व्यक्ति अनेक जिम्मेदारियों और कामों के बीच घिरा रहता है। घर, दफ्तर, पढ़ाई और सामाजिक दायित्वों के बीच संतुलन बनाते-बनाते कई बार जरूरी काम या तो भूल जाते हैं या समय पर पूरे नहीं हो पाते। अक्सर हमें लगता है कि सभी काम याद हैं, लेकिन ऐन वक्त पर कोई महत्वपूर्ण कार्य दिमाग से निकल जाता है। टालमटोल की आदत और कामों की अधिकता हमारी कार्यक्षमता को प्रभावित करती है, जिसका परिणाम तनाव, चिंता और आत्मग्लानि के रूप में सामने आता है।

इंदु सिंह
लेखिका

कई बार किसी काम का अधूरा रह जाना उतना समस्या नहीं बनता, जितना उसकी समय-सीमा का निकल जाना। समय रहते कार्य पूरा न हो पाने पर स्थिति और भी कठिन हो जाती है। यही कारण है कि लोगों को अपने कार्यों को व्यवस्थित ढंग से करने की आवश्यकता महसूस होती है, ताकि कोई भी जरूरी काम छूटे नहीं और समय का सही उपयोग हो सके। इसी आवश्यकता से 'टू-डू लिस्ट' की अवधारणा सामने आती है, जो न केवल कामों को क्रमबद्ध करती है, बल्कि व्यक्ति को अनुशासित और लक्ष्य के प्रति सजग भी बनाती है।

समाधान: टू-डू लिस्ट बनाने की आदत

इन सभी समस्याओं से बचने का सबसे सरल और कारगर उपाय है। अपने सभी जरूरी कामों की एक सूची (टू-डू लिस्ट) बनाना और क्रमबद्ध तरीके से उन्हें पूरा करना। जब व्यक्ति अपने कामों की सूची बनाकर कार्य करता है, तो अधिकांश काम तय समय के भीतर पूरे हो जाते हैं। हर व्यक्ति को अपने प्रतिदिन के जरूरी कार्यों की एक सूची बनाकर अपने पास रखनी चाहिए और जैसे-जैसे काम पूरे होते जाएं, उन्हें चिन्हित करते जाना चाहिए। ऐसा करने में भी एक अलग ही संतोष और खुशी मिलती है।

टालमटोल की आदत और उसका नुकसान

कई बार काम की अवधि या नियत तिथि देखकर व्यक्ति यह सोचकर उसे टाल देता है कि अभी तो बहुत समय बाकी है, इसे कभी भी कर लेंगे। लेकिन एक दिन ऐसा आता है जब उसे पूरा करने के लिए समय ही नहीं बचता। इसी तरह, जब काम बहुत अधिक हो जाते हैं तो व्यक्ति यह तय नहीं कर पाता कि कौन-सा काम पहले करना चाहिए। नतीजतन, वह जरूरी कामों को बाद के लिए छोड़ देता है और कम महत्वपूर्ण काम पहले निपटा देता है। इस अव्यवस्था के कारण व्यक्ति बार-बार अपनी ही गलतियों से परेशान होता रहता है।

लिस्ट से मिलती है संतुष्टि

जब हम सूची बनाकर काम करते हैं और वे कार्य पूरे हो जाते हैं, तो ऐसा महसूस होता है मानो हमने कोई लक्ष्य हासिल कर लिया हो। यह आदत हमें अधिक सुव्यवस्थित, सक्रिय और जिम्मेदार बनाती है। इसकी वजह से न केवल हमारे काम समय पर पूरे होते हैं, बल्कि किसी काम के छूट जाने या अधूरे रह जाने की चिंता भी नहीं रहती।

डिजिटल साधनों की समझदारी

आज मोबाइल और डिजिटल तकनीक के दौर में अपने कामों की सूची मोबाइल में भी बनाई जा सकती है। इसके लिए रिमाइंडर सेट किए जा सकते हैं, जो निश्चित समय पर हमें काम की याद दिलाते हैं। आजकल ऐसे कई ऐप उपलब्ध हैं, जिनमें आप अपनी टू-डू लिस्ट बनाकर प्रत्येक काम के लिए डेडलाइन तय कर सकते हैं। ये ऐप न केवल नोटिफिकेशन भेजते हैं, बल्कि समय-समय पर अलर्ट देकर हमें सतर्क भी रखते हैं।

नियमित अभ्यास से बनेगी आदत

जो लोग काम अधूरे रह जाने, भूल जाने या समय निकल जाने से परेशान रहते हैं, उन्हें अपने जीवन में इस आदत को अवश्य अपनाना चाहिए। प्रतिदिन के कामों को सुबह, दोपहर, शाम और तारीख के अनुसार अलग-अलग दर्ज करना चाहिए, ताकि उन्हें तय समय पर किया जा सके। जब यह आदत जीवन का हिस्सा बन जाती है, तो धीरे-धीरे काम करने की शैली भी बदल जाती है।

तनावमुक्त और संतुलित जीवन की ओर

टू-डू लिस्ट के साथ काम करने से सभी कार्य समय पर पूरे होते हैं, जिससे अनावश्यक तनाव, दबाव और चिंता से मुक्ति मिलती है। साथ ही समय की बर्बादी भी रुकती है और जीवन अधिक संतुलित व व्यवस्थित बनता है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष यह सप्ताह आपके लिए अच्छा रहेगा और आपको भाग्य का समर्थन मिलेगा। जीवन में सुख की वृद्धि होगी एवं बेहतर ढंग से आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। सभी कार्य सफल होंगे एवं वाहन सुख की प्राप्ति होगी। सप्ताह के अंतिम दिनों में पिता सहयोग करेंगे एवं किसी विशेष कार्य के बनने से खुशी होगी।

वृष यह सप्ताह स्वास्थ्य के दृष्टि से प्रतिकूल बना हुआ है। स्वास्थ्य में गिरावट हो सकती है। संतान पक्ष से परेशानियां बढ़ सकती है। मानसिक तनाव हो सकता है। सप्ताह के अंतिम दिनों में अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को पदोन्नति और स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

मिथुन इस सप्ताह आपकी आय में वृद्धि होगी और पराक्रम श्रेष्ठ बना रहेगा एवं भाइयों से सहयोग प्राप्त होगा। आपके कार्य सफल होंगे। आपके घर में मेहमानों का आगमन होगा। सहयोग की प्राप्ति होगी एवं अचानक यात्रा का योग बन सकता है। आय कमजोर होगी एवं व्यय की अधिकता होगी।

कर्क इस सप्ताह की शुरुआत में कार्यों में सुधार होगा एवं आय बढ़ेगी। आशाजनक समाचार ज्ञात होगा। आपके कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा एवं नौकरी में बेहतर माहौल बना रहेगा। सेहत से जुड़ी कुछ परेशानियां हो सकती हैं, लेकिन वैवाहिक जीवन सुखमय होगा। परिवार का साथ मिलेगा।

सिंह इस सप्ताह पूर्व में किए गए धन निवेश का लाभ मिलेगा, आप लंबे समय से अगर कोई काम करना चाहते हैं, तो वो पूरा हो जाएगा। शिक्षा में आ रही पूर्व की सभी समस्याएं, जिससे आप अपनी शिक्षा के क्षेत्र में, अच्छा मुकाम प्राप्त करेंगे और आप इससे अच्छे परिणामों की प्राप्ति करेंगे, क्योंकि इस समय आपका मन सहज रूप से अपनी शिक्षा के प्रति झुकाव महसूस करेगा।

कन्या इस सप्ताह आपको धन लाभ होगा, इससे आपके परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ ऐसी बातें होंगी, जिनसे आप अभी तक अंजान थे। इस सप्ताह के दौरान प्राप्त लाभ को मजबूत करने और कुछ नया शुरू करते हुए, आप आगामी समय के लिए मजबूत नींव और रणनीति तैयार कर सही निर्णय लेते नजर आएंगे।

तुला इस सप्ताह भाग्य उन्नति के शुभ अवसर बन रहे हैं, जो काम पिछले काफी समय से रुका हुआ या अटका हुआ था, उसे पूरा करने का समय आ गया है। नौकरी और व्यवसाय में आपके परिश्रम का फल मिलता दिख रहा है। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम उनके पक्ष में मिलेगा, सिर्फ अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

वृश्चिक इस सप्ताह आपका भाग्य साथ देगा। किसी नई जगह पर जाने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम रखने में सफल होंगे। परिवार का साथ मिलेगा एवं आय में सुधार आएगा। आपका कारोबार सामान्य से अच्छा रहेगा। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। सेहत से जुड़ी कुछ समस्याएं हो सकती हैं।

धनु इस सप्ताह अपनों से सहयोग की अपेक्षाएं पूर्ण होंगी। नए कार्य की ओर अग्रसर होंगे एवं योजनाएं सफल होंगी। ऋण संबंधी मामलों में सुधार रहेगा। आपको भाईयों से सहयोग प्राप्त होगा एवं आय में वृद्धि होगी एवं कार्य की अधिकता भी बनी रहेगी। नौकरी की तलाश पूरी होगी एवं व्यापार में उन्नति से रास्ते प्राप्त होंगे।

मकर इस सप्ताह परिवार से सहयोग प्राप्त होगा। आय में वृद्धि के साथ सहयोग की प्राप्ति होगी। स्थाई रूप से धन में वृद्धि होगी। आपको शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। भाइयों से सहयोग प्राप्त होगा। कार्यों में सफलता की प्राप्ति होगी। परिवार के साथ भ्रमण पर जाने का मौका मिलेगा। आपकी नौकरी आराम में चलती रहेगी।

कुंभ इस सप्ताह आपकी आय में वृद्धि के साथ सहयोग की प्राप्ति होगी एवं विघ्न समाप्त होंगे। आर्थिक दृष्टिकोण से समय कुछ आपके लिए अनुकूल रहेगा। आपके व्यापार संचालन में कुछ बाधा आ सकती है। नौकरी में सामान्य स्थिति बनी रहेगी। शिक्षा में मेहनत का परिणाम अच्छा मिलेगा। वैवाहिक जीवन में संतुलन बना रहेगा।

मीन इस सप्ताह आपकी यात्राएं सुखद होंगी एवं पुराने परिचितों से मुलाकात होगी। नवीन वस्त्राभूषणों की प्राप्ति होगी। धार्मिक कार्यों में जाने का मौका मिलेगा। सप्ताह के मध्य में अनावश्यक कार्यों में धन खर्च होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सेहत से जुड़ी कुछ समस्याएं हो सकती हैं। प्रेम के मामले में साथी से सहयोग मिलेगा एवं जीवनसाथी से खुशी की प्राप्ति होंगी।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 44

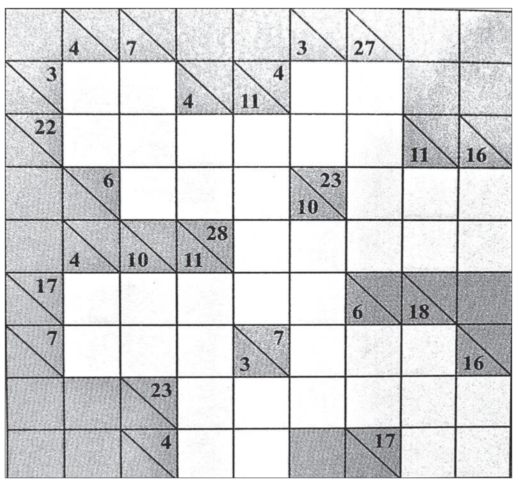

काकुरो 43 का हल

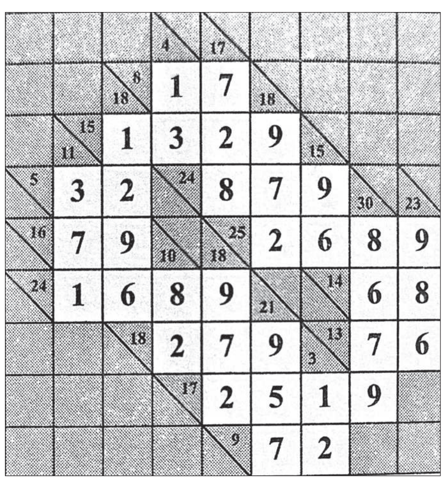

कहानी

सपने और साहस

शिवालिक अवस्थी
युवा लेखक

"मिठू अरी ओ मिठू" कहां गई? न जाने कहां भागी रहती है यह लड़की भी, किरण क्या तुमने मिठू को देखा? "सुरिंद्र ने झल्लाते हुए अपनी पत्नी से पूछा"। "आप, क्यों इतना मिठू के पीछे पड़े रहते हैं? आखिर, एक ही तो बेटी है हमारी और वैसे भी, बच्ची ही तो है अभी वो गई होगी कहीं खेलने।"

"हां-हां, पूरे 12 साल की हो गई है मिठू और तुम उसे बच्ची कहती हो?" सुरिंद्र गुस्से में बोला। "घर का चूल्हा-चौका अच्छे से सिखाना शुरू करो अब इसे, कहीं नाक न कटाए हमारी पराए घर जाकर। हां! आज से मैं उसे खेतों में भी लेकर जाऊंगा। न जाने खेतों में कब हाथ बंटाना शुरू करेगी? खैर, तुम देखो उसे अंदर और मैं पशुओं को पानी पिलाकर आता हूं।" सुरिंद्र अपनी गौशाला की ओर बढ़ा और गौशाला में घुसते ही उसने देखा, "अरे मिठू तू यहां क्या कर रही है? और मुझे देखकर तूने पीछे क्या छिपाया यह दिखा मुझे?" यह क्या है?

"बाबू जी, किताब है। वो, नीतू दीदी के घर से लाई थी पढ़ने के लिए तो।" "तो अब तुझे, घर का काम और घर की खेती, यह किताबें सिखाएंगी? पिछले दो साल से समझा रहा तुझे कि यह किताबें कुछ नहीं देंगी। बंदकर यह किताब पढ़ना और आज मेरे साथ चलकर खेती सीख। और अगर दोबारा यह किताब मेरे घर में मुझे दिखी, तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा, सुन लिया?" "जी, बाबू जी..!" इतना कहकर मिठू ने वह किताब, वहीं गौशाला में एक किनारे छुपा दी और बाबू जी को गौर से देखने लगी। "अब खड़ी-खड़ी मेरी शक्ल क्या देख रही जा, बैलों को खेतों में ले जा, मैं कुछ देर बाद आया।" "जी बाबू जी।"

उस दिन मिठू ने, अपने बाबू जी से खेती का बहुत काम सीखा, लेकिन रात को अचानक उनका एक बैल बीमार पड़ गया। मिठू अपने बाबू जी के साथ अंधेरे में ही, पास के दूसरे गांव के पशु औषधालय में बैल को लेकर पहुंच गई। आपातकालीन ड्यूटी में तैनात डॉक्टर ने बैल को टीका लगाया और घर ले जाने को कह दिया।

यह सब कुछ मिठू ने बहुत गहनता से देखा और रास्ते में लौटते वक्त अपने बाबू जी से पूछने लगी कि "हमारे गांव में पशु औषधालय क्यों नहीं है? हमारे गांव के कितने बीमार पशुओं को रोजाना इतना सफर करके यहां आना पड़ता है?" मिठू के बाबू जी ने कहा, "कह तो तुम ठीक रही हो बेटी, लेकिन इन सुख-सुविधाओं के लिए भला कौन पैरवी करेगा हमारे गांव की?" खैर, "घर आ गया है, छोड़ इन बातों को।"

अगले दिन मिठू ने घर का काम निपटाकर अपनी नीतू दीदी के घर जाने के लिए अपने बाबू जी से कहा, "बाबू जी, नीतू दीदी के घरवाले कुछ दिनों के लिए शहर जा रहे हैं, तो दीदी ने मुझे वहीं रहने को बोला है।" तो मैं रह लूं दीदी के घर? हां, पर पहले तेरी मां, नीतू के घर जाकर पूरा पता करेगी, तभी भेजूंगा, ऐसे नहीं। यह सुन मिठू डर गई और अपनी मां के पास जाकर हिचकिचाती हुई कहने लगी, "मां वो मैंने बाबू जी से झूठ कहा था, दरअसल मैं नीतू दीदी के घर पढ़ने जाया करती हूं।" "अरे वाह!"

यह सुन, मिठू की मां बहुत खुश हुई और मिठू से कहने लगी, "तू अपने बाबू जी से छुपा तो रही है, लेकिन जिस दिन इन्हें पता लगा न, तो तेरी और मेरी, हम दोनों की खैर नहीं। फिर भी तू जा, मैं संभाल लूंगी सब।"

अपनी मां की बात सुन, मिठू अपनी दीदी के घर जा पहुंची। मिठू ने किताबें पढ़ते हुए बहुत कुछ सीख लिया था। कुछ दिनों बाद, गांव में एक सरकारी संस्था, बच्चों के "मानसिक विकास" के सर्वेक्षण के लिए आई। यह जानने के लिए संस्था ने घर-घर जाकर, बच्चों के ज्ञान की परख की। शाम तक संस्था ने, भरी सभा में ऐलान किया कि इस गांव से हमने मिठू नाम की लड़की का चयन किया है, जिसे आगे की पढ़ाई में हमारी संस्था पूरा सहयोग करेगी। यह सुन, सभी हैरान भी हुए और खुश भी, लेकिन सुरिंद्र यह सब सुनकर बहुत उदास हुआ और थोड़ी देर बाद उसने भरी सभा में मिठू को पढ़ाई करवाने के लिए साफ मनाकर दिया।

सुरिंद्र ने कहा, "मेरी बेटी अगर स्कूल जाएगी तो घर और खेती का काम कैसे सीखेगी? कल को शादी होगी, किस मुंह से और क्या कहकर अपनी बेटी की शादी करूंगा? सारी उम्र मैं इसका खर्चा नहीं उठा सकता। ऊपर से स्कूल भी यहां से पांच किलोमीटर दूर है, कैसे जाएगी मेरी बेटी? लेकिन आप सबको इन बातों से क्या मतलब? आप तो आए, सर्वेक्षण किया और अपना काम निपटाकर, दूसरे के घर में आग लगाकर चल दिए।"

संस्था के सभी अधिकारी बड़ी गौर से सुरिंद्र को सुन रहे थे। सुरिंद्र की बात खत्म होने पर एक महिला अधिकारी उठीं और सुरिंद्र से कहने लगी, "हमने आपकी सारी बातें सुनी।"अब अगर मैं आपसे यह कहूं कि आपसे एक रुपये भी खर्चा नहीं लिया जाएगा और खेती में भी आपकी बेटी आपका सहयोग करेगी। इसके साथ-साथ आपकी बेटी की सारी जिम्मेदारी हमारी होगी, तो क्या कहेंगे?" यह सब कुछ, महिला अधिकारी, पास बैठी मिठू के आंखों में सजे, हसीन सपने देखकर कह रही थी, जिन्हें वह बखूबी समझ रही थी।

सुरिंद्र फिर भी चुप रहा और सभी गांव वाले सुरिंद्र को समझाने में लग गए। गांव के लोगों द्वारा समझाने पर सुरिंद्र अपनी बेटी को पढ़ाने के लिए तैयार हो गया। यह सुन सुरिंद्र की पत्नी किरण भी बहुत खुश हुई और मिठू का तो मानो सपना पूरा हो रहा हो।

सभी ने मिठू को बधाई दी और उस महिला अधिकारी ने उसे कुछ कहने के लिए कहा! मिठू ज्यादा तो नहीं बोली, लेकिन इतना जरूर कहा कि "मैडम जी, मेरा मिठू नाम तो घर का नाम है, असली नाम तो साक्षी है।" यह सुनकर सभी हंस पड़े। अगले दिन से ही, रोज मिठू को स्कूल ले जाने के लिए संस्था की गाड़ी आने लगी। समय बीतता गया। मिठू पढ़ाई के साथ-साथ घर का काम भी करती और अपने बाबू जी से खेती की जानकारी लेकर, खेती में भी हाथ बंटवा दिया करती। कुछ सालों बाद, आज, वही महिला अधिकारी, अपनी संस्था की टीम के साथ, फिर से मिठू के गांव आती है।

कार्यक्रम में सभी गांव वालों की उपस्थिति में, महिला अधिकारी सभी को संबोधित करती हुई कहती हैं, "आज से आपके गांव को एक नया मुकाम हासिल हुआ है और अब आपके गांव में कृषि के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य शुरू किए जा सकेंगे।"

इतना कहने पर महिला अधिकारी ने सभा में बैठी मिठू को मंच पर बुलाया और सबके सामने उसकी पीठ थपथपाती हुई कहने लगीं, आपके गांव की बेटी "साक्षी", ओह! मतलब मिठू अब "कृषि विशेषज्ञ" बन चुकी है। अब कृषि क्षेत्र के हर कार्य में आपकी मिठू आपके गांव का नाम बहुत ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। लड़की घर का काम करेगी, ज्यादा नहीं पढ़ेगी, भला ऐसी सोच रख कर, कैसे हमारा समाज, हमारा देश आगे बढ़ेगा? हमारे देश को आगे बढ़ाने के लिए हर किसी का शिक्षित होना बेहद जरूरी है। अब साक्षी, आपके गांव की प्रेरणा बन चुकी है। आज साक्षी पढ़ी, तो आगे बढ़ी। कल कोई और साक्षी पढ़ेगी, तो वो भी आगे बढ़ेगी। ऐसे करते-करते जब सारा इंडिया पढ़ेगा, तभी तो साथ में आगे बढ़ेगा इंडिया।"

मिठू को इतना सम्मान मिलते देख मिठू के बाबू जी की आंखें भर आईं। उन्होंने संस्था की अधिकारी से माफी मांगते हुए उनका धन्यवाद किया। धीरे-धीरे साक्षी उर्फ मिठू ने, कृषि के क्षेत्र में उपज को बढ़ावा देना, ट्यूब-वेल लगवाना आदि कई नए आयाम स्थापित कर अपने गांव का नाम रोशन कर दिखाया और सबसे पहले गांव में पशु औषधालय खुलवाया, जिससे पशुओं को दिखाने के लिए गांव वालों को अन्य गांव में लेकर न जाना पड़े, इसके साथ ही मिठू ने गांव में अन्य सुविधाओं की शुरुआत भी कर दिखाई। इसीलिए तो कहते हैं, "पढ़ेगा इंडिया, तभी तो बढ़ेगा इंडिया।"

काव्य

तेरी तस्वीर

तेरी सूरत से बेहतर है, तेरी
तस्वीर ओ जाना।
तू मेरा हो नहीं सकता, ये मैंने
आज है माना।
मेरी किस्मत है परछाई, सदा
पीछे ही चलती है,
तू कलरव भोर का प्रियतम,
बनी मैं सांझ का गाना।
गगन में चांद को एकटक,
निहारूं मैं चकोरी-सी,
हंसे वो रात भर पगला, मगर
पहलू में कब आना।
हसीं थी रात तारों की, तेरी
यादों के किस्से थे,
शमां थी रात भर तन्हा, मगर
लौट न परवाना।
तू मुझसे दूर ही रहना, कभी
भी पास मत आना,
तेरा अहसास काफी है, मेरे
दिलबर मेरे जाना।
जमी और आसमां का कब,
मिलन होता जमाने में,
मेरी सबसे बडी दौलत, तेरी
उलफत का नजराना।

नरेन्द्र सिंह 'नीहार'
वरिष्ठ साहित्यकार

हिंदी की शपथ

शपथ है हिंदी में, हिंदी की,
जो कुछ कहूंगा, सच्चे अंदाज
में कहूंगा
मदिरापान करते हुए मेला
लगाऊंगा, निषिद्धताओं पर
भूरे-भूरे प्रवचन दूंगा
मनगढ़ंत कथाएं गढूंगा, चाहे
जितनी झूठ और फरेब और
कपट से छलछलाती
अजूबा हो जाऊंगा बेमतलब
ही चीजों के बदलूंगा नाम
क्रमशः और पुनः उत्तरोत्तर
अफलातून कहलाऊंगा
कहूंगा बच्चों से बार-बार
कहूंगा यही-यही
अपनी जुबान, अपनी भाषा,
अपने रौब में बचाते हुए नजरें,
मातृभाषा में कहूंगा
सीखें बार-बार सीखें शपथ
ले लें, अच्छी है हिंदी, सरल
है, सच्ची है हिंदी, कमी है यही
कि किसी काम की नहीं है
दो दुनिया में, दो रोटी, दो दाम
की नहीं है, घर के घर में भी
बदनाम ही रही है
बस पीटते रहो ढोल, खोजते
रहो पोल और बोलते रहो
मनमर्जी के लंपट बोल,
हिंदी इज ए वैरी फन्नी लेंग्वेज
रद्दी भी अंग्रेजी की बिकती
है महंगी,
दोहराऊंगा, कमोबेश यही सब
दोहराऊंगा
पादुकाएं उठाई हैं, पादुकाएं
उठाऊंगा
यहां-वहां बनाऊंगा खास
वातावरण स्वैग
सर्कस हो जाऊंगा, जोकर
कहलाऊंगा
शपथ है हिंदी में, हिंदी की।

राजकुमार कुंभज
कवि

संबंधों की सड़क

संबंधों की मुख्य सड़क भी
गड्ढा मुक्त नहीं हो पाई।

भीड़ कहूं या कह दूं जीवन
की अपनी
निर्धारित गति है
हानि देखकर शांत रहूं या
समझूं यह सामाजिक क्षति है

सामूहिक संबोधन में भी
व्यक्तिवाद करता अगुआई।

सोच समझकर निर्णय लेना
होता है परिणाम प्रदायी,
जैसे नए वस्त्र के फटने
पर हो जाती
है तुरपाई,

असंतोष के बढ़े भाव की
छिछली नहीं
हुई गहराई।

कंकरीट में धड़क रहा है
या फिर दिल में
कंकरीट है,
अहसासों की दीवारों से
होती रहती
मारपीट है,

बुनियादी सवाल के उत्तर
की छोटी सी
है लंबाई।

विवेक कुमार
युवा गीतकार

लघुकथा

कर्तव्य

प्रीति बेसब्री से टिकट की लाइन में लगी अपनी बारी आने का इंतजार कर रही थी। टिकट खिड़की पर महेश टिकट काट रहे थे। प्रीति ने उनसे कहा, "दिल्ली जाने वाली ट्रेन का टिकट दे दें।" महेश ने पूछा, "नई दिल्ली कि पुरानी दिल्ली का।"प्रीति झल्लाकर बोली, "उससे आपको क्या मतलब आप टिकट दो।" महेश बोले, "इसलिए पूछा कि तुम अकेली लड़की दिल्ली बहुत बड़ी है खाली में परेशान होगी, जहां जाना हो, उसी ट्रेन की टिकट लो। पता मालूम नहीं क्या तो पहले कॉल करके पता पूछ लो।" उसने पर्स से मोबाइल निकला फिर वापस रखते हुए बोली, "स्विच ऑफ हो गया और पास खड़े आदमी से बोली सर अपना फोन देगें मुझे एक कॉल करनी है।" उस आदमी ने मनाकर दिया।

महेश बोले, "तुम्हारे पास फोन नहीं है।" प्रीति बोली, "मोबाइल तो है, लेकिन डिस्चार्ज हो गया।" महेश बोले, "लो मेरे फोन से बात कर लो, लेकिन यहीं खड़े होकर।" प्रीति ने कॉल लगाई और बोली, "बेबी तुम कहां रहते हो।" शायद वहां से पूछा गया ये किसका नंबर है, तो वह बोली तुमने कहा था कि घर से निकलते ही मोबाइल स्विच ऑफ कर देना मैंने वही किया। इसलिए किसी से फोन लेकर कॉल कर रही हूं। महेश ध्यान से सब सुनते रहे, जब वो टिकट के पैसे देने लगी तो उन्होंने देखा वो काफी पैसे लिए हैं। महेश बोले, "अभी तुम्हारी ट्रेन आने में काफी समय है अभी मेरे पास खुले पैसे भी नहीं हैं ऐसा करो तुम थोड़ी देर रुको मैं कुछ टिकट बांट देता हूं, जिससे खुले पैसे हो जाएंगे।" प्रीति सहमत हो गई और एक तरफ खड़ी हो गई। सबको टिकिट देने के बाद महेश अपनी सीट से उठकर प्रीति के पास आए और बोले, "अब मुझे तुम सच-सच बताओ तुम कौन हो और कहां जा रही हो। मैं ये तुमसे इसलिए पूछ रहा हूं, क्योंकि मैं भी एक बेटी का बाप हूं और मैं उसे बहुत प्यार करता हूं। मुझे कुछ ठीक नहीं लग रहा इसलिए बिना पूरी बात जाने मैं तुम्हें टिकट नहीं दूंगा। तुम्हारे पर्स में मैंने ढेर सारे पैसे और मंहगा मोबाइल देखा है अब अगर तुम मुझे सच नहीं बताती हो, तो मैं पुलिस को बुलाऊंगा उसके बाद ही तुम्हें टिकट दूंगा।" प्रीति बोली, "आप पुलिस मत बुलाओ मैं बताती हूं। मेरा नाम प्रीति है, मैं एमबीए की स्टूडेंट हूं, घर में पापा और भाई हैं, मां का स्वर्गवास हो चुका है। मैं अपने बायफ्रेंड के पास जा रही हूं, वो मुझे बहुत प्यार करता है हम शादी करने वाले हैं, उसके कहने पर में कुछ समान और पैसे लेकर उसके पास जा रही हूं।" महेश ने उसे बहुत समझाया परिवार के प्यार और इज्जत की ऊंच नीच समझाई, लेकिन वो मानने को तैयार नहीं थी। वो महेश से बोली, "आप क्यों मुझे परेशान कर रहे हैं, अपना काम करिए और मुझे जाने दीजिए।" महेश बोले, "ठीक है चली जाना, लेकिन लो फोन लो और एक बार फिर अपने फ्रेंड को कॉल करो और कहो कि स्टेशन पर मेरा पर्स चोरी हो गया है वैसे उसकी मैंने रिपोर्ट कर दी है। मैं आ रही हूं तुम मुझे लेने स्टेशन आ जाना।"

निवेदिता शुक्ला
इटावा

इतना सुनते ही वहां से आवाज आई, "मूर्ख लड़की अब यहां क्यों आएगी, जब तेरे पास कुछ है ही नहीं। मैं तेरी शक्ल भी नहीं देखना चाहता और हां दुबारा कॉल भी मतकर देना", फोन कट जाता है। प्रीति दुबारा कॉल लगाने की कोशिश करती है, तो महेश बोले, "बेटी रहने दो अब कॉल नहीं लगेगी, उसने ब्लॉक कर दिया होगा।" इतना सुनते ही प्रीति की आंखों से आंसू छलक पड़ते हैं और वो महेश से हाथ जोड़कर कहती है, "अंकल शुक्रिया मेरी जिंदगी बचाने के लिए।" महेश उसके सिर पर हाथ रखते हुए कहते हैं, "बेटी मैं देखते हुए कैसे तुम्हारी जिंदगी बरबाद होने देता आखिर मैं भी एक बेटी का पिता हूं।"

बहू-बेटा

आत्माराम होटल में बैठकर घरवालों की प्रतीक्षा कर रहे थे। बहू-बेटे की जिद के कारण आज उनका 70 वां जन्मदिन इसी होटल में मनाया जाएगा। उनकी पत्नी का देहांत हो चुका है। उनकी पत्नी की पसंद का होटल होने की ढेर सारी यादें जुड़ी हुई हैं। पुराने परिचितों और मित्रों के साथ बार-बार इसी होटल में आते हैं। होटल का सारा स्टाफ इनसे भली-भांति परिचित है। इसीलिए जन्मदिन मनाने के लिए इसी होटल को चुना है।

पत्नी के गुजरने के बाद आत्माराम कुछ उदास रहने लगे। बहू-बेटे ने उन्हें चिंतामुक्त रहने के लिए कहा। उनकी बहू खुशबू ने उन्हें समझाते, धीरज बंधाते हुए कहा, "आज के बाद आपको किसी चीज की कमी महसूस नहीं होगी। सासु मां जिस तरह आपकी छोटी-मोटी आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखती थीं, उसी तरह मैं भी रखूंगी। आप बिल्कुल निश्चिंत रहें।" बहू की प्रेम, वात्सल्य पूर्ण बातों से वे अभिभूत हुए। सुबह की चाय से लेकर, नाश्ता, दोपहर और रात का भोजन समय पर बिन मांगे मिल जाता था। आलोक के बीमार पड़ने पर समय पर गोली, दवा न लेने के कारण खुशबू ससुर को ऐसे डांटती, जैसे मां अपने बच्चे को डांटती है। दादा जी का जन्मदिन होटल में मनाने की बात सुनकर उनकी दोनों पोतियां खुशी से उछल-कूद कर रही हैं। आत्माराम की आंखों के आगे बहू-बेटे और पोतियों का प्यार भरा अपनत्व वाला व्यवहार चलचित्र की भांति उनकी आंखों के आगे घूमने लगा। मन ही मन सोचने लगे, अगर ऐसी बहू और बेटा भाग्य से सबको मिले, तो सभी का बुढ़ापा संवर जाए।

अशोक वाधवाणी
महाराष्ट्र

सोचते-सोचते उनकी आंखों से खुशी के मोती छलकने लगे। बहू-बेटे और पोतियों को सामने से आता देखकर, उन्होंने तुरंत अपने आप पर काबू पा लिया।

सड़क सुरक्षा पर संवेदना की आवाज

समीक्षा

डॉ. उदित नारायण पांडे द्वारा लिखित पुस्तक समझावनपुर सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में एक अनमोल और हृदयस्पर्शी कृति के रूप में सामने आई है। यह पुस्तक महज दस रोचक कहानियों का संग्रह नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों, मानवीय संवेदना और सामाजिक जागरूकता का सशक्त माध्यम है, जो आम जनमानस के हृदय में सड़क सुरक्षा के नियमों को सहज रूप से उतार देती है। पुस्तक की कहानियों में चयनित पात्र इतने जीवंत और सजीव हैं कि उनके संवाद सीधे पाठक के मन को छू जाते हैं। प्रत्येक कहानी ऐसी परिस्थितियों को उकेरती है, जहां एक छोटी-सी लापरवाही भी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकती है। लेखक ने कहानी के अंदर कहानी की प्रभावशाली शैली अपनाई है, जो पाठक को न केवल बांधकर रखती है, बल्कि बिना किसी उपदेशात्मक बोझ के गहरे चिंतन के लिए प्रेरित करती है। पुस्तक का मूल संदेश अत्यंत मार्मिक और सशक्त है-यातायात नियमों का पालन चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी और अपनों की जान बचाने के लिए किया जाना चाहिए। यह संदेश हर कहानी के माध्यम से पाठक के मन में गहराई से उतरता है और उसे आत्मचिंतन के लिए विवश करता है।

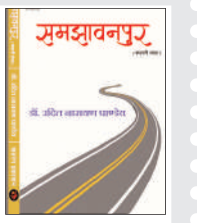

पुस्तक : समझावनपुर
(कहानी संग्रह)
लेखक : डॉ. उदित नारायण पाण्डेय
प्रकाशन : शतरंग प्रकाशन लखनऊ
मूल्य : 400
समीक्षक : विदर्भ अग्निहोत्री, लखनऊ

किताब की सरल भाषा, भावनात्मक प्रस्तुति और व्यावहारिक उदाहरण बच्चों के साथ-साथ बड़ों पर भी गहरा प्रभाव डालते हैं। कहानियां पढ़ते हुए बच्चे स्वयं ही हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, गति सीमा का पालन करने और वाहन चलाते समय मोबाइल से दूर रहने जैसे नियमों को अपनाने के लिए प्रेरित हो जाते हैं-वह भी बिना किसी डर या दबाव के। समझावनपुर हर वर्ग के पाठकों- छात्रों, युवाओं, गृहिणियों और बुजुर्गों के लिए समान रूप से उपयोगी और पठनीय है। कुल मिलाकर, यह पुस्तक न केवल सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाती है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की मजबूत नींव भी रखती है।

व्यंग्य

फूफा अर्थात बिना नियुक्ति का सर्वे अधिकारी

आज का जो नीरस, सिर पर चांद लिए, मुंह बनाकर घुमने वाला फूफा होता है। वह कभी एक जमाने का बांका-सजीला जीजा होता है, जो अपने जमाने में उस घर में किसी सुपरस्टार से कम नहीं होता है, जिसको देखने के लिए आस-पड़ोस से लोग बहुत प्रेम से आते हैं, जिसकी हरेक अदा पर उस घर की सारी लड़कियां जान छिड़कती थीं। यदि थोड़ा हंसमुख, मिलनसार, दरियादिल स्वभाव का जीजा रहता है, उसकी इज्जत पूछिए ही मत, उस घर की भाभियां भी जीजा के ऊपर सदके जाती, मुरीद हो जाती हैं। उसके बिगड़े बाल भी स्टाइल बन जाते हैं।

रेखा शाह
बलिया

यह रुतबा होता है और फटी हुई जींस भी फैशन बन जाती है, जब फूफा जीजा होता है, तब उसकी बड़ी आव भगत रहती है और सालियां भाग-भागकर उसके लिए तमाम वह काम करती हैं, जिसमें उसे खुशी मिले। उसका रुतबा किसी कलेक्टर से कम नहीं होता है। हर काम में उसकी मर्जी बड़ी मायने रखती है।

उसके लिए तमाम तरी वाले, लज्जतदार व्यंजन बनते हैं, जो उस घर की महिलाओं को आते हैं। यदि कुछ नहीं आते हैं, तो अगल-बगल से भी सीखकर जीजा की खातिरदारी में पेश किया जाता है। अब बताइए जहां इतनी खातिरदारी हो, तो इंसान का फूल कर कुप्पा होना तो बन ही जाता है।

इसीलिए तो हर इंसान एक बार जीजा बनने का ख्वाहिश जरूर रखता है। इसीलिए तो मर्द प्रजाति, चाहे कितनी भी बूढ़ी हो जाए, लेकिन जीजा बनने का मोह उससे नहीं जाता है। चाहे आप दुनिया में कुछ भी बन जाइए, लेकिन यदि जीजा नहीं बने हैं, तो आप एक अद्भुत सुख से वंचित हैं और उस पर से यदि जीजा सरकारी नौकरी वाला हो, तब तो पूछिए ही मत, उसकी एक छींक पर पूरा घर रुमाल लिए खड़ा मिलता है। घर वाले तो घर वाले पड़ोस वाले भी नौकरी वाले जीजा को हाथों पर रखते हैं और वैसे भी आपने देखा होगा नौकरी वाले लड़कों का रेट इसी कारण हाई रहता है, लेकिन परिवर्तन इस दुनिया का नियम है। कुछ भी यहां पर सदा के लिए नहीं है। न सुख और न ही दुख। जो आज सुख है वही कल दुख भी बन जाता है। यह भी इस सृष्टि का एक बहुत ही कठोर नियम है।

एक समय के बाद सालियां अपने घर को चली जाती हैं। सासु मां परलोक सिधार जाती हैं। ससुर भी साथ में निकल लेते हैं। मतलब कि जितने भी जीजा के आने से खुश हो सकते थे। एक समय के बाद वह सभी लापतागंज हो चुके होते हैं। बचते हैं साले और सरहज और फिर उनकी बेमुरव्वत, नामुराद, औलादे, जिनके लिए अपना जीजा महत्वपूर्ण होता है। न कि अपने बाप का जीजा महत्वपूर्ण होता है। इन औलादों को फूफा कांटे जैसा लगता है और अपना जीजा आंखों का तारा लगता है। बस यही चीज फूफा को फू-फा करने पर मजबूर करती है। वह उफनता, फफनता, सिर धुनते रहता है। आखिर वह करें तो क्या करें? जिस घर में उसे पलकों पर बिठाया गया। उसी घर में बैठने के लिए एक ढंग की कुर्सी भी मयस्सर न हो, तो इंसान का भड़कना तो बनता है। चाहे परिवार में शादी-विवाह हो, तो सभी लोग आ जाए एक फूफा के नहीं आने से महफिल कम मसालेदार लगती है। क्योंकि रूठने की जिम्मेदारी फूफा की होती है। हर महफिल को एक फूफा की जरूरत होती है। ताकि बाकी रिश्तेदार शांतिपूर्ण ढंग से एकजुट रह सके।

भले ही फूफा साल में एक बार आता हो और पूरे परिवार का ऑडिट करके जाता हो, लेकिन घर में कदम रखने के साथ ही पहला सवाल यह करना नहीं भूलता है कि 'अरे अब तक यह आपने नहीं बदला' या 'यह आपने बदल दिया?' जैसे पूरे घर का ठेका उनके पास हो। भले ही कोई इस बात को गंभीरता से ले या न ले, लेकिन फूफा यह बात कहता जरूर है। मतलब फूफा बिना नियुक्ति का सरकारी सर्वे अधिकारी होता है, जिसके अधिकार न जाने कब के चले गए होते हैं। बस वह उनके होने के झूठे भ्रम में जीता रहता है। अब जहां इतने दिल में दुख है, वहां इंसान कहने से भी क्यों जाए। अगर आप कोई काम धंधा कर रहे हैं, तो उसमें दो-चार मुफ्त के सलाह तो फूफा बिना मांगे भी दे डालता है। अगर यदि आप बेरोजगार हैं, तो आपको ऐसे देखता है। जैसे आपने उनकी निजी जिंदगी बेकार कर दी। इससे आप उनकी जिम्मेदारी वाली भावना को समझ सकते हैं। शादी-ब्याह में तो फूफा जी घर के सबसे अनुभवी विशेषज्ञ होते हैं, क्योंकि बहुत सारी शादियां उन्होंने निपटाया होता है। हर शादी में सबसे मुख्य दूल्हा और उसके बाद फूफा ही होता है। हर फूफा का व्यवहार ट्रंप के जैसा होता है, जैसे ट्रंप जगत फूफा है। जब तब अपने साले सरहज रूपी सारे अन्य देश पर बिगड़ता रहता है। सारे देशों को धौंस पट्टी देते रहता हैं। वैसे ही फूफा भी ससुराल को धौंसपट्टी देते रहता है। बीच-बीच में बिगड़कर अपनी अहमियत जताने से फूफा बिल्कुल नहीं चूकते हैं। यह अलग बात है कि कोई उनका मनावन बड़े ही बेमन से करता है। फूफा जी वह रिश्तेदार हैं, जो कम बोले तो रहस्यमय, ज्यादा बोले तो समस्या। आए तो चर्चा न आए तो और भी चर्चा, हर हाल में उनका चर्चा होना तय है।

असली सुंदरता
रंग या सांचे में नहीं, आत्म-स्वीकृति में

कृति आरके जैन
बड़वानी (मप्र)

एक लड़की आईने के सामने खड़ी है। समाज कहता है–पतली हो जाओ, गोरी बनो, परफेक्ट बनो, लेकिन वह मुस्कुराती है और कहती है, "मेरा शरीर, मेरे नियम।" यह नारा आज लाखों महिलाओं की आवाज बन चुका है। बॉडी पॉजिटिविटी आंदोलन ने महिलाओं को सिखाया है कि सुंदरता का मतलब सिर्फ एक सांचे में फिट होना नहीं। यह आंदोलन आत्मसम्मान, स्वीकृति और स्वतंत्रता का प्रतीक है। बॉलीवुड की चकाचौंध से लेकर सोशल मीडिया की दुनिया तक, महिलाएं अब अपने शरीर को शर्म की बजाय गर्व का विषय बना रही हैं। भारत में यह आंदोलन तेजी से फैल रहा है, जहां सदियों से महिलाओं के शरीर पर नियंत्रण की कोशिशें हुई हैं। अब समय आ गया है कि हम इस बदलाव को समझें और अपनाएं।

बॉडी पॉजिटिविटी का मूल अर्थ

- बॉडी पॉजिटिविटी का मूल अर्थ है हर प्रकार के शरीर को बिना शर्त स्वीकार करना-चाहे वह दुबला हो, स्थूल, गोरा, सांवला या कोई भी आकार-प्रकार। यह आंदोलन 1960 के दशक में अमेरिका में फैट एक्सेप्टेंस मूवमेंट से शुरू हुआ और सोशल मीडिया ने इसे वैश्विक बनाया। भारत में लंबे समय तक बॉलीवुड और विज्ञापनों ने 'जीरो फिगर' को आदर्श बनाया, जिससे अनगिनत महिलाएं बॉडी इमेज इश्यूज और ईटिंग डिसॉर्डर की शिकार हुईं, लेकिन अब महिलाएं कह रही हैं कि उनका शरीर उनका निजी क्षेत्र है, कोई और तय नहीं करेगा कि वह कैसी दिखेंगी। सोशल मीडिया पर प्लस-साइज इन्फ्लुएंसर्स अपनी अनफिल्टर्ड तस्वीरें शेयर कर रही हैं और लाखों महिलाएं इससे प्रेरित होकर खुद को प्यार करना सीख रही हैं। यह बदलाव सिर्फ दिखावे का नहीं, बल्कि गहरे मानसिक परिवर्तन का है।
- भारत में बॉडी पॉजिटिविटी को नई दिशा और मजबूती देने में सोशल मीडिया की भूमिका बेहद अहम रही है। अनेक महिलाएं अपने डिजिटल मंचों पर बिना झिझक अपनी निजी कहानियां साझा कर रही हैं। वे खुलकर बताती हैं कि बचपन में 'मोटी' या 'काली' जैसे शब्दों से मिले तानों ने उनके मन पर कितने गहरे घाव छोड़े और उस पीड़ा से निकलकर आत्मविश्वास तक पहुंचना कितना कठिन रहा। इसी ईमानदारी ने लाखों महिलाओं को खुद को स्वीकार करने की हिम्मत दी है। फैशन इंडस्ट्री में भी यह बदलाव साफ दिखाई देता है, जहां अब रैंप पर विविध शरीर आकारों की मौजूदगी बढ़ी है। कपड़ों के बाजार में भी सोच बदली है और विस्तृत साइज विकल्प सामने आ रहे हैं। महिलाएं अब साफ शब्दों में कह रही हैं कि वे अपने शरीर के अनुसार कपड़े चाहती हैं, न कि कपड़ों के अनुसार खुद को बदलना। यही सोच उन्हें मानसिक स्वतंत्रता दे रही है, जहां बॉडी शेमिंग का डर धीरे-धीरे कमजोर पड़ रहा है।
- 'मेरा शरीर, मेरे नियम' का नारा केवल वजन या शरीर के आकार तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि यह महिलाओं के समग्र अधिकारों की मुखर अभिव्यक्ति बन चुका है। इसमें अपने कपड़े खुद चुनने की आजादी है, अपने शरीर से जुड़े निर्णय स्वयं लेने का साहस है और प्रजनन से जुड़े फैसलों पर अधिकार की स्पष्ट मांग भी शामिल है। भारतीय समाज में, जहां परिवार और रिश्तेदार अक्सर महिलाओं के शरीर पर टिप्पणी करने या उसे नियंत्रित करने का अधिकार अपने हाथ में समझ लेते हैं, यह नारा एक सशक्त प्रतिरोध की तरह उभरता है। महिलाएं अब ऑनलाइन आलोचनाओं और ट्रोलिंग को चुपचाप सहने के बजाय आत्मविश्वास से जवाब दे रही हैं। डिजिटल मंचों पर शरीर के प्राकृतिक पहलुओं को सामान्य बताने की कोशिशें तेज हुई हैं। मध्य आयु की महिलाएं भी इस सोच से जुड़ रही हैं, जो लंबे समय तक चुप्पी ओढ़े रहीं। इससे नई पीढ़ी तक यह संदेश पहुंच रहा है कि सुंदरता किसी एक ढांचे में नहीं, बल्कि विविधता में अपनी असली पहचान पाती है।
- इस आंदोलन के सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। कई बार बॉडी पॉजिटिविटी को व्यावसायिक ब्रांड केवल प्रचार का साधन बना लेते हैं, जहां असली सामाजिक बदलाव पीछे छूट जाता है। कुछ महिलाएं जब अपनी फिटनेस यात्रा शुरू करती हैं, तो उन्हें ही यह कहकर निशाना बनाया जाता है कि वे आंदोलन की भावना के खिलाफ जा रही हैं। भारत में गोरेपन की क्रीमों, स्लिमिंग उत्पादों और डाइट उद्योग का प्रभाव आज भी गहरा और व्यापक है। इसके बावजूद सकारात्मक परिवर्तन इन बाधाओं से कहीं अधिक मजबूत बनकर उभरा है। स्कूलों और कॉलेजों में अब इस विषय पर खुली चर्चाएं होने लगी हैं। माताएं अपनी बेटियों को यह सिखा रही हैं कि हर शरीर अलग, अनोखा और सुंदर होता है। यह आंदोलन नारीवादी सोच का अहम हिस्सा बन चुका है, जहां महिलाएं अपने शरीर की वास्तविक स्वामिनी बन रही हैं। इसका असर उनके करियर, रिश्तों और पूरे जीवन पर सकारात्मक रूप से दिखाई दे रहा है।

बॉडी पॉजिटिविटी को अपनाने के लिए छोटे-छोटे प्रयास

बॉडी पॉजिटिविटी को जीवन में अपनाने के लिए बड़े प्रयास नहीं, बल्कि छोटे और सच्चे कदम ही पर्याप्त होते हैं। हर सुबह आईने में खुद को देखकर प्रशंसा करना आत्मस्वीकृति की शुरुआत हो सकती है। सोशल मीडिया पर उन्हीं मंचों से जुड़ना जरूरी है, जो सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं। व्यायाम को सजा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और खुशी का माध्यम बनाना चाहिए। दोस्तों और परिवार के साथ शरीर को लेकर खुलकर बातचीत करना भी बेहद जरूरी है। भारत में यह आंदोलन अब महानगरों से निकलकर गांवों तक पहुंच चुका है, जहां महिलाएं अपनी पारंपरिक वेशभूषा में भी पूरा आत्मविश्वास महसूस कर रही हैं। विभिन्न अभियानों के माध्यम से यह सोच और मजबूत हो रही है। महिलाएं यह समझने लगी हैं कि उनका शरीर सम्मान और स्नेह का पात्र है, आलोचना का नहीं। यह परिवर्तन समाज को अधिक समावेशी, संवेदनशील और मानवीय बना रहा है।

'मेरा शरीर, मेरे नियम'

'मेरा शरीर, मेरे नियम' सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि यह एक पूर्ण क्रांति बन चुका है। यह महिलाओं को सदियों से उनके ऊपर थोपे गए शर्म और सामाजिक दबाव से मुक्त कर रहा है। भारतीय समाज में, जहां सौंदर्य के मानक हमेशा सख्त और कठोर रहे हैं, यह आंदोलन अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रभावशाली साबित हो रहा है। हर महिला को यह याद रखना चाहिए कि वास्तविक सुंदरता बाहरी रूप में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मस्वीकृति में निहित होती है। समाज बदल रहा है, लेकिन हमें भी इसमें सक्रिय भूमिका निभानी होगी। अगली बार जब कोई आपके शरीर पर टिप्पणी करे, तो गर्व के साथ कहें- 'मेरा शरीर, मेरे नियम'। यह आंदोलन तब तक चलेगा, जब तक हर महिला खुद को पूरी तरह अपनाने और सम्मान देने के लिए स्वतंत्र न हो जाए। इसमें शामिल होकर, खुद से प्रेम करना और दूसरों को प्रेरित करना न केवल व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि यह समाज में सकारात्मक बदलाव की भी जीत है।

वेडिंग सीजन में साड़ी को दें रॉयल अंदाज

वेडिंग सीजन आते ही साड़ी हर महिला की पहली पसंद बन जाती है। इसकी गरिमा, सौंदर्य और पारंपरिक आकर्षण किसी भी फंक्शन को खास बना देता है, लेकिन जब शादी का मौसम ठंड के दिनों में हो, तो साड़ी पहनना कई बार चुनौती जैसा लगने लगता है। ठंड से बचने के लिए अक्सर महिलाएं साड़ी के साथ स्वेटर या साधारण शॉल ले लेती हैं, जिससे पूरा लुक फीका और बोरिंग हो जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि अगर शॉल को सही और स्टाइलिश तरीके से ड्रेप किया जाए, तो वही शॉल साड़ी के साथ मिलकर लुक को और भी ज्यादा एलीगेंट, रॉयल और फैशनेबल बना सकती है।

आज के समय में फैशन सिर्फ ट्रेंड फॉलो करने का नाम नहीं, बल्कि स्मार्ट स्टाइलिंग का खेल है। साड़ी और शॉल का सही कॉम्बिनेशन आपको ठंड से भी बचाता है और आपके वेडिंग लुक में चार चांद भी लगा देता है। खास बात यह है कि इन स्टाइल्स को अपनाने के लिए किसी एक्सपर्ट की जरूरत नहीं, बल्कि थोड़ी सी समझ और कॉन्फिडेंस ही काफी है। आइए जानते हैं साड़ी के साथ शॉल पहनने के कुछ खूबसूरत, आसान और ट्रेंडी तरीके, जिन्हें अपनाकर आप हर वेडिंग फंक्शन में सबका ध्यान अपनी ओर खींच सकती हैं।

फ्रंट ओपन शॉल ड्रेप स्टाइल

अगर आप चाहती हैं कि आपकी साड़ी भी पूरी तरह नजर आए और ठंड से भी बचाव हो, तो फ्रंट ओपन शॉल ड्रेप स्टाइल आपके लिए परफेक्ट है। इस स्टाइल में शॉल को दोनों कंधों पर हल्के से रखा जाता है और सामने की तरफ खुला छोड़ दिया जाता है। यह तरीका बेहद सिंपल होने के साथ-साथ काफी रॉयल भी लगता है।

खासतौर पर बनारसी, कांजीवरम या सिल्क साड़ी के साथ यह स्टाइल बहुत खूबसूरत दिखाई देता है। फ्रंट ओपन शॉल ड्रेप से साड़ी का पल्लू, बॉर्डर और डिजाइन पूरी तरह नजर आता है, जिससे आपका ट्रेडिशनल लुक बरकरार रहता है। साथ ही यह स्टाइल ज्यादा भारी भी नहीं लगता, इसलिए लंबे फंक्शन में भी आरामदायक रहता है।

ओवरसाइज्ड शॉल केप स्टाइल

अगर ठंड ज्यादा हो और आपके पास बड़ी या हैवी शॉल है, तो उसे केप स्टाइल में ड्रेप करना एक शानदार आइडिया है। इस स्टाइल में शॉल को कंधों पर इस तरह ओढ़ा जाता है कि वह केप या क्लोक जैसा लुक दे। यह लुक बेहद मॉडर्न लगता है और साड़ी को डिजाइनर टच देता है।

ओवरसाइज्ड शॉल केप स्टाइल खासकर रिसेप्शन, सगाई या नाइट वेडिंग फंक्शन के लिए परफेक्ट है। इसके साथ हाई बन, स्लीक बन या ओपन हेयर स्टाइल बेहद खूबसूरत लगते हैं। अगर शॉल पर कढ़ाई या बॉर्डर है, तो यह स्टाइल उसे और भी उभार देता है।

बेल्ट के साथ शॉल ड्रेप

आजकल साड़ी के साथ बेल्ट पहनने का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है और शॉल के साथ यह स्टाइल और भी ज्यादा स्टाइलिश लगता है। इस लुक में शॉल को साड़ी के ऊपर ड्रेप करके कमर पर एक खूबसूरत बेल्ट लगा ली जाती है। इससे न सिर्फ शॉल अपनी जगह पर बनी रहती है, बल्कि पूरा लुक बहुत स्लीक और ग्रेसफुल दिखाई देता है। यह स्टाइल उन महिलाओं के लिए खास है, जो ट्रेडिशनल के साथ मॉडर्न टच पसंद करती हैं। मेटल बेल्ट, एम्बेलिश्ड बेल्ट या फैब्रिक बेल्ट आप साड़ी और शॉल के हिसाब से बेल्ट चुन सकती हैं। शादी या रिसेप्शन में यह लुक आपको सबसे अलग और ट्रेंडी बना देगा।

एक्सेसरी का चुनाव भी है जरूरी

साड़ी के साथ शॉल स्टाइल करते समय शॉल के फैब्रिक और रंग का सही चुनाव बेहद जरूरी है। सिल्क साड़ी के साथ पश्मीना, कश्मीरी या कढ़ाई वाली शॉल शानदार लगती है, वहीं लाइट साड़ी के साथ सॉफ्ट वूलन या स्टॉल अच्छा ऑप्शन होता है। कोशिश करें कि शॉल का रंग साड़ी के कॉम्प्लिमेंट में हो, ताकि पूरा लुक बैलेंस्ड लगे। इसके अलावा एक्सेसरीज भी आपके लुक को पूरा करती हैं। स्टेटमेंट इयररिंग्स, क्लच और सही फुटवियर आपके साड़ी–शॉल लुक को और निखार सकते हैं।

एक कंधे पर क्लासिक ड्रेप स्टाइल

आप सिंपल, लेकिन रॉयल लुक चाहती हैं, तो एक कंधे पर शॉल डालने का क्लासिक स्टाइल कभी आउट ऑफ फैशन नहीं होता। इस ड्रेप में शॉल को एक कंधे पर रखकर सामने या पीछे की तरफ खुला छोड़ दिया जाता है। यह स्टाइल खासकर कश्मीरी या पश्मीना शॉल के साथ बेहद खूबसूरत लगता है। यह तरीका साड़ी को पूरी तरह से उभारता है और आपको ग्रेसफुल फिनिश देता है। ठंड में यह सबसे आरामदायक और भरोसेमंद स्टाइल माना जाता है, जिसे आप दिन के फंक्शन से लेकर रात की शादी तक आसानी से कैरी कर सकती हैं।

ठंड में भी रहें स्टाइलिश और कॉन्फिडेंट

सर्दियों में साड़ी पहनना अब कोई मुश्किल काम नहीं रहा। सही शॉल ड्रेपिंग स्टाइल अपनाकर आप ठंड से भी बच सकती हैं और वेडिंग सीजन में रॉयल व एलिगेंट भी दिख सकती हैं। याद रखें, असली खूबसूरती आपके कॉन्फिडेंस में है। जब आप अपने लुक को आत्मविश्वास के साथ कैरी करती हैं, तो साड़ी और शॉल दोनों ही आपके व्यक्तित्व को निखार देते हैं। इस वेडिंग सीजन, पुराने बोरिंग तरीकों को छोड़कर साड़ी के साथ शॉल के इन ट्रेंडी स्टाइल्स को जरूर ट्राय करें और हर फंक्शन में अपने स्टाइल से सबका दिल जीत लें।

खाना खजाना

दाल पकवान चाट

प्रीतम कोठारी
फूड ब्लॉगर

भारतीय स्ट्रीट फूड का एक अनोखा और लाजवाब प्रयोग है, जो पारंपरिक स्वाद में चटपटा ट्विस्ट जोड़ देता है। जहां दाल पकवान आमतौर पर सादगी से खाया जाता है, वहीं चाट के रूप में यह और भी ज्यादा मजेदार हो जाता है। कुरकुरा पकवान, मसालेदार दाल, मीठी–तीखी चटनियां, ताजी सब्जियां और सेव की करारी परत– हर बाइट में स्वाद का धमाका होता है। यह चाट न सिर्फ झटपट बनती है, बल्कि मेहमानों और परिवार सभी को खूब पसंद आती है। चाट प्रेमियों के लिए यह एक परफेक्ट रेसिपी है, जिसे एक बार जरूर आजमाना चाहिए।

सामग्री

अध पकवान के लिए

- आटा या मैदा 250 ग्राम
- नमक स्वादानुसार
- एक छोटी चम्मच जीरा
- तलने के लिए तेल
- चने की दाल उबली हुई
- मीठी चटनी
- हरी चटनी
- हरा धनिया
- अनार के दाने
- चाट मसाला
- हरी मिर्च छोंकी हुई
- बारीक कटे टमाटर
- बारीक कटी प्याज
- बारीक भेल वाली सेव

बनाने की विधि

सबसे पहले आप आटे में नमक, जीरा और 1 चम्मच तेल डालकर डालकर टाइट आटा गूंथ ले। 10 मिनट रखें। अब लोई बनाकर रोटी जितना बेल लें। काटे की सहायता से छेदकर लें। कड़ाही में तेल गर्म करके मध्यम आंच पर कड़क होने तक तल लें। ऐसे ही सारे पकवान बना कर रख लें। अब उबली चने की दाल में नमक व लाल मिर्च मिलाएं। जीरे और लाल मिर्च का तड़का लगा लें। दाल को गाढ़ा रखना है। अब एक पकवान लेकर दाल फैलाएं। उस पर टमाटर, प्याज, हरी मिर्च फैलाए। चाट मसाला डालें। अब मीठी व हरी चटनी फैलाएं। हरा धनिया डालें। बारीक सेव डालकर अनार से सजाएं। आपके दाल पकवान चाट तैयार है।

न्यूज ब्रीफ

झुलसी महिला की मौत, बच्चे बेहाल

संतकबीरनगर, अमृत विचार। दुधारा थाना क्षेत्र के ऊंचहरा कला गांव में शुक्रवार को चूल्हे पर खाना बनाते समय आग की चपेट में आकर झुलसी एक महिला की इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पोस्टमार्टम हाउस पर महिलाओं के करुण क्रंदन से माहौल गमगीन हो उठा। ऊंचहरा कला गांव निवासी रामशब्द की 36 वर्षीय पत्नी सीमा शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे घर में चूल्हे पर लकड़ी से भोजन बना रही थीं। इसी दौरान अचानक चूल्हे की आग ने उनके कपड़ों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था। आग की लपटों में घिरी सीमा जब चीखते हुए घर से बाहर निकलीं तो आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाई, लेकिन तब तक वह गंभीर रूप से झुलस चुकी थीं। बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

विवाह योग्य आयु का उल्लंघन होने मात्र से विवाह स्वतः अमान्य नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रेम विवाह करने वाले युगल को दी राहत

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रेम विवाह करने वाले युगल को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा प्रदान करते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त अधिकार विवाह की वैधता या अवैधता पर निर्भर नहीं करते। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भले ही विवाह को लेकर कानूनी विवाद या आयु संबंधी प्रश्न हों, फिर भी किसी व्यक्ति की जान और स्वतंत्रता को खतरे में नहीं डाला जा सकता है। ऐसे मामलों में कोर्ट का प्राथमिक दायित्व याचियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, न कि विवाह की वैधता का अंतिम निर्धारण करना।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकल पीठ ने स्मृति वर्षा और उनके पति द्वारा दाखिल संरक्षण याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया। दरअसल याचियों ने 28 अक्टूबर 2025 को आर्य समाज, बरेली में स्वेच्छा से विवाह किया, लेकिन युवती के पिता की ओर से उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। युवक 20 वर्ष का है और हिंदू विवाह अधिनियम के तहत वह विवाह योग्य आयु पूरी नहीं करता है। सरकारी अधिवक्ता ने विवाह को शून्य या शून्यकरणीय बताकर याचिका खारिज करने की मांग करते हुए तर्क दिया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत यह विवाह मान्य नहीं है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों पर भरोसा करते हुए माना कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत हर वह विवाह, जिसमें पक्षकार विवाह योग्य आयु से कम है, अपने आप शून्य नहीं हो जाता। धारा 12 के तहत विवाह तभी शून्य माना जा सकता है, जब नाबालिग को बहला-फुसलाकर या जबरन अभिभावक की अभिरक्षा से ले जाकर विवाह किया गया हो या विवाह के उद्देश्यों का आधार धोखाधड़ी और अनैतिक हो। इन्हीं तथ्यों के आधार पर कोर्ट ने याचियों को साथ रहने की स्वतंत्रता दी और निर्देश दिया कि कोई भी व्यक्ति उनके शांतिपूर्ण दांपत्य जीवन में हस्तक्षेप नहीं करेगा। किसी भी खतरे की स्थिति में पुलिस को तत्काल सुरक्षा उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया, साथ ही याचियों को दो माह के भीतर विवाह पंजीकरण कराने का निर्देश दिया गया, अन्यथा संरक्षण स्वतः समाप्त हो जाएगा।

बी-पैक्स में 16.02 लाख रुपये का उर्वरक घोटाला, पूर्व प्रभारी सचिव के खिलाफ केस

संतकबीरनगर, अमृत विचार। बघौली ब्लॉक की दो सहकारी समितियों में सरकारी उर्वरक घोटाले का गंभीर मामला सामने आया है। शनिवार को एडीओ (सहकारिता) जनार्दन यादव की तहरीर पर बखिरा थाना पुलिस ने बी-पैक्स बौरब्यास एवं बी-पैक्स सिंघोरवा के पूर्व प्रभारी सचिव के खिलाफ 16 लाख दो हजार 892 रुपये के गबन का मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि गोरखपुर जनपद के गुल्टही गांव निवासी कृष्ण प्रताप सिंह ने प्रभारी सचिव रहते हुए आरकेवीवाई योजना के तहत प्राप्त उर्वरक की बिक्री के बाद उसकी धनराशि जमा नहीं की। बी-पैक्स बौरब्यास में 9,45,901 रुपये तथा बी-पैक्स सिंघोरवा में 6,56,991 रुपये का गबन किया गया। इतना ही नहीं, गबन को छिपाने के उद्देश्य से उर्वरक स्टॉक रजिस्टर, वितरण रजिस्टर, कैश बुक, कार्यवाही रजिस्टर व बैंक पासबुक जैसे महत्वपूर्ण अभिलेख भी गायब कर दिए गए। थानाध्यक्ष सतीश सिंह ने बताया कि मामले की विवेचना की जा रही है।

lemon tree HOTELS **TENDER NOTICE**

·Sealed quotations are invited from eligible vendors for the supply of the following items under an Annual Rate Contract from 01-April, 2026- 31-March-2027, for Lemon Tree Hotel, Lucknow(a unit of Grand City Hospitality Private Limited Shaheed Path, Lucknow).

List of Items:

1.Charcoal
2.Fuel Gel
3.Poultry Products
4.Dairy Products, Cheese (Local & Imported)
5.Frozen Meat Products
6.Grocery Products (Pulses, Spices, Flour & Rice) &Organic Grocery
7.LMP Thai & Tin Products
8.Mutton Products
9.Seafood Products (Fresh & Frozen)
10.Sweets & Snacks
11.Vegetables & Fruits (English & Local, Microgreens & Edible Flowers)
12.Eggs (Regular)
13.Bakery Ready-to-Eat Products
14.General Stationery
15.Cleaning Items
16.Garbage Bags
17.Laundry Services (Linen & Uniform)
18.Marble Polish
19.Pest Control Services
20.Facade Cleaning
21.Horticulture Services
22.Manpower Supply Agencies
23.Packaging Materials

Tender Documents & Submission:

·Specifications and tender forms for each item can be obtained from the **Materials Department** at **Lemon Tree Hotel, Lucknow** (a unit of Grand City Hospitality Private Limited, Shaheed Path, Lucknow).
·Documents will be available from **February 1-2026, to Feb 25 - 2026**, on any working day, upon cash payment of **₹1,000 per set** (non-refundable).
·All applicants must comply with the **FSSAI Act, Rules & Regulations**.
·Copies of the FSSAI License & GST Registration must be attached with the tender application.
·MSME Certificate
·Sealed tenders must be submitted **by March 1, 2026, till 17:00 hrs**, addressed to the **Purchase Department**.

Important Note:

The management reserves the right to accept or reject any tender, in part or whole, without assigning any reason.

For further details, please contact:
Lemon Tree Hotel, Lucknow
9151788848, 6390003060, 63900 03360

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदा वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है। **निविदा सं.: वमंविइ–टीआरडी–लजं–ओटी–193; कार्य का विवरण:** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में सहजनवा स्टेशन पर BV रिवर्सल साइडिंग के साथ दो गुड्स स्टेबलिंग लाइनों का इलेक्ट्रिफिकेशन; **ई–निविदा बन्द होने की तिथि व समय:** 10.03.2026 को 15:00 बजे; **ई–निविदा खुलने की तिथि व समय:** 10.03.2026 को 15:30 बजे; **अनुमानित लागत:** ₹2,42,87,688.17; **बयाना राशि:** ₹2,71,400/-; **निविदा मूल्य:** ₹ 0.00; **कार्य सम्पादन की अवधि:** 09 माह; **नोट: 1.** इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल ऑफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। **2.** विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** को देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी
मुजाधि/विद्युत–271 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्या : NER-BSB0SnT-OT-02-2026

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग एवं दूरसंचार/पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ''खुली ई-निविदा'' आमंत्रित की जाती है।

क्रमांक : 1, निविदा सूचना सं. एवं कार्य का नाम : NER-BSB0SnT-OT-02-2026 : कार्य का नाम : बनारस (एक्स)-प्रयागराज रामबाग और औनिहार-जौनपुर (16 स्टेशन) के बीच इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम (क्योसन) की नेटवर्किंग सेंट्रलाइज्ड मेंटेनेंस और डायग्नोसिस के लिए, साथ ही VDU के लिए पावर सप्लाई व्यवस्था के TAN कंप्लायंस का कार्य, **अनुमानित लागत :** रु. 2,22,03,738.36, **बयाना की राशि :** रु. 2,61,000.00, **निविदा प्रपत्र की कीमत :** रु. 00.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 06 माह, **निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय :** 23.02.2026 को 15:00 बजे।

1. ई-निविदा दिनांक 23.02.2026 को 15:00 बजे तक आनलाईन जमा किया जा सकेगा। **2.** पूर्ण विवरण की जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाईट i.e. www.ireps.gov.in देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग एवं दूरसंचार
मुजाधि/सिगनल-93 पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

हमेशा खुश रहने का करना चाहिए प्रयास

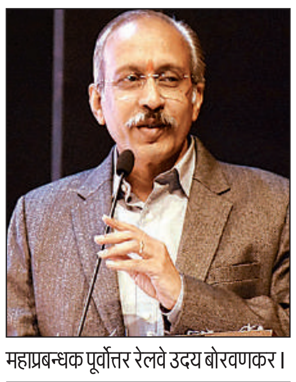

महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर।

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर के मुख्य अतिथ्य में ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय के तत्त्वावधान में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत हेल्दी लाइफ-हैप्पी लाइफ विषय पर कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर बत्रा हॉस्पिटल, दिल्ली के प्रख्यात कार्डियोलोजिस्ट डॉ. संजीव शर्मा, प्रमुख विभागाध्यक्ष, चिकित्सक, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में महाप्रबंधक ने कहा कि हमें सुबह की शुरूआत पॉजिटिव होकर करना चाहिए। सभी हमेशा खुश रहे और सकारात्मक सोच रखे, इससे जीवन में खुशी आती है। हमेशा खुश होकर किसी काम को करना चाहिए तथा सेलिब्रेट करना चाहिए। मन में बहुत सारे विचार आते है, उसे नियंत्रित रखना चाहिए। प्रसन्नता नेचुरल गिफ्ट है उसे इंसान को बनाये रखना चाहिए, जो नई पीढ़ी आ रही है, उन्हे प्रसन्नचित्त रहना चाहिए और उसे मेन्टेन रखना चाहिए। महाप्रबंधक ने हेल्दी लाइफ-हैप्पी लाइफ विषय पर कहा कि हमे एक स्वस्थ्य जीवन शैली को अपनाना चाहिए। शरीर में सॉल्ट, सुगर, खान-पान आदि का संतुलन बनाये रखना चाहिए। इससे पूर्व, बत्रा हॉस्पिटल, दिल्ली के कार्डियोलोजिस्ट डॉ0 संजीव शर्मा ने पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से हेल्दी लाइफ-हैप्पी लाइफ विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने ब्लड प्रेशर, हाईपर टेंशन, डायबीटिज, हृदय घात जैसे प्रमुख बिमारियों पर प्रकाश डाला तथा फिजिकल हेल्थ, मेंटल हेल्थ के बारे में भी चर्चा की और कहा कि हम अपनी दिनचर्या में बदलाव कर जीवन को खुशहाल बना सकते है।

आशा सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सिद्धार्थनगर महोत्सव 2026 के चौथे दिन आशा सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आशा सम्मेलन कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 रजत कुमार चौरसिया एवं सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर तथा मॉ सरस्वती एवं महात्मा बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। जिलाधिकारी ने आशा एवं आशा संगिनी को सम्बोधित करते हुये कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का ढांचा जब बना था तब ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य व्यवस्था ठीक नहीं थी। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया गया।

कवच प्रणाली के इंस्टॉलेशन का निरीक्षण किया

नई दिल्ली, अमृत विचार। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने तुगलकाबाद जंक्शन केबिन (दिल्ली क्षेत्र) और पलवल सेक्शन पर स्वदेशी कवच प्रणाली (ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम) के इंस्टॉलेशन का निरीक्षण किया। चार लाइन वाले इस सेक्शन में 152 मेन लाइन ट्रैक किलोमीटर हैं। उत्तर रेलवे ने इस कॉरिडोर के पूरे हिस्से में कवच प्रणाली लगाई है, जिसके अंतर्गत प्रमुख स्टेशन यार्ड, ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम वाली दो मेन लाइनें और एब्सोल्यूट ब्लॉक सिग्नलिंग वाली दो लाइनें शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान कवच प्रणाली से जुड़े पांच टेस्ट किए गए। सिग्नल पासिंग एट डेंजर टेस्ट लोको पायलट ने कवच को टेस्ट करने के लिए रेड सिग्नल पार करने की कोशिश की, कवच सिस्टम ने सिग्नल से पहले ही लोको को रोक दिया।

सूचना

मुझे सूचित करना है कि मैं अमानुल्लाह खान निवासी न्यू हैदराबाद लखनऊ मेरी दुकान नं.8/2 – 8/12 Lda मार्केट सेक्टर जी अलीगंज लखनऊ की दोनों दुकानों का लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा आवंटन पत्र/अलॉटमेंट लेटर कही खो गया है , ये आवंटन लखनऊ विकास प्राधिकरण ने कृष्ण बिहारी के पक्ष में किया था ।8/2 का 20/9/1988 को और 8/12 का 26/9/1997 को ।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **20.02.2026** को **15:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे यदि कोई मैनुअल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या	00152026 दिनांक 30.01.2026
2	निविदा संख्या	36-SrDEN-I-LKO-2025-26
3	**कार्य का नाम :** वरि0 खण्ड अभियन्ता/कार्य/आलमबाग–पूर्व लखनऊ के खण्ड में एसआईओ कार्यालय डीजल शेड के सामने 05 कमरों के साथ नए शेड का निर्माण और डीजल शेड आलमबाग लखनऊ में शेड विस्तार के साथ बोगी अनुभाग और उप–असेंबली के एपॉक्सी फ़्लोरिंग का कार्य।	
4	अनुमानित लागत	रु० 7,94,66,511.54
5	धरोहर राशि	रु० 5,47,300.00
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से बारह माह
7	निविदा डालने की प्रारंभ तिथि	06.02.2026
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	20.02.2026 15:00 बजे
9	वेबसाइट	www.ireps.gov.in

नोट :– निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 349/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नृत्य-नाटिका ने जगाई सामाजिक चेतना

संतकबीरनगर, अमृत विचार। मगहर महोत्सव के चौथे दिन शनिवार को नव अंशिका फाउंडेशन के बैनर तले एक प्रभावशाली और संदेशात्मक नृत्य–नाटिका "गंगा अवतरण" का मंचन किया गया। फाउंडेशन की अध्यक्षा एवं लखनऊ की प्रतिष्ठित समाजसेविका नीशू त्यागी के नेतृत्व में प्रस्तुत इस नाट्य–प्रस्तुति ने कला के माध्यम से समाज को जागरूक करने का सराहनीय प्रयास किया। नीशू त्यागी के निर्देशन में नव अंशिका फाउंडेशन की टीम ने सामाजिक सरोकारों से ओत–प्रोत इस नृत्य–नाटिका को मंच पर जीवंत कर दिया। "गंगा अवतरण" की परिकल्पना नीशू त्यागी एवं नृत्य निर्देशन अंशिका त्यागी द्वारा किया गया, जिसे दर्शकों के साथ–साथ कार्यक्रम में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों ने भी खूब सराहा। प्रस्तुति के माध्यम से समाज में जागरूकता, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक मूल्यों का सशक्त संदेश दिया गया।

निर्माणाधीन सड़क उपरिगामी पुल पर बो स्टींग गर्डर के इरेक्शन का कार्य पूरा

गोरखपुर, अमृत विचार। भारतीय रेल पर संरक्षा कार्य सवोच्च प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। गाड़ियों के निर्वाध संचलन एवं सड़क संरक्षा को ध्यान में रखकर समपारों को चरणबद्ध रूप में रोड ओवर ब्रिज/सीमित ऊंचाई के सब–वे बनाकर समाप्त किया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर द्वारा सड़क संरक्षा कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग एवं मार्गदर्शन के फलस्वरूप गोरखपुर–आनन्दनगर खण्ड पर नकहा जंगल–मानीराम स्टेशनों के मध्य समपार संख्या 5 ए पर निर्माणाधीन सड़क उपरिगामी पुल पर 72 मीटर लम्बा बो स्टींग गर्डर के इरेक्शन का कार्य बीते शुक्रवार को पूर्ण हुआ। दो लेन के निर्माणाधीन सड़क उपरिगामी पुल पर 72 मीटर लम्बे बो स्टींग गर्डर के इरेक्शन का महत्वपूर्ण कार्य इंजीनियरिंग, परिचालन विभाग के साथ ही लखनऊ मंडल की टीम में बेहतर तालमेल एवं समन्वयन से पूर्ण हुआ। 05 एवं 06 फरवरी, 2026 को इस कार्य का अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन की टीम द्वारा निरीक्षण किया जायेगा। तत्पश्चात सड़क उपरिगामी पुल के बो स्टींग गर्डर के लांचिंग का कार्य फरवरी, 2026 में सम्पन्न होगा। इस परियोजना के पूरा हो जाने पर चारों लेन सड़क उपयोगकर्ताओं को मिल जाएंगी, जिसका लाभ सभी को मिलेगा।

दुधारा क्षेत्र में राजगीर ने की सुसाइड, लटका मिला शव

संतकबीरनगर, अमृत विचार। दुधारा थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर शाम राजगीर ने कमरे में पंखे से लटककर सुसाइड कर ली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच–पड़ताल की। बत्सी–बत्सा गांव निवासी रमेश (24) पुत्र रामलखन पेशे से राजगीर था। परिजनों के मुताबिक, शुक्रवार की शाम रमेश घर आया और कमरे में चला गया। काफी देर तक बाहर न आने पर जब परिजनों ने आवाज लगाई और कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो दरवाजा खोलकर देखा गया। अंदर रमेश बहन के दुपट्टे के सहारे पंखे से फंदा लगाए लटका मिला। परिजन रमेश को फंदे से उतारकर सीएचसी सेमरियावां लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

भारत और नेपाल का संबंध सभ्यतागत और आध्यात्मिक : प्रोफेसर कविता शाह

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। भारत और नेपाल के बीच साझा बौद्ध विरासत को वैश्विक कूटनीति, क्षेत्रीय सहयोग और शांति स्थापना के सशक्त माध्यम के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से ग्लोबल डिप्लोमेसी एंड रीजनल कोऑपरेशन इंडिया–नेपाल पार्टनरशिप इन बुद्धिस्ट हेरिटेज विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 30–31 जनवरी 2026 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, मैक्स मुलर मार्ग, नई दिल्ली में किया गया। सेमिनार का उद्घाटन सत्र 30 जनवरी को संपन्न हुआ।

इस अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन साउथ एशिया फाउंडेशन–नेपाल, लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय (नेपाल), सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश तथा मालवीय सेंटर फॉर पीस एंड कंफ्लिक्ट रिसर्च, जामिया मिलिया इस्लामिया के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु की कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने कहा कि भारत और नेपाल का संबंध केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सभ्यतागत और आध्यात्मिक है, जिसकी जड़ें भगवान बुद्ध के जीवन और शिक्षाओं में निहित हैं। उन्होंने कहा कि करुणा, अहिंसा और मध्यम मार्ग के सिद्धांत आज के वैश्विक संकटों के समाधान का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

उर्वरक रेकों की तेज व सुचारु आवाजाही से समय पर आपूर्ति

नई दिल्ली, अमृत विचार। किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहा है। इसी दिशा में खरीफ और रबी 2025 के दौरान रेल मंत्रालय और उर्वरक विभाग के बीच बेहतर तालमेल का असर जमीनी स्तर पर साफ तौर पर देखने को मिला। उर्वरक रेकों की तेज और सुचारु आवाजाही से राज्यों तक समय पर आपूर्ति की गई, जिससे खेती के अहम दौर में किसानों को किसी भी प्रकार की कमी का सामना नहीं करना पड़ा। उर्वरक विभाग ने कहा कि रेलवे मंत्रालय से मिल इस सहयोग की वजह से हम देश के हर कोने तक पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने में सफल हो सके। विभाग का मानना है इस अभूतपूर्व समन्वय की वजह से खाद्य सुरक्षा को लेकर भारत सरकार का संकल्प नई ऊंचाई पर पहुंचा है। इस उपलब्धि का आकलन इस बात से लगाया जा सकता है कि जुलाई 2025 में औसतन 72 रेक प्रतिदिन की लोडिंग हुई, जो अगस्त में 78 और सितंबर में बढ़कर 80 रेक प्रतिदिन तक पहुंच गई।

आयोजन दो दिवसीय सेमिनार में विशेषज्ञों ने सोशल मीडिया के प्रभाव को लेकर किया सतर्क

डिजिटल लोकतंत्र में इको चैंबर से सावधान रहना जरूरी

सेमिनार में अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट करते आयोजक। अमृत विचार

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। दक्षिण एशिया में लोकतंत्र, गहरता संकट और भारत की भूमिका : चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन शनिवार को समापन सत्र में प्रोफेसर हर्ष कुमार सिन्हा मुख्य अतिथि, प्रोफेसर विनोद सिंह विशिष्ट अतिथि, रक्षा एवं स्ट्रैटेजिक विभाग गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ने अपने विचार रखें।

प्रोफेसर विनोद सिंह ने लोकतंत्र के चार स्तंभों को व्याख्यायित करते हुए बताया कि दक्षिण एशिया में संस्थात्मक स्तर पर विधायिका कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के साथ मीडिया में भी लोकतांत्रिक संकट की स्थिति मौजूद रही है। प्रोफेसर हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि दक्षिण एशिया के देशों में जिस डिजिटल लोकतंत्र की बात की जाती है, उसके दुष्प्रभाव यह रहे कि चलती फिरती लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था अचानक ढह जाती है। नेपाल और श्रीलंका में सरकारों का अचानक युवा उन्माद से गिरना या बदलना लोकतंत्र का कोई नया आगाज नहीं है बल्कि यह सोशल मीडिया द्वारा सृजित ईको चैंबर की परिणाम है, इसमें एक जैसी सोच को लोग पसंद करते हैं और इस रील और पोस्ट को देखते हुए गुलाम बन जाते हैं, हम अपनी ही बात बोलते हैं और हम ही सुनते हैं, कोई दूसरा निष्पक्षता पूर्वक विश्लेषण करने की क्षमता नहीं रख पाता। सोशल मीडिया के दुरुपयोग का ही परिणाम था कि बांग्लादेश में जो व्यवस्था चल रही थी उसमें युवा उन्माद ने सत्ता को बेदखल कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं प्रोफेसर सतीश द्विवेदी ने सभी का आभार व्यापित करते हुए कहा कि भारत की जड़ों में लोकतंत्र है, यही कारण है कि सोशल मीडिया से उपजा उन्माद कभी भारत में उग्र आंदोलन नहीं कर सका।

उद्घाटन सत्र में यह अतिथि रहे शामिल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। दक्षिण एशिया में लोकतंत्र पर गहराता संकट और भारत की भूमिका: चुनौतियां एवं संभावनाएं, विषय पर चंद्रावती नर्सिंग कॉलेज, पकड़ी, गोरखपुर रोड में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रक्षा मामलों के विशेषज्ञ दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यापक डॉक्टर संजीव श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से डॉ रवि रमेश चंद्र शुक्ला, विशिष्ट अतिथि की भूमिका में डॉ पुनीत गौड़ भारतीय वैश्विक परिषद ने दक्षिण एशिया में लोकतंत्र की समस्या पर अपना अमूल्य विचार प्रस्तुत किया।

लखनऊ नगर निगम

टी0एन0 मार्ग, लालबाग, लखनऊ, ई–मेल: nnlko@up.nic.in, वेबसाइट: http://lmc.up.nic.in

नगर निगम जोन-7 कार्यालय में प्राप्त नाम परिवर्तन सम्बन्धी आवेदन पत्रों पर नियमानुसार नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 213(बी-2) की नोटिस जारी की जा चुकी हैं जिसमें निम्न विवरण के अनुसार नाम परिवर्तन प्रस्तावित है, यदि विवरण में अंकित नाम परिवर्तन के संबंध में कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 20 दिवस के अंदर अपनी आपत्ति साक्ष्यों सहित जोन-7 कार्यालय में प्रस्तुत कर दें, आपत्ति प्राप्त न होने पर नाम परिवर्तन की कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

नाम परिवर्तन, जोन–7

क्र. सं.	भवन संख्या व मोहल्ला	दर्ज भवन स्वामी का नाम	जिसके नाम दर्ज होना है	नाम परिवर्तन का आधार
	वार्डः शंकरपुरवा द्वितीय			
1	655ए/3/पी-030(के-1125) आदिलनगर	नहीद अखतर	कहकशा बानों	विक्रय विलेख के आधार
	वार्डः लोहियानगर			
2	6/950ए विकासनगर	श्री आदित्य कुमार श्रीवास्तव	मोहम्मद शरीक	विक्रय विलेख के आधार
3	2/091 विकासनगर	श्री श्याम ठाकुर	श्री शिखर सिंह ठाकुर व सुमेधा	मृत्यु के आधार
	वार्डः बाबूजगजीवनराम			
4	11/1057 सेक्टर-11 इन्दिरानगर	श्री त्रिभुवन दास	फरहाना	विक्रय विलेख के आधार
5	16/0348 इन्दिरानगर	श्री विनय कटियार	श्रीमती बीना सिंह	विक्रय विलेख के आधार
	वार्डः लालबहादुरशास्त्री प्रथम			
6	24/505 कल्यान अपार्टमेन्ट	श्री नितिन दीक्षित	श्रीमती अंजली सिंह	विक्रय विलेख के आधार
	वार्डः शंकरपुरवा तृतीय			
7	8/0784 विकासनगर	अरशद नईम	हुसना खातून व आयशा खातून	वसीयत
8	529सी/जी पी-031 विकासनगर	श्री अशोक कुमार पाण्डेय	श्री रामनरेश पाण्डेय	विक्रय विलेख के आधार
9	13/029 विकासनगर	श्री हरि सिंह रावत	श्री सिद्वार्थ जोशी	विक्रय विलेख के आधार
	वार्डः इस्माइलगंज प्रथम			
10	631/030 गुरूभारतीपुरम	श्री राबिन जैन	श्री सोमेन्द्र शेखर व अनीता	विक्रय विलेख के आधार
	वार्डः इस्माइलगंज द्वितीय			
11	632/पी-20(के एच-21) विमलनगर	श्री राजेश्वर कुमार ओझा	श्री प्रवीन कुमार श्रीवास्तव व तृप्ति श्रीवास्तव	विक्रय विलेख के आधार
12	633/जी/के एच-1261/687(पी-27ए) गोयला	राको एग्रोकेम प्रा0लि0	श्री सुधीर कुमार रमन प्रोपराइटर रोटेकस कन्टोल	विक्रय विलेख के आधार
13	633/फ्लैट-2 एफ/एफ-4 टी एच- हाइवे हाइटस गनेशपुर	हाइवे हाइटस अपार्टमेन्ट	श्रीमती डिम्पल राजीव शर्मा	विक्रय विलेख के आधार
	वार्डः शहीदभगत सिंह प्रथम			
14	636/228 तकरोही बाजार	श्री मेंवा लाल	श्री राजेन्द्र प्रसाद व राकेश कुमार व दिनेश कुमार यादव	मृत्यु के आधार
15	वुडस/फ्लैट-एस एफ-ए-208 नौबस्ता कला	श्री हेमन्त सिंह	श्री मयूर गुप्ता व वैशाली गुप्ता	विक्रय विलेख के आधार
16	636/08 तकरोही बाजार	श्री अनिरूद्व कुमार निगम	वेदायु कांस्टक्टर प्रा0लि0डायरेक्टर घूरा देवी	विक्रय विलेख के आधार
17	634जी/प्लाट-ए-11(के एच-340) तकरोही	श्रीमती नीलम देवी	श्रीमती भावना गुप्ता	विक्रय विलेख के आधार
18	636/049सी सी गोमती बिहार	श्री राम बिरेश व दिनेश	श्रीमती गीता यादव	विक्रय विलेख के आधार
	वार्डः इन्दिरानगर			
19	12/757 से0-12 इन्दिरानगर	श्री राजेन्द्र कुमार कनौजिया	श्रीमती नीलम सोनी व कपिल सोनी	विक्रय विलेख के आधार
20	सी-2362 इन्दिरानगर	श्री आदेश कुमार गुप्ता	श्रीमती नेहा त्रिवेदी व अमित सिंह चौहान	विक्रय विलेख के आधार
21	13/334 इन्दिरानगर	श्री ए के राय	श्रीमती सुप्रीति राय मंयक राय	मृत्यु के आधार
22	डी-3199 इन्दिरानगर	श्री ए एल भाटिया	श्री अशोक भाटिया	मृत्यु के आधार
	वार्डः शंकरपुरवा प्रथम			
23	529डी/2/680 कल्यानपुर	श्री गोविन्द सिंह	श्री राजकुमार व लज्जावती, वन्दना, निश सिंह	मृत्यु के आधार
	वार्डः इन्दिराप्रियदर्शिनी			
24	638/001/7 बी शिवाजीपुरम	श्री पुरूषोत्तम कुमार तिवारी	श्री गौरव श्रीवास्तव	विक्रय विलेख के आधार
	वार्डः मैथिलीशरण गुप्त			
25	शाप न0-004- सी सी इन्दिरानगर	मोहम्मद हनीफ	श्री राजेन्द्र केसरवानी	विक्रय विलेख के आधार
26	ए-1194 इन्दिरानगर	श्री के बी राय	श्रीमती भावना सिंह	विक्रय विलेख के आधार
27	सी-1440 इन्दिरानगर	श्रीमती संगीता सिंह व जुनीता कौशल	श्री वकील सिंह व पवन कुमारी	विक्रय विलेख के आधार

जोनल अधिकारी, नगर निगम, लखनऊ

जो कुझ साडे अंदर वस्से
ज़ात असाडी सोई
जिस दे नाल मैं न्योंह
लगाया ओही जैसी होई

बुल्ले शाह कहते हैं, जो हमारे अंदर बस रहा है, अब तो वही हमारी जात है। अब तो हालत यह है कि जिसके साथ हमने प्रेम किया है, हम उसी जैसे हो गए हैं।

वर्तमान हमारे अतीत का ही विस्तार है

गांधी जी जीवित होते तो आज 156 साल के होते। दो दिन पहले उनकी पुण्यतिथि थी। वे बहुत गहराई से याद किए गए। उन्होंने विश्व इतिहास में हस्तक्षेप किया और काल की अखंड सत्ता को प्रभावित किया। काल है भी अखंड सत्ता। सारी घटनाएं समय के भीतर होती हैं। अथर्ववेद (19.53-54) में भृगु कहते हैं, 'काल-अश्व विश्व-रथ का संवाहक है। काल ही पिता है, वही आगे पुत्र होता है। काल में प्राण हैं, मन हैं, सारे नाम हैं, काल की अनुकूलता ही आनंद है। काल स्वयंभू है। काल के द्वारा ही भूत और भविष्य पैदा हुए हैं आदि आदि।' समय पकड़ में नहीं आता। घटनाएं घटती हैं, घटना अतीत है। अतीत की घटनाओं का यथातथ्य संकलन इतिहास है। प्राचीन राष्ट्र की घटनाएं करोड़ों की संख्या में होती हैं।

भारत ऐसा ही राष्ट्र है। मूलभूत प्रश्न है कि घटनाओं के संकलन में संकलनकर्ता की रुचि क्या है? रुचि क्यों है? कुछेक विद्वान युद्ध प्रिय होते हैं, वे युद्धों का इतिवृत्त संकलित करते हैं। कुछ विद्वान प्रकृति प्रेमी होते हैं, वे प्राकृतिक परिवर्तनों के संकलन को इतिवृत्त का विषय बनाते हैं। मार्क्सवाद सोच के विद्वान उत्पादन पद्धति की विवरणी का संकलन करते हैं। इतिहास अतीत का दर्पण होता है, लेकिन इतिहास लेखन या संकलन की कोई भी शैली प्राचीन समाज या राष्ट्र का संपूर्ण विवरण नहीं हो सकती। जैसे समुद्री लहरों की गणना असंभव होती है, वैसे ही इतिहास संकलन का काम भी बड़ा जटिल है, इसलिए इतिहास का रूप स्वरूप और इतिहास खोजना बहुत कठिन काम है।

> भारत में 'इतिहास के इतिहास' पर बहसें चलती हैं। यूरोपीय विद्वान भारत पर इतिहास की उपेक्षा का आरोप लगाते हैं। मैक्समूलर ने लिखा, 'हिंदू दार्शनिकों की एक जाति थी। उनका संघर्ष विचारों का संघर्ष था। उनका अतीत सृष्टि की समस्या थी, उनका भविष्य अस्तित्व का प्रश्न था। यह कहना सही है कि विश्व के राजनीतिक इतिहास में भारत का कोई स्थान नहीं है।' मैक्समूलर को वैदिक और पौराणिक सहित प्राचीन इतिहास में राज्यव्यवस्था नहीं दिखाई पड़ती।

भारत में 'इतिहास के इतिहास' पर बहसें चलती हैं। यूरोपीय विद्वान भारत पर इतिहास की उपेक्षा का आरोप लगाते हैं। मैक्समूलर ने लिखा, 'हिंदू दार्शनिकों की एक जाति थी। उनका संघर्ष विचारों का संघर्ष था। उनका अतीत सृष्टि की समस्या थी, उनका भविष्य अस्तित्व का प्रश्न था। यह कहना सही है कि विश्व के राजनीतिक इतिहास में भारत का कोई स्थान नहीं है।' मैक्समूलर को वैदिक और पौराणिक सहित प्राचीन इतिहास में राज्य व्यवस्था नहीं दिखाई पड़ती। एलफिंसटन को सिकंदर के हमले के पूर्व किसी भी घटना का निश्चित समय नहीं दिखाई पड़ता। उन्होंने 1839 में लिखा, 'भारतीय इतिहास में सिकंदर के आक्रमण के पूर्व किसी सार्वजनिक घटना की तिथि निश्चित नहीं की जा सकती है।' विटरनिट्ज यहां काव्य, नायकत्व और इतिहास का घालमेल देखते हैं। अलबरूनी के आरोप ज्यादा सख्त है कि 'हिंदू चीजों (घटनाओं) के ऐतिहासिक क्रम पर अधिक ध्यान नहीं देते। वे अपने सम्राटों के काल क्रमानुसार उत्तराधिकार के वर्णन में लापरवाह हैं।'

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

गांधीजी को यह सब खासा बुरा लगा था। राष्ट्रबोध की वास्तविक शर्त सच्चा इतिहास बोध है। गणित, ज्योतिष, चिकित्सा आदि के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां विश्वख्यात थीं। भारत ने इतिहास संकलन की अपनी विशेष परंपरा विकसित की थी, लेकिन यूरोपीय तर्ज के इतिहासविद् भारत को इतिहासविहीन बता रहे हैं। गांधी जी राजाओं के विवरण को सच्चा इतिहास नहीं मानते थे। उन्होंने हिंद स्वराज में लिखा, 'इतिहास जिस अंग्रेजी शब्द (हिस्ट्री) का तरजुमा है और जिस शब्द का अर्थ बादशाहों या राजाओं की तवारीख होता है। हिस्ट्री में दुनिया के कोलाहल की ही कहानी मिलेगी। राजा लोग कैसे खेलते थे? कैसे खून करते थे? कैसे बैर करते थे, यह सब हिस्ट्री में मिलता है।' गांधी जी ने यूरोपीय इतिहास की अंतर्वस्तु को ठीक ही सिर्फ खूनखराबे का संग्रह बताया है।

अतीत और वर्तमान दो नहीं हैं, वर्तमान अतीत का ही विस्तार है। अतीत निर्जीव सत्ता नहीं है, वर्तमान बीते प्राणवान समय का ही चेहरा है, इसलिए पुराने समय के पर्वत, वन उपवन, पशु, पक्षी और ग्रहदशा तथा गीत, नृत्य भी वर्तमान काल में किसी न किसी रूप में मौजूद रहते ही हैं। इतिहास और वर्तमान का संबंध अविच्छिन्न है। इतिहास में मनुष्य के कर्म अनुभव होते हैं। भूलें चूकें और जय पराजय होती हैं। मनुष्य उनसे सीखता है।

वर्तमान की वस्तुनिष्ठ व्याख्या का उपकरण भी इतिहास ही है। इतिहास मनुष्य जीवन की प्रयोगशाला है। समाज इसी प्रयोगशाला के निष्कर्षों के अनुसार सही, गलत, करणीय या अकरणीय और अनुकरणीय कार्यों विचारों की सूची बनाता है, इसलिए इतिहास संकलन का काम वैज्ञानिक जैसा है, लेकिन दोनों के लक्ष्य में आधारभूत अंतर हैं। विज्ञान प्रकृति का विश्लेषण करता है, उसके निष्कर्ष अंतिम नहीं होते। प्रकृति विराट है, यहां अनंत रहस्य हैं। विज्ञान द्वारा जाना गया कोई भी तथ्य संपूर्ण या अंतिम सत्य नहीं होता। इतिहास 'हो चुके' का विवरण है। अतीत में अब कुछ भी नया होने की संभावना नहीं है, जो हो गया, उसी का तथ्यगत संकलन इतिहास है।

गांधी जी इतिहास निर्माता थे, लेकिन स्वयं एक अच्छे इतिहास लेखक भी थे। अनेक विद्वानों ने गांधी जी की लिखी 'दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास' पुस्तक की प्रशंसा की है। गांधी जी की इस किताब का पहला अध्याय है 'भूगोल'। इतिहास की घटनाएं एक खास भूक्षेत्र पर घटित होती हैं। भूक्षेत्र का रूप-स्वरूप स्थायी नहीं रहता। उत्पादन के साधनों में भी परिवर्तन होते हैं, इसलिए इतिहास के सम्यक् अध्ययन में भूगोल की महत्ता है। वैदिक कवि भी अपने परिवेश, नदियों, पर्वतों का दिल खोल कर वर्णन करते थे। साथ में तत्कालीन अर्थव्यवस्था का काव्य बिम्ब भी खींचते थे।

गांधी जी ने भी दक्षिण अफ्रीका के तत्कालीन अर्थतंत्र का वर्णन किया- दक्षिण अफ्रीका के गाय और बैल हिंदुस्तान के गाय-बैलों से से अधिक बड़े और मजबूत होते हैं।' दक्षिण अफ्रीका में अंगूर हैं, अन्य मीठे फल हैं। आम भी है, लेकिन गांधी जी के अनुसार आमों की गुठलियां हिंदुस्तानी ही ले गए थे। गांधी जी ने इतिहास लेखन में भाषा को भी प्रमुख स्थान दिया है। मार्क्सवादी चिंतक डॉ. रामविलास शर्मा ने याद दिलाया है 'जो लोग नस्लवादी दृष्टि से इतिहास लिखते हैं, उनके लिए अफ्रीका का इतिहास काले आदमियों का इतिहास है। गांधी जी का दृष्टिकोण इससे भिन्न है। वह काले आदमियों में उनकी भाषाओं और जातियों की पहचान करते हैं।'

अध्ययन के सभी विषयानुशासन मनुष्य के गढ़े हैं, मनुष्य के लिए हैं। वृहत्तर मानवता का लोकमंगल ही सभी विषयों के ज्ञान का लक्ष्य है। इतिहास में लोकमंगल साधने का कर्मयोग और व्यवहार शास्त्र पसरा हुआ है। स्वाभाविक ही इतिहास लेखन, संकलन और अध्ययन का कार्य लोकमंगल के लक्ष्य से जुड़ा होना चाहिए। मूलभूत प्रश्न यह है कि भारतीय उपमहाद्वीप की इतिहास देखने की प्राचीन दृष्टि क्या थी? क्या मिथकीय ही थी? क्या तथ्यों को झुठलाने की लत थी? क्या महाकाव्यों पुराणों और उसके भी पहले रचे गए वैदिक साहित्य के नायक काल्पनिक ही हैं? पूर्वजों की ऐसी ही इतिहास दृष्टि क्यों थी?

आधुनिक इतिहासकारों का एक वर्ग इतिहास में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सही और जरूरी मानता है। इस दृष्टिकोण से वैदिक साहित्य-इतिहास में क्या खामियां हैं? क्या मार्क्सवाद इतिहास लेखन ही वैज्ञानिक है? इस तरह तो कार्ल मार्क्स के पहले का समूचा इतिहास लेखन अवैज्ञानिक होगा? ऐसी प्रश्नावली बड़ी हो सकती है। मसलन क्या पुरातात्विक साक्ष्य ही प्रमाण है? शब्द अनुभूति श्रुति स्मृति क्यों बकवास हैं? उसी कालखंड का प्रेमपूर्ण समाज क्यों महत्वपूर्ण नहीं है?

क्या टूटी सड़कें ही गांव से गुजरेंगी!

हर गांव की सांसें उसके रास्तों से जुड़ी होती हैं। यह रास्ते केवल मिट्टी और पत्थरों का बंधा हुआ मार्ग नहीं होते, बल्कि उससे गुजरने वाले हजारों लोगों के जीवन की धड़कन होते हैं। वे उनकी दिन-प्रतिदिन की मुश्किलों और भविष्य की उम्मीद का मिश्रण होते हैं। बात जब गांव की सड़कों विशेषकर उत्तराखंड जैसे पहाड़ी इलाकों के ग्रामीण क्षेत्रों की होती है, तो इसका महत्व और भी बढ़ जाता है।

गांव के लोग कहते हैं कि उनकी आवाज नीति निर्धारकों तक पहुंच नहीं पाती, जिसके कारण वह अपने क्षेत्र को बेहतर बनाने की दौड़ में पीछे छूट जाते हैं। उनके प्रयासों का परिणाम केवल टूटी राहों के रूप में मिलता है, न कि बेहतर जीवन की रूपरेखा के रूप में। रेत तथा पत्थरों से ढंकी इन ऊंची-नीची धूल भरी सड़कों ने गांव के लोगों के दैनिक जीवन को कठिन बना दिया है। घरों से बुजुर्ग, युवा और बच्चे प्रत्येक दिन उसी दर्द को झेलते हैं, जिसमें सड़कें अक्सर गड्ढों से भरी रहती हैं। हर साल बारिश के मौसम में यह दिक्कत और भी बढ़ जाती है। कई बार इन मार्गों पर से होकर गुजरना इतना खतरे भरा हो जाता है कि लोग अस्पताल पहुंचने में देरी का सामना करते हैं, ज़िंदगी से जूझते हुए घर लौटते हैं, या बुनियादी चीज़ों तक नहीं पहुंच पाते।

आंचल
एक्टिविस्ट

उत्तराखंड का भौगोलिक स्वरूप पहाड़ों, घाटियों और संकरी दरारों से बना है। ऐसे में सड़कें हर गांव को जोड़ने की एक जीवनदायिनी कड़ी होती हैं, लेकिन इन कड़ियों की मजबूती रोज़मर्रा की आवश्यकता बनती जा रही है, उसी तरह लोगों को अपने घर से शहर तक पहुंचने, इलाज कराने, बच्चों को स्कूल भेजने और रोजगार के साधन खोजने की अपेक्षा बढ़ती जा रही है। गांव की सड़कों पर अधूरे काम, गड्ढों और कमजोर निर्माण के कारण यह कड़ी अक्सर टूटती नजर आती है। जहां सरकार की योजनाओं के तहत कई परियोजनाएं उत्तराखंड में ग्रामीण मार्गों को जोड़ने और सुधारने के लिए चल रही हैं, वहां हकीकत और लोगों की दास्तान अक्सर विपरीत रहती है।

> उत्तराखंड का भौगोलिक स्वरूप पहाड़ों, घाटियों और संकरी दरारों से बना है। ऐसे में सड़कें हर गांव को जोड़ने की एक जीवनदायिनी कड़ी होती हैं। लोगों को अपने घर से शहर तक पहुंचने, इलाज कराने, बच्चों को स्कूल भेजने और रोजगार के साधन खोजने की अपेक्षा बढ़ती जा रही है।

वर्ष 2025 में भारी बारिश से 166 ग्रामीण सड़कें बंद हो गईं थीं और कई पुल क्षतिग्रस्त हो गए थे। इससे ग्रामीण जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। इस तरह की कठिन परिस्थितियों के चलते गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचना एक बड़ा सवाल बन जाता है। अस्पताल जाने के लिए कई किमी ऊबड़-खाबड़ रास्तों को पार करना पड़ता है, जिससे संभावित जीवन-संघर्ष और तनाव का सामना करना पड़ता है। उत्तराखंड में अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी ही परिस्थितियां देखने को मिलती हैं, जहां कठिन रास्तों ने लोगों की उम्मीदों को पहाड़ों की तरह खड़ा कर दिया है। जो लोग रोज़मर्रा की इन राहों पर चलते हैं, उनकी आवाज़ की यही पुकार है कि इन मार्गों को स्थाई और मजबूत बनाया जाए, ताकि जीवन की कठिनाइयां कम हों और वे अपने सपनों की ओर बिना किसी अतिरिक्त बोझ के बढ़ सकें।

संत रविदास के वचन और इतिहास

संतों महात्माओं का जीवन चरित्र अक्सर रहस्यमय बनकर रह जाता है। संत रविदास के बारे में भी यही बात लागू होती है। रविदास जी के जीवन के संबंध में जो भी थोड़ी सी जानकारी प्राप्त होती है, उसके अग्रसारित तीन प्रकार हैं। 1-रविदास जी की अपनी वाणी, जिसमें जगह-जगह प्रसंगवश उनके जीवन से संबंधित कुछ घटनाओं का संकेत है। 2- उनके समकालीन संतों व भक्तों की रचनाएं, जिनमें रविदास जी के बारे में थोड़ा बहुत उल्लेख पाया जाता है। 3- कुछ प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्ति, जिनसे रविदास जी का संबंध माना जाता है।

रविदास जी की वाणी का प्राचीनतम संग्रह आदि ग्रंथ में मिलता है, जिसमें अनेक जाति व धर्म के संतों की बातें संकलित हैं। इसका संकलन गुरु अर्जुन देव महाराज ने किया था। यह ग्रंथ 1640 ईस्वी में संपूर्ण हुआ था। इसमें रविदास जी के 40 पद हैं। इनमें से 22 पद कुछ परिवर्तन के साथ रविदास वाणी की अन्य पांडुलिपियों में भी मिलते हैं। इन पांडुलिपियों के आधार पर संत गुरु रविदास वाणी नामक पुस्तक डॉ. बीडी प्रसाद शर्मा ने संवत 2035 में प्रकाशित की है, जिसमें 177 पद और 41 सखियां संग्रित हैं। आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद द्वारा लिखित पुस्तक रविदास दर्शन 1973 ईस्वी में प्रकाशित है। इसी प्रकार रविदास जी के समकालीन संत कबीर और गुरु नानक को बोलियों का प्रमाण रविदास जी का जीवन काल निर्धारण करने में विशेष महत्व रखता है।

करन सिंह मौर्य
वरिष्ठ पत्रकार

जहां तक ऐतिहासिक प्रमाणों का संबंध है, संत रविदास और संत कबीर दोनों ही अपनी-अपनी वाणी में एक-दूसरे का वर्णन करते हैं। एक अन्य घटना जो रविदास जी के जन्म और मृत्यु काल को निश्चित करने में सहायक हो सकती है, वह मीरा बाई का उनसे दीक्षा लेना। आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद के अनुसार, रविदास जी का जन्म विक्रमी संवत 1433 (1373 ईस्वी) में माघ शुक्ल पूर्णिमा दिन रविवार को हुआ। गुरु रविदास जी के जन्म के संबंध में संत करम सिंह लिखित एक दोहा प्रचलित है-चौदह सौ तैंतीस की माघ सुदी पंदरास। दुखियों के कल्याण हित प्रगति स्री रविदास।

रविदास जी की मृत्यु के बारे में एक अन्य दोहा प्रचलित है, जिससे यह सिद्ध होता है कि रविदास जी की मृत्यु 1527 ईस्वी में चित्तौड़ में हुई थी। पंद्रह सौ चउअसी भई चित्तौड़ मंह भीर। जर-जर देह कंचन भई, रवि-रवि मिल्यो शरीर। इस आधार पर रविदास जी की उम्र 151 वर्ष बनती है। इस पर आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद का कहना है कि रविदास जैसे परम योगी आचार्य वन सात्विक वृत्ति वाले सद्गृहस्थ के लिए इतनी लंबी आयु भोगना कोई असंभव बात नहीं है।

बेणी प्रसाद शर्मा और धर्मपाल मैनी ने रविदास की मृत्यु को उक्त तिथि को स्वीकार करते हुए जन्म काल 1399 ई. मानकर उनका जीवन काल 128 वर्ष माना है। महात्मा चरण दास कुरील ने रविदास का जन्म काल 1414 ई. माना है। उन्होंने यह दिखाया है कि माघ शुक्ल पूर्णमा तिथि को रविवार पड़ता है, इसी कारण रविदास नाम दिया जाना संभव प्रतीत होता है। ज्ञानी बरकत सिंह आनंद तथा दर्शन सिंह ने भी इसका समर्थन किया है।

बजट: ट्रंप टैरिफ के काउंटर की उम्मीदें

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को बजट में आर्थिक विकास की गति बनाए रखने की चुनौती होगी, क्योंकि यह ट्रंप टैरिफ के प्रभावी होने के बाद का पहला बजट है। ऐसे में टैरिफ को काउंटर करने की नीति और दूसरी ओर आर्थिक विकास की गति बरकरार रखने की आवश्यकता होगी, जिसमें मुख्य रूप से विनिर्माण, तकनीकी-नवाचार, रोजगार सृजन, ढांचागत अवसंरचना, युवा-महिला कल्याण, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं का विस्तार के साथ ही गांव-किसान का कल्याण शामिल है।

भारत के आर्थिक सुधारों के अभियान को बीती 27 जनवरी, को भारत और यूरोपीय संघ के 27 देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते से बड़ी गति मिलने की उम्मीद है। यह न सिर्फ व्यापारिक बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी एक बहुत बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच एफटीए के लिए बातचीत का सिलसिला 20 वर्ष पुराना है। 2007 में शुरू हुई यह बातचीत 2026 के जनवरी माह में अंजाम पर पहुंची। भारत के लिए यह समझौता हर दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

> यह ट्रंप टैरिफ के प्रभावी होने के बाद का पहला बजट है, ऐसे में बजट में एक ओर टैरिफ को काउंटर करने की नीति और दूसरी ओर आर्थिक विकास की गति जारी रखने वाले कदमों के मद्देनजर लिए गए सुधारों की गति बरकरार रखने की आवश्यकता होगी।

यूरोपीय संघ और भारत मिलकर विश्व की जीडीपी का लगभग एक चौथाई हिस्सा हैं और वैश्विक व्यापार में इनकी भागीदारी एक तिहाई के करीब है। इनकी जनसंख्या का आकार लगभग दो अरब के आसपास है। इस समझौते के बाद भारत यूरोप के विश्व बाजार तक अपने उत्पादों को पहुंचाने में सफल होगा, जिसमें मुख्य रूप से कपड़ा, चमड़ा, आभूषण व रत्न आदि लगभग शून्य शुल्क के साथ निर्यात किए जा सकेंगे। वहीं यूरोपीय संघ के 27 देशों से तकनीकी उपकरण, ऑटोमोबाइल उत्पाद, मशीनरी, रसायन इत्यादि सस्ते दामों पर भारत मेंउपलब्ध होंगे।

प्रो. एचसी पुरोहित
दून विश्वविद्यालय

ट्रंप टैरिफ के बाद भारत ने पिछले वर्ष आर्थिक सुधार व ढांचागत विकास को गति देने की दिशा में कई कदम उठाए। यही कारण है कि औद्योगिक उत्पादन दर बीते दिसंबर माह में पिछले दो वर्षों के शीर्षतम स्तर पर रहा, इसका कारण ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस एवं प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव सहित दर्जनों सुधार के कदमों को समझा जा सकता है। यूरोपियन संघ के साथ यह व्यापार समझौता रोजगार के नए अवसरों को उत्पन्न करेगा, जिससे घरेलू अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।

इस व्यापार समझौते से एमएसएमई क्षेत्र के लिए नए अवसर खुलेंगे और महिलाओं, युवाओं व पेशेवरों के लिए रोजगार उत्पन्न होगा, सेवाओं के क्षेत्र में बाजार तक पहुंच बढ़ेगी, जिसमें मुख्यतः डिजिटल सेवाओं के विस्तार को अवसर मिलेगा, भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति से जुड़े विशेषज्ञ व प्रशिक्षकों को यूरोप के देशों में कार्य करने का मार्ग प्रशस्त होगा। इस संदर्भ में मूडीज़ रेटिंग्स का भी मानना है कि यह समझौता मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के साथ रोजगारपरक केंद्रों के निर्माण में सहायक होगा।

इस बजट में आवश्यकता है कि विनिर्माण की गति तेज करने के लिए भारत को लॉजिस्टिक और नीतिगत सुधारों की रफ्तार तेज रखने के प्रावधान करने होंगे। प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना से विनिर्माण क्षेत्र को काफी गति मिली है, इसको जारी रखने की आवश्यकता है। इसके साथ ही आपूर्ति श्रृंखला का सुदृढ़ीकरण किया जाना आवश्यक है। इसके लिए श्रम शक्ति का कौशल व नवाचार क्षमता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण का प्रावधान तथा शोध व विकास कार्य को प्राथमिकता देना होगा।

महिला सशक्तिकरण, एआई, रोबोटिक्स, नवाचार के लिए अनुसंधान केंद्रों को प्रोत्साहित करना भी जरूरी है। टैरिफ वार के बीच एफटीए के माध्यम से उभरते नए बाजार-केंद्रित योजनाओं का प्रोत्साहन, डिजिटल इंडिया को केंद्र में रखते हुए डिजिटलीकरण के विस्तार पर विशेष बल देना होगा। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना के अमल में आने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था विशेष रूप से कृषि, पशुपालन, औद्यानिकी, वानिकी, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, हस्तशिल्प और डेयरी व्यवसाय इत्यादि क्षेत्रों को गति मिलेगी।

विकसित भारत व ग्रामीण विकास की इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए बजट में विशेष ध्यान देना होगा तभी ग्राम स्वराज की स्थापना हो सकेगी और गांव में रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। कुल मिलाकर इस बजट पर आम और खास सभी वर्गों की नजर होगी, यह बजट विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करने की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

सुनो नहरों की पुकार: जब आस्था पर्यावरण से संवाद करती है

जब हम पूजा, परंपरा और श्रद्धा की बात करते हैं, तो अक्सर भूल जाते हैं कि धर्म का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा है- विनाश नहीं। जल, जो जीवन का आधार है, वही यदि हमारी आस्था के नाम पर अपवित्र हो जाए, तो यह आत्ममंथन का विषय बनता है। 'सुनो नहरों की पुकार' ऐसा ही एक जनजागरण अभियान है, जो हमें हमारी ही भूलों से रूबरू कराता है और बताता है सच्ची पूजा क्या है!

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

नहरें सिर्फ़ पानी का बहाव नहीं हैं। वे खेतों की हरियाली, पशुओं की प्यास, गांवों की संस्कृति और सभ्यता की धमनियां हैं। इन्हीं नहरों के सहारे किसान अपने खेतों में सोना उगाता है। पशु जीवन पाते हैं और ग्रामीण समाज की अर्थव्यवस्था चलती है। परंतु आज यही जीवन रेखाएं हमारी असावधानी और अंधी परंपराओं के कारण कराह रही हैं।

पूजा के बाद की सामग्री— मूर्तियाँ, फूल, कपड़े, प्लास्टिक, सिंदूर, अगरबत्ती, नारियल, यहां तक कि मृत पालतू पशु नहरों में प्रवाहित कर दिए जाते हैं। जो कर्म श्रद्धा के नाम पर किए जाते हैं, वे दरअसल प्रकृति के विरुद्ध अपराध बन चुके हैं।

इसी पीड़ा और चिंता से जन्मा 'सुनो नहरों की पुकार' अभियान। इसकी शुरुआत रोहतक में डॉ. जसमेर सिंह हुड्डा (संयोजक) और हिसार में माननीय भूपेंद्र सिंह गोदारा के प्रयासों से हुई। यह कोई एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि वर्षों की तपस्या और निरंतर जागरूकता का परिणाम है।

यह अभियान न किसी राजनीतिक लाभ के लिए है, न किसी संगठनात्मक प्रसिद्धि के लिए। इसका उद्देश्य केवल एक है- नहरों को प्रदूषण से मुक्त करना और समाज की सोच में बदलाव लाना। गुरेरा गांव की मिट्टी से उठे मास्टर भूपेंद्र गोदारा ने इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले अनेक जागरूक साथी।

यह संकट केवल कृषि तक सीमित नहीं है। नहरों का पानी पीने वाले पशु, पक्षी और अन्य जीव रोगग्रस्त हो जाते हैं। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि जल प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए एक मौन आपदा बन चुका है। यदि नहरें बचेंगी तो खेत हरे-भरे रहेंगे, पशु-पक्षी सुरक्षित रहेंगे और आने वाली पीढ़ियां स्वच्छ जल का उपहार पाएंगी।

नासिक की पहचान बदल रहा है वाइन उद्योग

प्याज, लहसुन और फूलों समेत सब्जियों के लिए ख्यात नासिक अब वाइन उद्योग को बढ़ावा देने में लगा है, लेकिन क्या यह बाजार के अलावा व्यापक समाज के लिए भी मुनासिब होगा? अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के देशों ने यही गलती तंबाकू के साथ की थी, जहां आम लोग एक किलो खाद्यान्न पर एक सिगरेट को प्राथमिकता देने लगे थे। क्या वाइन उद्योग भी नासिक इलाके में यही करेंगे?

महाराष्ट्र के नासिक ज़िले की सह्याद्रि पहाड़ियों में फैले 'वाइन यार्ड' आज एक ऐसे पर्यटन मॉडल का प्रतीक बन चुके हैं, जिसे आकर्षक शब्दों में 'वाइन टूरिज़्म' कहा जाता है। चमकदार ब्रांडिंग, दूर-दूर तक फैले अंगूर के बागान, टेस्टिंग रूम, कैफे, संगीत, खुले लॉन और फ़ोटो-स्पॉट। यह पूरा परिदृश्य किसी सामान्य पारिवारिक सैरगाह जैसा प्रतीत होता है, लेकिन इस आकर्षक दृश्य के पीछे एक चिंताजनक सामाजिक-सांस्कृतिक तथा पर्यावरणीय कहानी छिपी है, जिसे पर्यटन के उत्साह में अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है।

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

पिछले दिनों हमें ऐसे ही एक यार्ड का भ्रमण करने का अवसर मिला, जिसे 'वाइन पर्यटन' का अग्रदूत माना जाता है। यहां आने वाले पर्यटक वाइन बनाने की प्रक्रिया देखने के साथ-साथ उसे चखते हैं। स्वाद लेते हैं। बोतलें खरीदते हैं और तथाकथित 'लाइफ़ स्टाइल अनुभव' का हिस्सा बनते हैं। यही मॉडल अब नासिक और आसपास के क्षेत्रों में अन्य वाइन ब्रांड्स द्वारा भी अपनाया जा रहा है। इन सभी परिसरों में शराब को केवल एक उत्पाद के रूप में नहीं, बल्कि आधुनिकता, आनंद और सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

यूं तो पर्यटन का उद्देश्य किसी स्थान की संस्कृति, प्रकृति, इतिहास और वहां के लोगों से जुड़ना होता है, लेकिन 'वाइन पर्यटन' का मौजूदा स्वरूप इससे अलग दिशा में जाता दिखता है। यहां स्थानीय ग्रामीण जीवन, किसानों की वास्तविक परिस्थितियां और क्षेत्र की पारंपरिक संस्कृति हाशिये पर चली जाती है। केंद्र में रहता है ब्रांड, बाज़ार और प्रदर्शन। यह ऐसा पर्यटन है, जिसमें आनंद उपभोग से तय होता है। भारतीय समाज की सामूहिकता, सादगी और संयम की परंपरा इस मॉडल से सीधे टकराती है।

नासिक को भारत की 'वाइन कैपिटल' कहा जाता है। अनुमान है कि भारत में लगभग 70–80 वाइनरी हैं, जिनमें से 60 प्रतिशत से अधिक महाराष्ट्र में हैं और इनका बड़ा हिस्सा नासिक क्षेत्र में केंद्रित है। नासिक, सांगली, सोलापुर (आकलूज) और पुणे जैसे इलाकों को मिलाकर लगभग 45–50 वाइनरी सक्रिय या अर्ध-सक्रिय मानी जाती हैं। सरकारी नीतियां, निर्यात की संभावनाएं और पर्यटन इस विस्तार को लगातार गति दे रहे हैं, लेकिन यह विस्तार केवल आर्थिक अवसर नहीं लाता; इसके साथ सामाजिक और पर्यावरणीय दबाव भी बढ़ते हैं।

भारत विश्व के प्रमुख अंगूर उत्पादक देशों में शामिल है। देश में हर वर्ष लगभग 30–32 लाख टन अंगूर का उत्पादन होता है, जिसमें 55–60 प्रतिशत हिस्सेदारी महाराष्ट्र की है। नासिक अकेले भारत के कुल अंगूर उत्पादन का लगभग एक तिहाई करीब 9–11 लाख टन पैदा करता है। यह उत्पादन लगभग 1.4–1.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फैली खेती से आता है।

वाइन परिसरों में सबसे चिंताजनक दृश्य बच्चों की निर्बाध मौजूदगी है। छोटे बच्चे अपने माता-पिता और अन्य वयस्कों को वाइन-टेस्टिंग करते, बोतलें खरीदते और शराब को उत्सव से जोड़ते देखते हैं। बचपन में देखे गए अनुभव ही मूल्यबोध की नींव रखते हैं। इस तरह शराब एक प्रकार के सांस्कृतिक प्रशिक्षण का हिस्सा बन जाती है, जिसका प्रभाव आने वाले दशकों में दिखाई देगा। यह केवल नैतिक प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का मुद्दा है। असल सवाल यह है कि हम किस तरह का समाज गढ़ रहे हैं? क्या हम अपनी अगली पीढ़ी को यह सिखाना चाहते हैं कि आनंद, आधुनिकता और सामाजिक स्वीकृति का रास्ता मद्यपान से होकर गुजरता है?

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

राम मंदिर निर्माण में अब तक खर्च हुए 1900 करोड़ रुपये

30 अप्रैल तक निर्माण एजेंसियों को परिसर खाली करने के निर्देश ▪ मार्च में परिसर के अन्य मंदिरों में दर्शन कराएगी ट्रस्ट

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम मंदिर निर्माण पर लगभग 1900 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं, जिसमें ट्रस्ट निर्माण एजेंसियों को जीएसटी के साथ 1600 करोड़ का भुगतान कर चुका है। अब 30 अप्रैल के पहले अन्य प्रपत्रों को पूरा करने के साथ परिसर को खाली करने का भी निर्देश दे दिया गया है। हालांकि इस दौरान निर्माण संस्था की एक यूनिट अगले तीन वर्ष तक देख रेख करेगी। मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक के अंतिम दिन अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने सभी निर्माण कार्यों को अगले एक माह में पूरा करने के साथ मार्च में सभी कार्यों से संबंधित प्रपत्र को पूरा कर ट्रस्ट को हैंडओवर के लिए समय तय कर दिया है।

मंदिर निर्माण समिति की बैठक के बाद शनिवार को अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि एलएंडटी और टाटा कंसलटेंसी अपने स्टॉफ को धीरे-धीरे यहां से अन्य जगहों पर स्थापित करें। निर्माण संस्था को किसी भी हालत में 30 अप्रैल से आगे नहीं रखा जाएगा। इसलिए 31 मार्च से 30 अप्रैल तक सभी बिल भुगतान और कागजों के लेनदेन के लिए होगा। संस्था के द्वारा दिए गए परफॉर्मेंस गारंटी के तहत एक यूनिट मंदिर परिसर की देखरेख में रखी जाएगी, जो कि किसी प्रकार की समस्या या मेंटेनेंस के लिए होगी। कहा कि जिन अन्य संस्थाओं से काम लिया गया है उसे ट्रस्ट हैंडओवर करेगा, जो काम मार्च-अप्रैल से आगे बढ़ेगा। वह मुख्य रूप से ऑडिटोरियम का कार्य है। इसे भी नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। 30 अप्रैल के बाद परिसर की जिम्मेदारी ट्रस्ट निभाएगा। उन्होंने बताया कि अब तक परिसर के सभी निर्माण में भुगतान 1600 करोड़ का हो चुका है। 1900 करोड़ व्यय हुए हैं।

कैंसर हॉस्पिटल निर्माण की कवायद में एक माह का समय

अयोध्या कैंसर हॉस्पिटल खोले जाने के संबंध में नृपेंद्र मिश्र ने जानकारी दी है कि 5 से 8 एकड़ ज़मीन जो राजा अयोध्या को देनी थी वो अभी संभव नहीं हो पाई है, क्योंकि नए राजा के नाम पर अभी प्रॉपर्टी पर नाम चढ़ा है, उसमें थोड़ा समय लग रहा है। कुल मिलाकर एक महीने में कार्य उनका संपन्न हो जाएगा। उन्होंने बताया कि जिस संस्था को वहां हॉस्पिटल बनाना है। उसने डिज़ाइन बना लिया है। इसके साथ नगर क्षेत्र में जो 300 बेड का सरकारी अस्पताल बनाया जाना था, उस पर 30 तारीख को दिल्ली में सुनवाई हुई है।

रामनवमी के बाद ट्रस्ट परिसर भ्रमण की देगी अनुमति

रामनवमी के बाद राम मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन करने के बाद परिसर के अन्य मंदिरों में भी दर्शन करने के लिए अनुमति प्राप्त होगी। मंदिर निर्माण समिति की बैठक में आगामी श्रद्धालुओं के सुविधाओं के साथ उनके परिसर भ्रमण करने की इच्छा पूर्ति पर भी राम मंदिर ट्रस्टियों के साथ मंथन किया गया। निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र ने बताया कि 15 फरवरी से राम जन्मभूमि परिसर में स्थित अन्य मंदिरों में दर्शन की सुविधा मिलनी चाहिए।

गैर इरादतन हत्या में दोषी को 10 साल की कैद

सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर में 17 साल पूर्व रमाशंकर की गैर इरादतन हत्या के मामले में दोषी लालजी वर्मा को सेशन जज सुनील कुमार ने 10 साल की जेल और 34 हजार रूपये अर्थदण्ड की सजा सुनाकर जेल भेज दिया। अभियोजन के अनुसार पांच सितम्बर 2009 की घटना में नन्हेलाल वर्मा ने पिता रमाशंकर की लाठी डंडे से पिटाई में मौत हो गई थी। मामले में आरोपी लाल जी वर्मा, उसके पुत्र संजय पत्नी गुड्डन तथा मां इसराजी पर मारपीट, गाली-गलौज व हत्या की धमकी के आरोप में केस दर्ज कराया था। उपचार के दौरान रमाशंकर की मौत हो जाने पर मुकदमे में गैर इरादतन हत्या की वृद्धि हुई जिसमें लालजी के पिता रामराज का नाम भी सामने आया। पुलिस ने आरोपी गुड्डन व इसराजी को क्लीनचिट दे दी थी। कोर्ट ने पूर्व में रामराज व संजय को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी।

तालाब में डूबने से बच्चे की मौत

निन्दूरा, बाराबंकी, रामपुर निवासी पवन के पुत्र आर्यन (2) की शनिवार दोपहर तालाब में डूबने से मौत हो गयी।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पहले मेरा नाम RAJU था अब मैने बदलकर अपना नाम RAJU AHMAD रख लिया है भविष्य में मुझे RAJU AHMAD के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O, KALLU R/O, VILL SHAHABAD POST JARGAWAN BARABANKI 225416

सूचना

मैं शिव शंकर पांडे पुत्र नानमून पांडे निवासी ग्राम जानकी नगर तहसील व जिला गोंडा अपने छोटे पुत्र सुरेंद्र उर्फ रामू पांडे के क्रियाकलापों से त्रस्त होकर अपने समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। अब मेरे पुत्र सुरेंद्र उर्फ रामू द्वारा किए गए किसी भी कृत्य व लेनदेन के लिए मैं वह मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे डाकघर बांगरमऊ से जारी राष्ट्रीय बचत पत्र संख्या – 06 Ma 491823 में मेरा नाम लखन तिवारी अंकित है। जबकि मेरे आधार कार्ड व केवाईसी आदि दस्तावेजों में मेरा नाम तेजस्व तिवारी दर्ज है। तेजस्व तिवारी और लखन तिवारी दोनों मेरे ही नाम हैं। मुझे उपरोक्त दोनों नामों से जाना व पहचाना जाए। तेजस्व तिवारी पुत्र वरुण तिवारी निवासी मोहल्ला –गांधी नगर कस्बा – फतेहपुर चौरासी, जिला – उन्नाव

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम आशीष कुमार कश्यप पुत्र छोटे लाल कश्यप है जो मेरे शैक्षिक अभिलेख में अंकित है त्रुटिवश मेरे ड्राइविंग लाइसेन्स मे मेरा नाम आशीष कुमार पुत्र छोटे लाल अंकित हो गया है जो कि गलत है भविष्य मे मुझको मेरे सही नाम आशीष कुमार कश्यप पुत्र छोटे लाल कश्यप के नाम से जाना व पहचाना जाये। आशीष कुमार कश्यप पुत्र छोटे लाल कश्यप निवासी मकान नम्बर 8/286. सीताराम कालोनी, शुक्लागंज जिला उन्नाव–209861

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सुपुत्र लक्ष्य तिवारी (LAKSHYA TIWARI). के आधार संख्या 62673965777 में उसका नाम काव्य तिवारी दर्ज हो गया है। जबकि उसका वास्तविक नाम लक्ष्य तिवारी है। अब भविष्य में उसे लक्ष्य तिवारी (LAKSHYA TIWARI) के नाम से जाना–पहचाना व पुकारा जाए। एतद द्वारा मैं घोषित करता हूं कि उपरोक्त के संदर्भ में सभी औपचारिकताएं मेरे पास पूर्ण कर ली गई हैं। विवेक तिवारी, 544/1343 एकता नगर कैम्पबेल रोड़ बालागंज, लखनऊ

सूचना

सूचित हो कि विवाह के बाद मेरा नाम आंचल अग्रवाल हो गया था। किंतु अब विवाह विच्छेद के पश्चात अब मैने अपना नाम पुन: आंचल यादव कर लिया है। अब भविष्य में मुझे आंचल यादव पुत्री सुभाष कुमार यादव निवासिनी एस एस –2 डी –1 1429, कानपुर रोड , एल0डी0ए0 व एव कॉलोनी लखनऊ के नाम से जाना पहचाना जाए।

सूचना

मैं आंचल यादव पुत्री सुभाष कुमार यादव निवासिनी एस एस –2 डी –1 1429, कानपुर रोड , एल0 डी0ए0 कॉलोनी लखनऊ में मैने अपनी पुत्री का नाम पंखुड़ी से बदल कर कीर्ति कर लिया है। अब से उसे कीर्ति के नाम से जाना व पहचाना जाए।

सूचना

सूचित करना है कि मेरे पिता मनोज कुमार सिंह ने दिनांक 28.07.2008 को मेरे नाम से भारतीय जीवन बीमा निगम में पालिसी सं 218327611 कराई थी, पालिसी में मेरा नाम ANIVERSH SINGH लिखा गया था, जन्मतिथि 06.10.2007 था। पिता की मृत्यु के बाद मैंने अपना नाम बदलकर HARSH VARDHAN SINGH VISEN तथा जन्मतिथि 05–10.2007 कर दिया। यही नाम बैंक खाता, आधार व मार्कशीट में दर्ज हैं, पालिसी में हर्षवर्धन सिंह विसेन कर दिया जाए।

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष समेत दो दोषियों को 15 वर्ष की कठोर कैद

14 साल पुराने हत्या के प्रयास के मामले में सख्त फैसला, 50-50 हजार अर्थदंड भी

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : हत्या के प्रयास से जुड़े एक चर्चित और लंबे समय से लंबित आपराधिक मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय गोंडा ने कड़ा रुख अपनाते हुए ऐतिहासिक फैसला सुनाया है।

जिला सत्र न्यायाधीश दुर्ग नारायण सिंह की अदालत ने नगर पालिका परिषद गोंडा के पूर्व अध्यक्ष निर्मल श्रीवास्तव उर्फ रूपेश कुमार तथा उनके सह-आरोपी त्रियुगी नारायण गुप्ता को दोषी ठहराते हुए प्रत्येक को 15-15 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोनों पर 50-50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।

● जुर्माने की आधी राशि पीड़ित को प्रतिकर के रूप में देने का आदेश

अभियोजन पक्ष के अनुसार, मोतीगंज थाना क्षेत्र के काजीदेवर निवासी एवं वर्तमान जिला पंचायत सदस्य सुशील कुमार शुक्ला ने 11 सितंबर 2012 को थाना मोतीगंज में तहरीर दी थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि 10 सितंबर 2012 की रात उनके छोटे भाई गौरव शुक्ला पर बाइक सवार हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से हमला किया। इस हमले में गौरव शुक्ला गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उन्हें लंबे समय तक चिकित्सकीय उपचार कराना पड़ा। घटना के संबंध में पुलिस ने राजा मोहल्ला निवासी निर्मल श्रीवास्तव उर्फ रुपेश कुमार तथा रानी बाजार स्थित सुनार गली निवासी त्रियुगी नारायण गुप्ता के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। करीब 14 वर्षों तक चले इस मुकदमे की सुनवाई के दौरान अदालत ने गवाहों के बयान, चिकित्सीय साक्ष्य एवं अन्य परिस्थितिजन्य प्रमाणों का गहन परीक्षण किया। सभी तथ्यों के आधार पर अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी मानते हुए शनिवार को सजा का ऐलान किया।

न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि वसूले गए जुर्माने की आधी राशि पीड़ित गौरव शुक्ला को प्रतिकर के रूप में प्रदान की जाए। फैसले के बाद जिला पंचायत सदस्य सुशील कुमार शुक्ला ने कहा कि भले ही न्याय मिलने में समय लगा, लेकिन अदालत के इस निर्णय से न्याय की जीत हुई है और आमजन का न्यायिक व्यवस्था पर विश्वास और मजबूत हुआ है।

अयोध्या के डिप्टी जेलर समेत तीन और निलंबित

अयोध्या कार्यालय।

● कारागार से दो विचाराधीन बंदियों के भागने का मामला

अमृत विचार : जिला कारागार की सुरक्षा में सेंध लगाकर दो बंदियों के फरार होने के मामले में डीआईजी जेल एसके मैत्रेय की रिपोर्ट पर डीजी जेल पीसी मीणा ने शनिवार को डिप्टी जेलर राजदीप, हेड वार्डर प्रभुनाथ कुमार व जेल वार्डर दीपक कुमार पांडेय को निलंबित कर दिया है। डीआईजी की जांच रिपोर्ट के अनुसार बुधवार की शाम बैरक में जाने से पहले बंदियों की चेकिंग नहीं की गई। इससे वह संबल व सरिया अपने साथ बैरक में लग गए थे। फिलहाल अभी तक फरार बंदियों के बारे में ठोस सुराग हाथ नहीं लग सका है।

ध्यान रहे कि गुरुवार 29 जनवरी को जिला कारागार में हत्या, डकैती, दुष्कर्म समेत गंभीर अपराधों में जिला कारागार के विशेष बैरक (तन्हाई) में निरुद्ध दो विचाराधीन बंदी शेर अली निवासी अमेरमऊ थाना करौली कला सुल्तानपुर व गोलू अग्रहरि उर्फ सूरज निवासी मुसाफिरखाना थाना मुसाफिरखाना जिला अमेठी जेल की दीवार फांदकर फरार हो गए थे।

दोनों ने संबल व सरिया के सहारे बैरक के रोशनदान की ईंट निकालकर बाहर निकले थे। इसके बाद जेल की दीवार तक गए व वहां बाहर लगे इमली का एक सूखा पेड़, जिसकी डाल जेल के अंदर तक आई थी, उस पर कंबल व मफलर की रस्सी बनाकर उसके सहारे बाहर निकल गए। जांच के दौरान जेल की दीवार के बाहर कंबल की रस्सी व पेड़ पर भी इसका एक टुकड़ा भी मिला था।

पहले डबल इंजन टकराते थे, अब डिब्बे भी टकरा रहे : शिवपाल

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : ग्राम हड़ाहा में पूर्व मंत्री और सपा नेता राजा राजीव कुमार सिंह की चौथी पुण्यतिथि पर सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके स्वागत में स्वर्गीय राजा राजीव कुमार सिंह के पुत्र राजा रितेश कुमार सिंह 'रिंकू' ने उन्हें चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया।

शिवपाल यादव ने सभा को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में पहले डबल इंजन आपस में टकरा रहे थे, अब डिब्बे भी टकराने लगे हैं। उन्होंने महंगाई, धान खरीद, भ्रष्टाचार और नमामि गंगे परियोजना में कथित घोटाले पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने महोबा की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा सरकार के भीतर ही असंतोष की आग भड़क रही है जिसका उदाहरण जल शक्ति

● परसपा के राष्ट्रीय महासचिव ने भाजपा पर जमकर बोला हमला

मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का अपने ही विधायक द्वारा रास्ता रोके जाने की घटना है। शंकराचार्य मामले पर भी शिवपाल यादव ने भाजपा को दोहरी मानसिकता वाली पार्टी बताया। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव में बाराबंकी की छह सीटें जीतने का आह्वान किया।

इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राकेश कुमार वर्मा, फैजाबाद सांसद अवधेश प्रसाद, विधायक गौरव रावत, जिला पंचायत सदस्य मोहम्मद अहमद शहंशाह, विजय कुमार यादव, आदेश जैन, राजवीर यादव, सोनू सिंह, स्वतंत्र सिंह और मंच संचालन प्रीतम सिंह वर्मा मौजूद रहे। शिवपाल ने स्वर्गीय राजा राजीव कुमार सिंह की छह बार विधायक और पूर्व मंत्री के रूप में सेवा और जिले के विकास कार्यों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

हत्या के दो दोषियों को आजीवन कैद

बाराबंकी, अमृत विचार : बहन से जबरन बातचीत का विरोध करने पर भाई की हत्या के प्रकरण में न्यायालय ने दो अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोनों को 10-10 हजार रुपये अर्थदण्ड अदा करने का आदेश भी दिया गया। अभियोजन पक्ष के अनुसार देवा के मदीनपुर के रहने वाले रवीन्द्र सिंह ने 14 दिसंबर 2021 को पुलिस को सूचना दी कि अखिलेश कुमार साहू व विनीत साहू ने उनके भाई बिजेन्द्र सिंह को लाठी से पीटकर मार डाला। बिजेन्द्र अपनी बहन से बार बार बातचीत करने व मोबाइल देने का विरोध कर रहा था। 13 दिसंबर को लापता बिजेन्द्र का शव दूसरे दिन नाले में पड़ा मिला। पुलिस ने रवीन्द्र सिंह की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

बैठक में की कार्यों की समीक्षा

लखनऊ, अमृत विचार : पश्चिम विधानसभा के अंतर्गत गहन मतदाता पुनरीक्षण 2026 अभियान एवं नवमतदाता पंजीकरण द्वितीय चरण- महाविशेष अभियान के अंतर्गत भाजपा पश्चिम विधानसभा एसआईआर कार्यालय पर कार्यों की समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में निवर्तमान महानगर अध्यक्ष/विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, अवध क्षेत्र की महामंत्री नीरज वर्मा एवं पश्चिम विधानसभा एसआईआर अभियान के संयोजक प्रकाश मिश्रा के साथ समस्त पोलिंग के समस्त शक्ति केंद्र के समस्त बूथों पर नवमतदाता के फॉर्म -6 एवं छूटे हुए सभी पात्र मतदाताओं के फॉर्म -6 के संदर्भ में अब तक के किए गए कार्यों की समीक्षा की एवं पश्चिम विधानसभा के पोलिंग इंदिरा गांधी संस्थान, सेंट एंथोनी पब्लिक स्कूल, रेड रोज सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सरस्वती शिशु मंदिर, मॉडर्न इंडियन स्कूल, एवं पायनियर मॉन्टेसरी स्कूल, पोलिंग पर जाकर निरीक्षण किया। इस अवसर पर सत्येंद्र सिंह, राजेश मिश्रा (राजन), अरविंद मिश्रा, मंडल अध्यक्ष सोमेंद्र पांडे, दीप प्रकाश सिंह, राहुल शुक्ला (संजू), मंडल उपाध्यक्ष विभोर अवस्थी, मंडल कोषाध्यक्ष जगदीश चंद्र जोशी, धर्मेंद्र शर्मा, नवनीत मिश्रा, पवन द्विवेदी आदि मौजूद थे।

बैठक में मौजूद भाजपा पदाधिकारी। ● अमृत विचार

ट्रक ने महिला को रौंदा

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : गौरा निवासी संजय मिश्रा शनिवार देर शाम पत्नी पूर्णिमा (40) व पुत्री दिव्या (14) के साथ मंदिर से घर लौट रहे थे। रास्ते में डीसीएम ने बाइक में टक्कर मार दी। पूर्णिमा बाइक से गिर गई। इसी बीच ट्रक ने उसे रौंद दिया।

यातायात निदेशालय, उत्तर प्रदेश

पत्र संख्या: डीटी–30(4)2025/ दिनांक: लखनऊ: जनवरी 29, 2026

निविदा सूचना

पुलिस विभाग में तात्कालिक आवश्यकता के दृष्टिगत 62 अदद Interceptor Vehicle Two Wheeler with traffic equipment के क्रयार्थ भारत सरकार की ई–मार्केट प्लेस (GeM) पर दिनॉक 28–01–2026 को कस्टम बिड संख्या: GEM/2025/B/7155549 अपलोड की गयी है, बिड बन्द होने की तिथि 12.02.2026 समय 19:00 बजे है। निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी भारत सरकार की ई–मार्केट प्लेस (GeM) से प्राप्त की जा सकती है।

(अरविन्द कुमार मौर्य)
पुलिस उपमहानिरीक्षक
यातायात निदेशालय,
उ0प्र0, लखनऊ

UP-245063 दिनांक 30.01.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अल्पकालीन निविदा सूचना
(उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग, जनपद अयोध्या)

संख्या: भ–217/2026 दिनांक: 27–01–2026

जनपद अयोध्या की पुलिस लाइन परिसर के चयनित कुल 05 विशेष मरम्मत कार्यो को स्वीकृति/अनुमोदनोपरान्त वित्तीय वर्ष 2025–26 में मुख्य 29–अनुरक्षण मद के अन्तर्गत पुलिस विभाग के अनुमोदित / पंजीकृत फर्मो द्वारा कराये जाने हेतु दिनांक 06–02–2026, दोपहर 12:00 बजे तक इच्छुक ठेकेदारों से मुहर बन्द निविदा आमंत्रित की जाती हैं। जो दिनांक 06–02–2026 को पुलिस लाइन, अयोध्या में अपरान्ह 02:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में रू0 100/– प्रति कार्य की दर से शुल्क देकर पुलिस कार्यालय, अयोध्या से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा की शर्ते एवं कार्य के विस्तृत विवरण की जानकारी पुलिस कार्यालय, जनपद अयोध्या के प्रधान निपिक शाखा से प्राप्त की जा सकती हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
अयोध्या

UP-245036 दिनांक 30.01.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल अयोध्या।
पताः–बडा रमना रीडगंज अयोध्या

ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

पत्रांक 2975 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा पत्रा0 / पत्रा0सं0– 730 / 2025–26 दिनांक–24.01.2026

महामहिम श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल अयोध्या के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए0, बी0, एवं सी0 श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदा दाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। बिड् डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वान्टिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित है, जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्दे"ाानुसार नियमानुसार अलग से किया जायेगा। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए निविदा दे सकता है।
कार्य से सम्बंधित विवरण निम्नवत् हैः–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	बिड सिकुरिटि (इ0एम0डी0) (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी.एस.टी सहित (रूपया में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित
1	2	3	4	5	6	7
		विनियमित क्षेत्र				
1	सुलतानपुर	घासीगंज वार्ड में ट्रांसपोर्ट नगर सर्विस लेन से नीरजा द्विवेदी के घर होते हुए विपिन वर्मा के घर के सामने नाले तक सी0सी0 सड़क एवं कवर्ड आर0सी0सी0 नाली का निर्माण कार्य।	42.99	0.86	2354.00	06 माह
2	सुलतानपुर	नरायनपुर वार्ड में मिश्रा मार्केट के सामने से नयना हास्पिटल से होते हुए लोहरामऊ पिचरोड तक इण्टरलाकिंग सड़क का निर्माण कार्य।	52.79	1.06	2354.00	06 माह

2. वैब साइट पर बिड् डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथिः– 03.02.2026 को दोपहर 12 बजे से।
3. बिड् डाक्यूमेन्ट डाउन लोडिंग प्रारम्भ करने की तिथि एवं समयः– 12.02.2026 को प्रातः 11 बजे से।
4. प्री बिड् मीटिंग की तिथि एवं समयः– 13.02.2026 को प्रातः 11 बजे से।
5. ई–निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ तिथि / समयः– 16.02.2026 को प्रातः 10 बजे से।
6. ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि / समयः– 28.02.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक।
7. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– 28.02.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे तक।
8. टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई शपथपत्र मान्य नही होगा।
9 निविदा ऑनलाईन बेव साइट http//etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा।
10. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–10 के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा । सभी संभावित निविदा दाताओ को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वैब साइट http//etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड् डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करे।
सभी सम्मानित निविदादाता को सलाह है कि बिड् सब्मिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेन्ट को भली भॉति पढ़ लें।

(के0के0 मिश्रा)
अधीक्षण अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
परिमण्डल अयोध्या।

UP-244973 दिनांक 30.01.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय जिला कलेक्टर, अयोध्या।

संख्या–1448(1) / वि0भू0अ0अ0 / 14 कोसी / 2026 दिनांक 28 जनवरी, 2026

सामाजिक समाघात निर्धारण करने हेतु निविदा

जनपद अयोध्या में 14 कोसी परिक्रमा मार्ग विस्तारीकरण में प्रभावित तहसील सदर, परगना हवेली अवध के ग्राम कुढ़ाकेशवपुर उपरहार की निम्नांकित भूमि का अर्जन, भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम–2013 के अन्तर्गत किया जाना प्रस्तावित हैः–

क्रमांक	जनपद का नाम	तहसील	ग्राम	प्रस्तावित भूमि (हे0में)
1	2	3	4	5
1	अयोध्या	सदर	कूढ़ाकेशवपुर उपरहार	0.024898

नोटः– उक्त प्रस्तावित भूमि का क्षेत्रफल घट भी सकता है।

उक्त भूमि के अर्जन से पूर्व "भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम–2013" के अनुसार सामाजिक समाघात निर्धारण (Social impact Assessment) एवं सामाजिक समाघात प्रबन्धन योजना तैयार करने हेतु प्रतिष्ठित केन्द्रीय / राज्य सरकार / अर्द्ध सरकारी / अन्य संस्थान / गैर सरकारी संस्थान / विश्वविद्यालयों आदि से परियोजना हेतु प्रस्तावित भूमि के सम्बन्ध में अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अध्ययन करने के लिये तकनीकी एवं वित्तीय आवेदन पत्र आमन्त्रित किये जाते हैः–

1– पात्रताः–
अ– सामाजिक समाघात निर्धारण (Social impact Assessment) एवं सामाजिक समाघात प्रबन्धन योजना तैयार करने हेतु प्रतिष्ठित केन्द्रीय / राज्य सरकार / अर्द्ध सरकारी संस्थान / विश्वविद्यालयों द्वारा आवेदन किया जा सकता है।
ब– इच्छुक गैर सरकारी संस्थान प्रश्नगत अधिनियम में कम्पनी / सोसायटी के रूप में पंजीकृत हो अथवा कम से कम पिछले पॉच वर्ष से किसी अन्य सुसंगत अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत हो।
स– संस्थान के पास पर्याप्त मानव संसाधन जिसमें योग्य स्तर के अध्ययन / प्रबंधन के लिए उपयुक्त व्यक्ति, जो शीर्ष और मध्यम स्तर के प्रबंधन स्तर पर कुशल कार्य कर रहे हों।
द– संस्थान के पास पेशेवर प्रबंधन, अर्थशास्त्री, समाज शास्त्री / मानव बैज्ञानिक आदि होने चाहिए, जिसका विवरण आवेदन पत्र के साथ देना अनिवार्य होगा।
य– पूर्व में सामाजिक समाघात अध्ययन का अनुभव रखने वाले संस्थान को वरीयता दी जायेगी।

2– आवेदन का प्रारूपः–
अ– संस्थान द्वारा किये गये आवेदन में संस्थान की संरचना का विवरण शामिल होना चाहिए। सामाजिक प्रभाव अध्ययन / मूल्यांकन करने में त्रुटि के लिए संस्थान जिम्मेदार होगा।
ब– आवेदन के साथ सामाजिक प्रभाव अध्ययन या इसी तरह के जुडे पूर्व में किय गये अध्ययनों का विवरण दिया जाय, जिसमें परियोजना के सम्बन्ध में अध्ययन किये जाने सम्बन्धी समय और स्वरूप का विवरण विस्तार से हो।

3– पात्रता का चयनः–
निर्धारित समय के अन्तर्गत प्राप्त कुल आवेदनों का मूल्यांकन, संस्थान द्वारा दिये गये विवरण के आधार पर किया जायेगा। इस कार्य हेतु उपलब्ध स्टाफ, कार्यरत विशेषज्ञों तथा प्रस्तावित कार्यक्षेत्र अथवा अन्य प्रकार की परियोजनाओं हेतु किये गये पूर्व अध्ययन को शामिल किया जायेगा। अतः संस्था द्वारा इसका विवरण अवश्य अंकित किया जाय।

4– संस्थान के चयन को निरस्त करने के लिये किसी भी कारण का बताया जाना अनिवार्य नहीं होगा।

5– इच्छुक संस्थानों के आवेदन पूर्ण विवरण के साथ कार्यालय में अथवा पंजीकृत डाक से दिनांक 11.02.2026 तक कार्यालय विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी, अयोध्या में स्वीकार किये जायेगें–

6– सामाजिक समाघात निर्धारण (Social impact Assessment) अध्ययन किये जाने के लिए संस्थान द्वारा लिये जाने वाले शुल्क का विवरण (कर सहित) अलग सीलबन्द लिफाफे में दिया जाना होगा। इसके अभाव में आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

नोटः–प्रस्तावित भूमि का पूर्ण विवरण यथा खसरा / क्षेत्रफल / प्रभावित व्यक्ति / मानचित्र आदि कार्यालय विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी, कलेक्ट्रेट, अयोध्या में किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है। आवेदन का प्रारूप जनपद की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

जिला कलेक्टर,
अयोध्या।

UP-245055 दिनांक 30.01.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

ब्रह्मोस का उन्नयन निरंतर चलने वाली परियोजना

मॉस्को। ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों का उन्नयन और आधुनिकीकरण एक निरंतर चलने वाली परियोजना है, जिसका उद्देश्य हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकियों की ओर बढ़ना है। रूसी संयुक्त उद्यम साझेदार एनपीओ माशिनोस्ट्रोयेनिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और मुख्य डिजाइनर अलेक्जेंडर लियोनोव ने उन्नत मार्गदर्शन और नियंत्रण प्रणालियों से लैस ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसे पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों या जमीन से प्रक्षेपित किया जा सकता है।

अमृत विचार
लखनऊ, रविवार, 1 फरवरी 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एयरबस को मिला पहला एच175 हेलीकॉप्टर का ऑर्डर

हैदराबाद। फ्रांस की कंपनी एयरबस कॉर्पोरेट हेलीकॉप्टर्स को एक निजी भारतीय ग्राहक से तीन हेलीकॉप्टरों के लिए ऑर्डर मिले हैं। कंपनी ने शनिवार को बताया कि उसे भारत से एच175 हेलीकॉप्टर के लिए पहला ऑर्डर मिला है। साथ ही दो ओसीएच160 हेलीकॉप्टर के ऑर्डर मिले हैं। उक्त ऑपरेटर के बेड़े में एसीएच160 हेलीकॉप्टर के पहले से शामिल हैं। एच175 दो इंजन वाला सुपर-मीडियम हेलीकॉप्टर है, जिसमें कुल 16 सीटें होंगी। इसकी डिलिवरी इसी साल होने की संभावना है। दो एसीएच160 हेलीकॉप्टरों को ग्राहक विशेष जरूरत के हिसाब से तैयार किया जायेगा और उनकी डिलिवरी अगले साल होगी।

सेल-ई-ब्रेशन रचनात्मक प्रतियोगिता शुरू की

नई दिल्ली। सार्वजनिक इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने भारत सरकार के डिजिटल नागरिक सहभागिता मंच माईगव के सहयोग से सेल-ई-ब्रेशन नामक रचनात्मक प्रतियोगिता शुरू की है। सेल ने कहा कि इस पहल का मकसद नए भारत के निर्माण में इस्पात की भूमिका को डिजिटल कहानी से आम जन तक पहुंचाना है। इस्पात से राष्ट्र निर्माण, सेल है मजबूत भरोसे की पहचान थीम पर आधारित प्रतियोगिता में देश के डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स को रील, चलचित्र और डिजिटल विज्ञापनों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया गया है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का लाभ 48% बढ़ा

नई दिल्ली। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का दिसंबर 2025 को समाप्त तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 48% की वृद्धि के साथ 503 करोड़ रुपये रहा। निजी क्षेत्र के इस ऋणदाता ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 339 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि आलोच्य तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 12,542 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 11,123 करोड़ रुपये थी। बैंक की ब्याज आय भी पिछले वर्ष की समान तिमाही के 9,343 करोड़ रुपये से बढ़कर 10,417 करोड़ रुपये रही। वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) बढ़कर 5,492 करोड़ रुपये रही।

बैंक जमा, निवेश पर समान कर हो लागू

एसबीआई प्रमुख शेट्टी बोले- वित्तीय बचत साधनों के लिए एक समान अवसर होने चाहिए

मुंबई, एजेंसी

- केंद्रीय बजट से एक दिन पहले शेट्टी ने की मांग

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने शनिवार को शेयर (इक्विटी) निवेश और बैंक जमा से होने वाली कमाई पर एक समान कर व्यवस्था लागू करने की वकालत की। केंद्रीय बजट से एक दिन पहले शेट्टी ने कहा कि दुनिया में अन्य कहीं भी कराधान में इस तरह की असमानता नहीं है और अब समय आ गया है कि भारत भी अन्य बाजारों के अनुरूप चले। उन्होंने बैंकिंग कार्यक्रम के इतर कहा कि वित्तीय बचत साधनों के लिए समान अवसर होने चाहिए।

शेट्टी ने बताया कि हालांकि वह बजट के प्रावधानों के बारे में नहीं जानते और इस तरह के कदम से राजकोषीय चुनौतियां भी हो सकती हैं, लेकिन इक्विटी के लिए किसी विशेष व्यवहार की आवश्यकता नहीं है। एक समय में आसान कराधान के माध्यम से इक्विटी निवेश को प्रोत्साहित करना सही रहा होगा, लेकिन आज जिस तरह से जोखिम भरे इक्विटी बाजार में लोगों की रुचि बढ़ रही है, वहां अब ऐसी विशेष रियायत की जरूरत नहीं है। वर्तमान में बैंक जमा पर रिटर्न करदाता के टैक्स स्लैब के अनुसार लगता है, जो 30 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके विपरीत, सूचीबद्ध इक्विटी पर रिटर्न पर रियायती दरें लागू हैं, जिसमें 1.25 लाख रुपये से अधिक के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर 12.5 प्रतिशत और अल्पकालिक पूंजीगत लाभ (एसटीसीजी) पर 15-20 प्रतिशत कर लगता है।

बचतकर्ता खातों में रख रहे केवल न्यूनतम शेष राशि

बैंकर पिछले कुछ समय से इन दोनों वित्तीय साधनों के बीच समानता की मांग कर रहे हैं और जमा राशि जुटाने में आ रही चुनौतियों के कारण अब यह मांग और तेज हो गई है। कई बैंकरों का कहना है कि बचतकर्ता अब काफी समझदार हो गए हैं और वे बैंक खातों में केवल न्यूनतम शेष राशि ही रख रहे हैं। वे बेहतर रिटर्न पाने के लिए अतिरिक्त धन को इक्विटी में लगाना पसंद कर रहे हैं। इससे बैंकों के पास ऋण देने के लिए उपलब्ध संसाधनों में कमी आती है और अक्सर उन्हें कर्ज की मांग को पूरा करने के लिए सरकारी बॉन्ड में निवेश का सहारा लेना पड़ता है या मुद्रा बाजारों से उधार लेना पड़ता है।

आठ नए क्षेत्रों को बढ़ाव देगा स्टेट बैंक का 'चक्र'

मुंबई। सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने आठ नवोदित क्षेत्रों को वित्त पोषण देने के लिए शनिवार को उत्कृष्टता केंद्र चक्र की शुरुआत की। उत्कृष्टता केंद्र जिन आठ क्षेत्रों पर फोकस करेगा उनमें नवीकरणीय ऊर्जा, एडवांस्ड सेल केमिस्ट्री एवं बैटरी स्टोरेज, इलेक्ट्रिक परिवहन, हरित हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर, डी-कार्बनाइजेशन, स्मार्ट बुनियादी ढांचा और डाटा सेंटर अवसंरचना शामिल हैं। बैंक ने बताया कि ये क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के आर्थिक भविष्य के मुख्य चालक के रूप में उभर रहे हैं। 2030 तक इन सेक्टरों में 100 लाख करोड़ के पूंजी निवेश की संभावना है। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने एसबीआई के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी की उपस्थिति में चक्र का उद्घाटन किया। बैंक के प्रबंध निदेशक, अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों एवं वैश्विक बैंकों के प्रतिनिधि, प्रमुख कॉरपोरेट समूह, वित्तीय संस्थान, उद्योग निकाय तथा पारितंत्र से जुड़े अन्य प्रमुख हितधारक भी उपस्थित थे।

अरब देशों से व्यापार और निवेश को प्रगाढ़ बनाएगा भारत : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने अरब देशों के साथ व्यापार और निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा तथा अन्य क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ़ बनाने की भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया है। उन्होंने शनिवार को अरब देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की, जिन्होंने पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में अरब लीग भूमिका की सराहना की।

भारत-अरब विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक के लिए अरब देशों के विदेश मंत्री नई दिल्ली में हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, मोदी ने भारत और अरब जगत के बीच प्रगाढ़ और ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला, जिन्होंने वर्षों से दोनों पक्षों के बीच संबंधों को प्रेरित और मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने आने वाले वर्षों में भारत-अरब साझेदारी को लेकर अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया और पारस्परिक लाभ को व्यापार और निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग और गहरा करने में भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इंडिया सोलर एंड ईवी एक्सपो-2026

ग्रीन एनर्जी आधारित इको-सिस्टम से सशक्त बनेगा प. उप्र

संवाददाता, मेरठ

- ऊर्जा एवं नवीन ऊर्जा स्रोत विभाग के राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर रहे मुख्य अतिथि
- आईआईए मेरठ चैप्टर की ओर से पहली बार मेरठ में 21, 22 एवं 23 फरवरी को होगा आयोजन

अमृत विचार: विक्टोरिया पार्क क्रिकेट ग्राउंड में इंडिया सोलर एंड ईवी एक्सपो-2026 का अनावरण/सॉफ्ट लॉन्च किया गया। कार्यक्रम में ऊर्जा एवं नवीन ऊर्जा स्रोत विभाग के राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि यह एक्सपो ग्रीन एनर्जी और इलेक्ट्रिक व्हीकल क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आयोजकों ने बताया कि आईआईए मेरठ चैप्टर की ओर से पहली बार मेरठ में इंडियन सोलर एंड ईवी एक्सपो-2026 का आयोजन होगा। यह 21, 22 एवं 23 फरवरी 2026 को आईआईए भवन, मोहकमपुर औद्योगिक क्षेत्र में आयोजित होगा। आईआईए का लक्ष्य एक्सपो के माध्यम से 500 करोड़ से अधिक का व्यवसाय करना है। इसका उद्देश्य पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कार्यरत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त और प्रभावी मंच उपलब्ध कराना है, ताकि वे उत्पादों और सेवाओं को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित कर सकें। आयोजकों ने बताया कि एक्सपो में कार्बन न्यूट्रैलिटी, सस्टेनेबिलिटी तथा ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में उद्यमिता के विकास जैसे विषयों पर सेमिनार होंगे। साथ ही प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप घरेलू एवं औद्योगिक उपयोग से जुड़ी सरकारी योजनाओं और प्रोत्साहनों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। पीएम सूर्य घर और पीएम-कुसुम योजना एक्सपो के आकर्षण होंगे। आयोजकों को आशा है कि यह पहल पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ग्रीन एनर्जी आधारित स्टार्टअप इको सिस्टम को सशक्त बनाएगी और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा एवं गति देगी।

अनुपालन बोझ कम करने पर आईबीबीआई का जोर

नई दिल्ली। भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) के चेयरपर्सन रवि मित्तल ने शनिवार को कहा कि नियमों की प्रभावशीलता को बनाए रखते हुए अनुपालन आवश्यकताओं को कम करने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने मजबूत कॉरपोरेट शासन के महत्व पर भी बल दिया। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा ग्रेटर नोएडा में आयोजित वर्ल्ड फोरम ऑफ अकाउंटेंट्स के सत्र में मित्तल के साथ सेबी के प्रमुख तुहिन कांत पांडेय और एनएफआरए के चेयरपर्सन नितिन गुप्ता ने भी विचार साझा किए। मित्तल ने कहा कि कानूनों के बेहतर कार्यान्वयन और कम अनुपालन की आवश्यकता है। उन्होंने जानकारी दी कि आईबीबीआई ने आईआईएम अहमदाबाद से अपने नियमों की समीक्षा करने और अनुपालन आवश्यकताओं को सरल बनाने के लिए कहा है।

देश का चीनी उत्पादन 18.35% बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

- उद्योग निकाय इस्मा के अनुसार 2025-26 में 31 जनवरी तक 1.95 करोड़ टन पहुंचा

देश में चीनी उत्पादन चालू सत्र 2025-26 में 31 जनवरी तक 18.35 प्रतिशत बढ़कर 1.95 करोड़ टन पर पहुंच गया है। उद्योग निकाय इस्मा ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्य उत्पादक राज्यों में उत्पादन बढ़ने से यह वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले सत्र की समान अवधि में चीनी का उत्पादन 1.64 करोड़ टन रहा था। चीनी सत्र अक्टूबर से सितंबर तक चलता है।

भारतीय चीनी एवं जैव-ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) के अनुसार, वर्तमान में देशभर में 515 चीनी मिलें चालू हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 501 मिलें चल रही थीं। देश के सबसे बड़े उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में 31 जनवरी तक चीनी का उत्पादन 42 प्रतिशत बढ़कर 78.7 लाख टन रहा। राज्य में अभी 206 मिलों का परिचालन हो रहा है, जबकि एक साल पहले इनकी संख्या 190 थी। दूसरे सबसे बड़े उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में उत्पादन अब तक 55.1 लाख टन तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग पांच प्रतिशत अधिक है। इस्मा ने कहा कि तीसरे सबसे बड़े उत्पादक राज्य कर्नाटक में भी पेराई की गति तेज रही और वहां उत्पादन पिछले सत्र की इसी अवधि की तुलना में 15 प्रतिशत बढ़ा है। इस्मा ने अनुमान जताया है कि 2025-26 के पूरे सत्र के लिए शुद्ध चीनी उत्पादन 18.6 प्रतिशत बढ़कर 3.09 करोड़ टन रह सकता है, जो पिछले सत्र में 2.61 करोड़ टन था।

चावल सस्ता व गेहूं महंगा, खाद्य तेल और दालों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल के औसत भाव गिर गए जबकि गेहूं में तेजी रही। वहीं, चीनी की कीमतों में कमोबेश टिकाव रहा जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 31 रुपये घटकर 3,810 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं चार रुपये चढ़कर 2,866 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा भी 21 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। दाल-दलहनों में उड़द दाल की कीमत 33 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मसूर दाल 59 और चना दाल 24 रुपये सस्ती हुई। मूंग दाल की कीमत 20 और तुअर दाल की 11 रुपये प्रति क्विंटल घट गई। मूंगफली तेल की कीमत 118 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी।

अडाणी अमेरिकी एसईसी से नोटिस लेने के लिए तैयार, 90 दिनों में देंगे जवाब

- रिश्वत देने की योजना के बारे में निवेशकों को गुमराह करने का आरोप

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली। अरबपति गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) से दीवानी धोखाधड़ी के मुकदमे में कानूनी नोटिस लेने को तैयार हैं। अदालती दस्तावेज से यह जानकारी मिली। इन पर आरोप है कि उन्होंने रिश्वत देने की योजना के बारे में निवेशकों को गुमराह किया।

न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में संघीय अदालत में दायर दस्तावेज के अनुसार एसईसी और गौतम तथा सागर अडाणी के अमेरिका स्थित वकीलों ने कहा कि वकील नियामक के कानूनी कागजात स्वीकार करने को सहमत हो गए हैं। इससे न्यायाधीश को अब फैसला देने की जरूरत नहीं होगी कि प्रतिवादियों को नोटिस कैसे तामिल कराया जाए। यह संयुक्त आवेदन संबंधित अदालत के समक्ष मंजूरी को प्रस्तुत किया गया है। यह कानूनी कार्यवाही में मानक प्रक्रियात्मक कदम है, जो मामलों के समाधान की अनुमति देता है।

टीएमसी से ज्यादा भ्रष्ट कोई सरकार नहीं : शाह

सिलीगुड़ी में भाजपा कार्यकर्ताओं को केंद्रीय गृह मंत्री ने किया संबोधित

- सीमा सुरक्षा उपायों में बाधा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बाड़ के लिए जमीन न देने का लगाया आरोप

कोलकाता/सिलीगुड़ी, एजेंसी

कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सुवेंदु अधिकारी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार जितनी भ्रष्ट कोई और सरकार देश में नहीं है। सिलीगुड़ी में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में उन्होंने राज्य सरकार पर सीमा सुरक्षा उपायों में बाधा डालने और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को जमीन उपलब्ध न कराने का भी आरोप लगाया।

शाह ने कहा कि मैंने संसद में कहा था कि बीएसएफ को बाड़ लगाने के लिए जमीन की जरूरत है। मैंने ममता बनर्जी को सात बार पत्र लिखा। मैं खुद भी उनके कार्यालय गया, लेकिन फिर भी जमीन नहीं दी गई। गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार पश्चिम बंगाल में समुदायों के बीच तनाव को बढ़ावा दे रही है। ममता बनर्जी ने यह सुनिश्चित किया है कि बंगाल में हर समुदाय एक-दूसरे से लड़े, जिससे राज्य की एकता के लिए खतरा पैदा हो रहा है। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर अमित शाह ने कहा कि भाजपा उत्तर बंगाल की सभी सीट पर जीत हासिल करेगी, क्योंकि लोग टीएमसी के सिंडिकेट राज और भ्रष्टाचार से तंग आ चुके हैं।

घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रही टीएमसी

शाह ने आरोप लगाया कि राज्य के अधिकारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने में निर्वाचन का सहयोग नहीं कर रहे। इससे पहले, उत्तर 24 परगना के बैरकपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं की बड़ी बैठक में शाह ने टीएमसी सरकार पर घुसपैठियों को बचाने, भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने और चुनावी फायदे के लिए सीमा सुरक्षा को कमजोर करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार का गठन अब सिर्फ राजनीतिक मकसद नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि 2026 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर हो जाएगी।

सरकार बनते ही 45 दिनों में सीमा पर लगेगी बाड़

शाह ने कहा कि जिस तरह से पश्चिम बंगाल में घुसपैठ हो रही है, वह पूरे देश के लिए सुरक्षा का मुद्दा बन गया है। अदालत के आदेश के बाद भी टीएमसी बीएसएफ को सीमा पर बाड़बंदी के लिए जमीन नहीं दे रही है, क्योंकि घुसपैठिए उसके वोट बैंक हैं। राज्य में प्रशासन और पुलिस अवैध प्रवासियों को नहीं रोक रही है, जिन्हें जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके पूरे देश में भेजा जा रहा है। शाह ने कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट ने स्वीकार किया कि मुख्यमंत्री बनर्जी सीमा पर बाड़ लगाने को भूमि देने में सहयोग नहीं कर रही हैं। चाहे ममता हाईकोर्ट के निर्देश के अनुसार 31 मार्च तक भूमि दें या नहीं, अप्रैल में भाजपा का मुख्यमंत्री बनते ही 45 दिनों में सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा कर दिया जाएगा। असम से तुलना करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद वहां घुसपैठ रुक गई, जबकि कांग्रेस शासन के दौरान ऐसा नहीं था। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर शाह ने कहा, ममता जितना विरोध करना चाहें करें, लेकिन यह प्रक्रिया घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए जारी रहेगी।

नीट अभ्यर्थी की मौत की सीबीआई जांच कराने की सिफारिश

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार ने पटना में नीट परीक्षा की तैयारी कर रही 18 वर्षीय छात्रा की हाल ही में हुई मौत की सीबीआई से जांच कराने की सिफारिश की है। इससे पहले, बिहार पुलिस का विशेष जांच दल (एसआईटी) इसकी जांच कर रहा था।

जहानाबाद की छात्रा इस महीने की शुरुआत में पटना के चित्रगुप्त नगर में हॉस्टल के कमरे में बेहोश मिली थी और कई दिन तक कोमा में रहने के बाद 11 जनवरी को उसकी मौत हो गई। छात्रा के परिवार ने उसका यौन उत्पीड़न होने और अधिकारियों पर मामले को दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। चौधरी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारत सरकार से पटना में नीट छात्रा की हत्या के मामले (केस नंबर- 14/26) की जांच सीबीआई को सौंपने का आग्रह किया है।

राकांपा ने विलय पर साधी चुप्पी गोयल बोले- ऐसी उम्मीद नहीं

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी

- राकांपा (शप) का दावा- अजित दोनों गुटों के विलय की रखते थे इच्छा, शरद पवार ने भी स्वीकारा

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेताओं ने शनिवार को पार्टी के प्रतिद्वंद्वी गुटों के विलय की संभावनाओं पर सतर्कतापूर्ण चुप्पी साधे रखी, जबकि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उन्हें निकट भविष्य में ऐसा होने की कोई उम्मीद नहीं है। दूसरी ओर, राकांपा (शप) के नेताओं ने दावा किया कि अजित पवार दोनों गुटों के विलय की इच्छा रखते थे लेकिन पार्टी प्रमुख शरद पवार ने स्वीकार किया कि अब इस प्रक्रिया में बाधा आ सकती है।

राकांपा के एक गुट का नेतृत्व अजित पवार कर रहे थे और दूसरे की कमान उनके चाचा शरद पवार के पास है। अजित पवार का दो दिन पहले विमान दुर्घटना में निधन हो गया था। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि महाराष्ट्र में महायुति सरकार के हिस्से के रूप में राकांपा ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। गोयल ने राकांपा के दोनों गुटों के विलय की चर्चा पर कहा कि व्यक्तिगत रूप से मुझे ऐसा होता नजर नहीं आ रहा। राकांपा का नेतृत्व पहले अजित पवार के पास था और अब सुनेत्रा पवार के पास है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रफुल्ल पटेल को राकांपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मुझे नहीं लगता कि शरद पवार को राकांपा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा क्योंकि उन्होंने जनता का विश्वास खो दिया है। मुंबई में राकांपा नेताओं प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया।

बंगाल : एनआईए ने बेलडांगा हिंसा की जांच की शुरू

कोलकाता। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में भड़की हिंसा की जांच शनिवार को शुरू की। यह हिंसा झारखंड में इस महीने की शुरुआत में एक प्रवासी मजदूर की मौत की खबर के बाद भड़की थी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

एनआईए की टीम सुबह बेलडांगा पुलिस थाना पहुंची और जांच में पहले से शामिल अधिकारियों से बात की और उनसे दस्तावेज मांगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों का अनुपालन करते हुए संघीय एजेंसी ने नए सिरे से प्राथमिकी दर्ज की है। एनआईए के एक अधिकारी ने बताया कि जांच का मुख्य उद्देश्य यह निर्धारित करना है कि क्या हिंसा किसी संगठित साजिश, भ्रामक जानकारी के प्रसार या सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने के लिए की गई उकसावे की कार्रवाई का परिणाम थी। बेलडांगा और आसपास के इलाकों में 16 जनवरी को उस समय तनाव फैल गया जब खबर आई कि इलाके के प्रवासी मजदूर की झारखंड के आश्रय स्थल पर मौत हो गई है। बिहार में इसी क्षेत्र के एक प्रवासी मजदूर पर हुए हमले की खबर आने के बाद लगभग दो दिनों तक स्थिति अस्थिर बनी रही और इलाके में अशांति की घटनाएं सामने आईं।

फरवरी में तापमान होगा सामान्य से अधिक, बारिश भी होगी कम

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईएमडी के अनुसार, गेहूं और जौ जैसी फसलों में समय से पहले पकने की हो सकती है समस्या, पैदावार होगी कमजोर

देश में फरवरी में मौसम सामान्य से अधिक गर्म रहने और बारिश कम हो सकती है, हिमालयी क्षेत्र में जहां सर्दियों के शुष्क होने को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जोड़ा जा सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को यह जानकारी दी।

आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि पूरे देश में फरवरी में होने वाली बारिश सामान्य से कम होगी और न्यूनतम और अधिकतम तापमान, दोनों सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। गेहूं और जौ जैसी फसलों में समय से पहले पकने की समस्या हो सकती है, जिससे बाली में दाने नहीं बनेंगे और दाने हल्के हो जायेंगे तथा पैदावार कम हो जायेगी। महापात्र ने कहा कि उत्तर-पश्चिमी भारत (जिसमें पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं) में फरवरी में मासिक वर्षा सामान्य से कम रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि दिसंबर और जनवरी के ज्यादातर भागों में पश्चिमी विक्षोभ की गैर मौजूदगी के कारण पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में सर्दियों में मौसम शुष्क बना रहा, जहां 20 जनवरी के बाद ही हिमपात हुआ। समय के साथ पश्चिमी हिमालय में वर्षा में कमी का रुझान देखा गया है, जिससे आईएमडी और अन्य संस्थानों द्वारा किए अध्ययनों में जलवायु परिवर्तन को बताया गया है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन का कौन सा विशेष पहलू पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बारिश में कमी का कारण है।

मोदी के जालंधर दौरे से पहले डेरा बल्लां और दो स्कूलों को बम की धमकी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जालंधर स्थित डेरा सचखंड बल्लां के मुख्यालय का दौरा करने से एक दिन पहले शनिवार को संप्रदाय और दो स्कूलों को बम विस्फोट की धमकियां मिलीं। धमकी भरे ईमेल विद्यालयों को भेजे गए हैं और संदेश के पाठ में डेरा बल्लां को सीधे धमकी दी गई है।

पुलिस प्राधिकारियों ने दोनों स्कूल के परिसर में सुरक्षा जांच शुरू कर दी है और बम निरोधक दस्तों को बुलाया गया है। अवकाश होने के कारण विद्यालयों में छात्र नहीं थे। प्रधानमंत्री का गुरु रविदास जयंती के अवसर पर रविवार को डेरा बल्लां जाने का कार्यक्रम है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। इससे पहले बुधवार को चंडीगढ़ के कई विद्यालयों को धमकियां मिली थीं।

साइबर अपराधों से लोगों को बचाने के लिए मजबूत और प्रभावी तंत्र बनाने की जरूरत

जयपुर, एजेंसी

- साइबर अपराधों पर हाईकोर्ट सख्त, दो अपराधियों की जमानत याचिकाएं कीं खारिज

राजस्थान हाईकोर्ट ने बढ़ते साइबर अपराधों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि कुछ वर्षों में देश में ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में वृद्धि हुई है, जिससे हजारों लोग अपनी मेहनत की कमाई खो रहे हैं। न्यायमूर्ति अनूप कुमार ढंढ ने शनिवार को दो साइबर अपराधियों की जमानत याचिकाएं खारिज करते हुए कहा कि इंटरनेट के माध्यम से होने वाले अपराधों से नागरिकों को बचाने के लिए मजबूत और प्रभावी तंत्र तैयार किया जाना आवश्यक है।

ऑनलाइन बैंकिंग या किसी भी डिजिटल लेन-देन से पहले लोगों को जागरूक करना बेहद जरूरी है। इसके लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया, टेलीविजन और एफएम रेडियो के माध्यम से व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए, ताकि लोग डिजिटल धोखाधड़ी का शिकार होने से बच सकें। हाईकोर्ट ने साइबर ठगी की शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को सरल और तेज करने पर भी ज़ोर दिया। न्यायालय के अनुसार, शिकायत प्रणाली जटिल होने के कारण कई पीड़ित समय रहते मदद नहीं ले पाते, जिससे उनका पैसा वापस पाना कठिन हो जाता है।

अदालत ने केंद्र और राज्य सरकारों के वित्त एवं गृह मंत्रालयों, राजस्थान के पुलिस महानिदेशक और रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया को निर्देश दिये हैं कि वे मिलकर ऐसा तंत्र विकसित करें, जिससे ग्राहकों की मेहनत की कमाई अनधिकृत लेन-देन से सुरक्षित रहे। साथ ही, न्यायालय ने ग्राहकों का डेटा बेचकर अपराधियों को फायदा पहुंचाने वाली सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिये। अदालत ने कहा कि साइबर अपराध केवल तकनीकी चुनौती नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा का गंभीर मुद्दा बन चुके हैं।

एपस्टीन फाइल्स का खुलासा, बिल गेट्स पर यौन रोग से संक्रमित होने का आरोप

- कई हाई प्रोफाइल हस्तियों से जुड़े दावों को फिर से दी हवा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी न्याय विभाग ने शुक्रवार को दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों का विशाल जखीरा जारी किया। इसमें 30 लाख से अधिक पृष्ठों के रिकॉर्ड, 2,000 से अधिक वीडियो और 1,80,000 तस्वीरें शामिल हैं। इस खुलासे ने माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स सहित कई हाई-प्रोफाइल हस्तियों से जुड़े उन दावों को फिर से हवा दे दी है जिनका सत्यापन नहीं हो पाया था।

इन दस्तावेजों में एपस्टीन के कथित तौर पर लिखे गए ईमेल का प्रारूप शामिल हैं, जिनमें आरोप लगाया गया है कि एपस्टीन के निजी द्वीप लिटिल सेंट जेम्स की यात्रा के दौरान बिल गेट्स रूसी लड़कियों के जरिए एक यौन संचारित रोग (एसटीडी) की चपेट में आ गए थे।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की निगरानी समिति के डेमोक्रेटिक सदस्यों के जांच के हिस्से के रूप में जारी की गई तस्वीरों में एक होटल गेट्स अलग-अलग मौकों पर अलग-अलग कई युवतियों के साथ दिख रहे हैं। इन तस्वीरों में युवतियों का चेहरा छिपा दिया गया है।

दस्तावेजों में मीरा नायर का भी नाम

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्याय विभाग की ओर से सार्वजनिक की गई जेफरी एपस्टीन संबंधी फाइलों से पता चलता है कि भारतीय फिल्म निर्माता मीरा नायर ने दोषी यौन तस्कर घिसलेन मैक्सवेल के टाउनहाउस में एक फिल्म की आफ्टर पार्टी में हिस्सा लिया था। न्यूयॉर्क शहर के महापौर जोहरान ममदानी की मां नायर का नाम उन ईमेल में से एक में सामने आया है, जो जेफरी एपस्टीन से संबंधित जांच की अतिरिक्त फाइलों का हिस्सा हैं।

डिजिटल दीवानगी का खूनी खेल

रील एडिक्शन

आज के डिजिटल युग में रील शब्द किसी परिचय का मोहताज नहीं है। इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर चंद सेकंड के वीडियो (रील्स) लोगों के मनोरंजन का सबसे बड़ा साधन बन चुके हैं। लेकिन, मनोरंजन की यह सीमा कब मौत के स्टंट में तब्दील हो गई, इसका अंदाजा शायद उन युवाओं को भी नहीं रहा जो कैमरे के सामने खड़े होते हैं। सोशल मीडिया पर लाइक्स, शेयर और रातों-रात वायरल होने की सनक ने एक ऐसा खतरनाक माहौल पैदा कर दिया है, जहां लोग अपनी और दूसरों की जान को दांव पर लगाने से भी नहीं कतरा रहे हैं। आंकड़े गवाह हैं कि सेल्फी और रील बनाने के चक्कर में होने वाली मौतों के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है। ट्रेन की पटरियों पर दौड़ते हुए वीडियो बनाना, ऊंची इमारतों की छतों पर स्टंट करना खतराए जान बन चुकी है।

सुरक्षा के साथ मनोवैज्ञानिक संकट

- यह न केवल एक सुरक्षा संबंधी मुद्दा है, बल्कि बड़ा मनोवैज्ञानिक संकट भी है। युवा पीढ़ी के लिए सोशल मीडिया पर मिलने वाली डिजिटल अटेंशन एक तरह के डोपामाइन रश की तरह काम करती है, जो उन्हें अधिक जोखिम लेने के लिए उकसाती है। सरकार और प्रशासन समय-समय पर इसके खिलाफ एडवाइजरी जारी करते हैं, लेकिन व्यक्तिगत जिम्मेदारी और सामाजिक जागरूकता के बिना इन हादसों को रोकना एक बड़ी चुनौती बना रहेगा। इस समस्या की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि केवल उत्तराखंड में ही पिछले दो वर्षों में रेलवे ट्रैक पर होने वाली मौतों में 63% की वृद्धि हुई है, जिसका मुख्य कारण रील और सेल्फी का शौक बताया गया है।

बचाव के कुछ उपाय

- तकनीकी हस्तक्षेप : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को ऐसे एल्गोरिदम विकसित करने चाहिए जो खतरनाक स्टंट वाले वीडियो को प्रमोट करने के बजाय उन्हें सेंसर करें।
- प्रशासनिक सख्ती : पर्यटन स्थलों, झरनों और ऊँची चोटियों पर नो रील/नो सेल्फी जोन चिन्हित किए जाने चाहिए।
- शैक्षणिक जागरूकता : स्कूलों और कॉलेजों में डिजिटल साक्षरता और सोशल मीडिया के मानसिक दुष्प्रभावों के बारे में वर्कशॉप आयोजित की जानी चाहिए।
- कानूनी कार्रवाई : खतरनाक रील बनाने वालों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने और भारी जुर्माने का प्रावधान होना चाहिए।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार रील बनाने की सनक डिजिटल वैनिटी का हिस्सा है। लोग असली जिंदगी से भागकर एक आभासी दुनिया में आदर्श छवि बनाना चाहते हैं, जिससे वे खतरनाक परिस्थितियों को भांप नहीं पाते हैं।

सरकार के निर्देश और नियम

- आईटी नियम 2025-26 : केंद्र सरकार ने आईटी एमेंडमेंट रूल्स 2025 के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को हानिकारक और अश्लील सामग्री पर रोक के सख्त निर्देश दिए हैं।
- पुलिस की कार्रवाई : कई राज्यों की पुलिस (जैसे हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश) ने खतरनाक सड़कों और रेलवे पटरियों पर रील बनाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना शुरू कर दिया है।
- बीएनएस की धाराएं : भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत सार्वजनिक स्थानों पर जान जोखिम में डालने वाले कृत्यों पर दंड का प्रावधान है। उदाहरण के लिए, वंदे भारत ट्रेन के ट्रैक पर अवरोध उत्पन्न कर रील बनाने वालों को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान में एक इमारत में धमाका, चार की मौत

तेहरान। ईरान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत खुज़ेस्तान में शनिवार को एक रिहायशी इमारत में गैस धमाके में चार लोगों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी आईआरएनए ने शहर के अग्निशमन विभाग के प्रमुख बावक रबीई के हवाले से बताया कि यह घटना प्रांतीय राजधानी अहवाज़ में स्थित चार यूनिट वाली इमारत में गैस लीक होने के कारण हुई। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मियों और बचाव दल को घटनास्थल पर भेजा गया है।

बैलेस्टेरास की तांबे की प्रतिमा के टुकड़े मिले

मैड्रिड। स्पेन के दिग्गज गोल्फ खिलाड़ी सेवे बैलेस्टेरोस की उनके गृहनगर पेड्रेना से चोरी हुई तांबे की आदमकद प्रतिमा को पुलिस ने एक स्टोर से कई टुकड़ों में बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि करीब 30 हजार यूरो (लगभग 27 लाख रुपये) मूल्य की इस प्रतिमा को चोरों ने टुकड़ों में काट दिया था और वे इसे कौड़ियों के भाव बेचने की तैयारी में थे। स्पेन के कैंटाब्रिया क्षेत्र स्थित सेंटेंडर के एक स्टोर रूम से बरामद इस प्रतिमा का कमर से कटा आधा हिस्सा मिला। इसका धड़ और सिर सुरक्षित हैं, लेकिन इसके हाथ कई टुकड़ों में टूट हुए पाए गए। पुलिस ने इस मामले में तांबा चोरी के पुराने अपराधी एक 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है।

वेनेजुएला में रिहा होंगे राजनैतिक बंदी

काराकस। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने शुक्रवार को एक ऐसे विधेयक की घोषणा की, जिसके जरिए सैकड़ों कैदियों की रिहाई का रास्ता खुल सकता है। इनमें राजनीतिक कारणों से हिरासत में लिए गए विपक्षी नेता, पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता भी शामिल हैं। अमेरिका समर्थित विपक्ष लंबे समय से ऐसे कदम की मांग करता रहा है। यह तीन जनवरी को देश की बागडोर संभालने के बाद रोड्रिगेज द्वारा दी गई नई रियायत मानी जा रही है।

झड़पों में 37 बलूच लड़ाकों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों और बलूच लड़ाकू के बीच हुई झड़प में कम से कम 10 सुरक्षा अधिकारी मारे गए और 37 बलूच लड़ाकों की मौत हो गई। सुरक्षा सूत्रों ने शनिवार को बताया कि प्रतिबंधित बलूचिस्तान मुक्ति सेना (बीएलए) ने शनिवार सुबह-सुबह क्वेटा, नोशकी और ग्वादर जिलों सहित 12 से ज़्यादा जगहों पर एक साथ हमले किये। पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई में 37 लड़ाके मारे गए।

अमेरिकी जंगी बेड़े के करीब ईरान करेगा युद्धाभ्यास, एलान से तनाव

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय की चेतावनी, हरमुज में सुरक्षित रूप से अभ्यास करे ईरान

- युद्धपोतों के ऊपर से उड़ान को बर्दाश्त नहीं करेगा अमेरिका

फ्लोरिडा/दुबई, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान की तरफ अपना सबसे बड़ा सैन्य बेड़ा भेजा है, जिससे पश्चिम एशिया में मौजूदा तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। वहीं ईरान ने भी मोर्चा संभालते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य में दो दिवसीय नौसैनिक अभ्यास की घोषणा की है। इस पर अमेरिकी सेना के केंद्रीय कमान ने ईरानी सेना को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह अमेरिकी युद्धपोतों के ऊपर से उड़ान भरने जैसे असुरक्षित युद्धाभ्यास को बर्दाश्त नहीं करेगा।

अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के अधीन आने वाली केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने ईरान की इस्लामी रेवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) से कहा है कि वह रविवार से हरमुज़ की खाड़ी में शुरू होने वाला अपना नौसैनिक अभ्यास सुरक्षित तरीके से करे और किसी भी अनावश्यक जोखिम को जन्म न दे। सेंटकॉम ने कहा कि आईआरजीसी नौसैनिक अभ्यास को इस तरह से करे जो सुरक्षित, पेशेवर हो और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री यातायात के लिए नौपरिवहन की आज़ादी को अनावश्यक जोखिम से बचाए। हरमुज़ खाड़ी एक अंतर्राष्ट्रीय समुद्री मार्ग है और एक ज़रूरी व्यापार गलियारा है, जो क्षेत्रीय आर्थिक समृद्धि में मदद करता है।

ईरान ने गुरुवार को एलान किया था कि वह हरमुज़ की खाड़ी में रविवार से नौसैनिक अभियान शुरू करेगा। ईरानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की नौसेना एक और दो फरवरी को हरमुज खाड़ी में गोलीबारी के साथ अभ्यास करेगी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने पश्चिमी एशिया में अपना विमान वाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन भी तैनात किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका हवाला देते हुए ईरान से अपनी शर्तें मानने के लिए भी कहा है।

पुतिन से मिले ईरानी सुरक्षा प्रमुख लारीजानी

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन में ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी का स्वागत किया। यह एक अघोषित उच्च स्तरीय बैठक थी। ईरान के शीर्ष नेता अली खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार लारीजानी को पिछले साल अगस्त में इस पद पर नियुक्त किया गया था। इससे पहले वह ईरान के परमाणु केंद्रों पर अमेरिकी हवाई हमलों के बाद मॉस्को आए थे। क्रेमलिन ने कहा कि राष्ट्राध्यक्ष ने क्रेमलिन में रूस की यात्रा पर आए ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी का स्वागत किया। यह नहीं बताया गया कि दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत हुई।

ईरान बातचीत के लिए तैयार : ट्रंप

वाशिंगटन। पश्चिमी एशिया में बढ़ती अमेरिका की सैन्य उपस्थिति के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा कि ईरान के साथ बातचीत शुरू करने के लिए एक अंतिम तारीख तय की गई है, हालांकि उन्होंने सही समय नहीं बताया। ईरान के पास एक अमेरिकी नौसैनिक पोत की तैनाती का ज़िक्र करते हुए कहा, उम्मीद है, हम एक समझौता करेंगे। अगर हम समझौता नहीं करते हैं, तो देखेंगे क्या होता है। अमेरिका ने जहां बातचीत के लिए तैयारी दिखाई, वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ईरान का रुख दोहराया। उन्होंने कहा कि ईरान आपसी हितों और सम्मान के आधार पर बातचीत को तैयार है।

इजराइल, सऊदी अरब को हथियार देगा अमेरिका

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने ईरान में अशांति को लेकर तनाव के बीच पश्चिमी एशिया में अमेरिका के दो बड़े सहयोगी देशों, इज़राइल और सऊदी अरब को कुल 15.67 अरब अमेरिकी डॉलर के हथियारों की बिक्री को मंज़ूरी दे दी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सौदे को मंज़ूरी दे दी है। इज़राइल को 6.67 अरब डॉलर की नई बिक्री में चार अलग-अलग पैकेज शामिल हैं, जिसमें रॉकेट लॉन्चर और आधुनिक टारगेटिंग गियर से लैस 30 अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर शामिल हैं। इसके अलावा इज़राइली सेना के लिए संचार लाइनें बढ़ाने के मकसद से 3,250 हल्के टेक्टिकल वाहन शामिल हैं। सऊदी अरब को नौ अरब डॉलर की बिक्री में 730 पैट्रियट मिसाइलें और संबंधित उपकरण शामिल हैं। इसका मकसद एक प्रमुख क्षेत्रीय गैर-नाटो सहयोगी का समर्थन करना है। विदेश विभाग ने कहा कि उसने पहले ही कांग्रेस को इन बिक्री की मंज़ूरी के बारे में सूचित कर दिया था। सऊदी अरब अमेरिका का एक प्रमुख सहयोगी और नाटो भागीदार है। उसने 730 पैट्रियट-3 मिसाइल इंटरसेप्टर खरीदने का अनुरोध किया था।

हमने सिर झुकाया, किया आत्मसम्मान से समझौता

- विदेशी ऋण पाने में अपमान पर बोले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मित्र देशों से वित्तीय सहायता मांगने में अपमानजनक स्थिति का जिक्र करते हुए इस बात को खुलकर स्वीकारा कि विदेशी ऋण लेने की मजबूरी में पाकिस्तान को अपना सिर झुकाना पड़ा है और आत्मसम्मान की कीमत पर समझौता करना पड़ा। इस्लामाबाद में शुक्रवार को देश के प्रख्यात व्यापारियों और निर्यातकों के सम्मान में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए शरीफ ने उस कठिन दौर को याद किया जब पाकिस्तान को दिवालियापन के डर का सामना करना पड़ा था और कुछ लोग इसे (पाकिस्तान को) तकनीकी रूप से विफल होने के कगार पर बता रहे थे।

उन्होंने कहा कि जब हमने पदभार संभाला, तब आर्थिक स्थिति बेहद नाजुक थी और आम आदमी को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। प्रधानमंत्री ने 2023 में पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के प्रबंध निदेशक के साथ अपनी मुलाकात का जिक्र किया जिसके बाद वैश्विक ऋणदाता ने एक आर्थिक कार्यक्रम को मंजूरी दी जिससे देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में मदद मिली। शरीफ ने कहा कि मित्र देशों ने मुश्किल समय में पाकिस्तान का पूरा समर्थन किया है और उन्होंने सेना प्रमुख एवं रक्षा बलों के प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ मिलकर कई देशों के नेताओं से अरबों डॉलर के ऋण मांगने के लिए मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मैं कैसे बताऊं कि हमने मित्र देशों से ऋण के लिए किस तरह अनुरोध किया? मित्र देशों ने हमें निराश नहीं किया।

चुकानी पड़ती है ऋण की कीमत

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऋण से दायित्व भी उत्पन्न होते हैं जिन्हें पूरा करना होता है। उन्होंने कहा कि जब आप ऋण लेने जाते हैं तो आपको अपने आत्मसम्मान की कीमत चुकानी पड़ती है। आपको समझौता करना पड़ता है। कभी अनुचित मांगें सामने आ सकती हैं, उन्हें पूरा करना पड़ सकता है।

हवाई अड्डे से 9.5 करोड़ रुपये का गांजा पकड़ा गया

हैदराबाद। तेलंगाना में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग 9.5 करोड़ रुपये का 27.15 किलो गांजा जब्त किया और सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया। हैदराबाद क्षेत्रीय इकाई के डीआरआई अधिकारियों ने 30 जनवरी को सुबह करीब 1.15 बजे थाई एयरवेज की उड़ान टीजी-329 से बैंकॉक से आ रहे चार भारतीय अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को उनके तीन साथियों के साथ उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वे प्रतिबंधित सामान का लेन-देन कर रहे थे। जांच में ट्रॉली बैग से कई पैकेट बरामद किए। उसका 27.15 किलो वजन वाले इस पदार्थ का मादक पदार्थों का पता लगाने वाली किट से परीक्षण किया गया।

पूर्वी कांगो में खदान ढहने से 200 लोगों की चली गई जान

- बारिश के चलते भूस्खलन से हुआ हादसा, कई लोग अभी फंसे

गोमा (कांगो), एजेंसी

पूर्वी कांगो में एक प्रमुख कोल्टन (कोलंबाइट-टैंटलाइट) खनन स्थल पर भूस्खलन के कारण कई खदानें ढह जाने से कम से कम 200 लोग मारे गए। विद्रोहियों की इकाई ने यह जानकारी दी। विद्रोहियों की इकाई द्वारा नियुक्त उत्तरी किवू प्रांत के गवर्नर के प्रवक्ता लुमुम्बा कंबेरे मुयिसा ने बताया कि यह भूस्खलन बुधवार को रुबाया खदानों में हुआ जो विद्रोहियों के नियंत्रण में हैं। उन्होंने कहा कि भूस्खलन भारी बारिश के कारण हुआ।

मुयिसा ने कहा कि फिलहाल 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से कुछ अब भी कीचड़ में फंसे हुए हैं और उन्हें निकाला नहीं जा सका है। उन्होंने बताया कि घटना में कई अन्य लोग घायल हुए हैं और उन्हें रुबाया कस्बे के तीन स्वास्थ्य केंद्रों में ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि शनिवार को घायलों को एंबुलेंस से निकटतम शहर गोमा ले जाया जाएगा। मुयिसा ने बताया कि उत्तरी किवू की विद्रोही इकाई द्वारा नियुक्त गवर्नर ने अस्थायी रूप से खनन कार्य पर रोक लगा दी और खदान के पास आश्रय बनाने वाले निवासियों को हटाने का आदेश दिया है। रुबाया पूर्वी कांगो के मध्य में है जो मध्य अफ्रीकी राष्ट्र का खनिज-समृद्ध हिस्सा है और दशकों से सरकारी बलों तथा रवांडा समर्थित एम23 सहित विभिन्न सशस्त्र समूहों की हिंसा से त्रस्त है।

केंद्र ने आईजी पद पर तैनाती के नियम बदले

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने आईपीएस के अधिकारियों की केन्द्र में पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के पद पर तैनाती के नियमों में बदलाव करते हुए कहा है कि इसके लिए केन्द्र में एसपी या डीआईजी पद पर दो वर्ष तक कार्य का अनुभव अनिवार्य है। यह नियम वर्ष 2011 के बैच और उसके बाद के आईपीएस अधिकारियों पर लागू होगा। इसका उद्देश्य नेतृत्व वाले वरिष्ठ पदों पर पदोन्नति से पहले अधिकारियों के लिए केंद्रीय स्तर पर पर्याप्त अनुभव सुनिश्चित करना है। आदेश में कहा गया है कि वर्ष 2011 बैच और उसके बाद के आईपीएस अधिकारियों के लिए केन्द्र में आईजी के लिए एसपी या डीआईजी स्तर पर दो वर्ष की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति अनिवार्य है।

गाजा में इजराइली हमलों में बच्चों सहित 30 फिलिस्तीनियों की मौत

- मृतकों में दो परिवारों की दो महिलाएं व छह बच्चे भी शामिल

गाजा पट्टी, एजेंसी

गाजा में शनिवार तड़के इजराइल द्वारा किए गए हमलों में 30 फलस्तीनियों की मौत हो गई। अक्टूबर में हुए संघर्ष विराम के बाद इजराइली हमले में मारे गए लोगों की यह सबसे अधिक संख्या है। विभिन्न अस्पतालों के अधिकारियों ने बताया कि इजराइल द्वारा हमास पर संघर्ष विराम उल्लंघन का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद गाजा में कई स्थानों पर हमले हुए, जिनमें एक इमारत और खान यूनिस में तम्बू वाले एक शिविर पर घातक हमले शामिल हैं।

इन हमलों में जान गंवाने वाले लोगों में दो अलग-अलग परिवारों की दो महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। शिफा अस्पताल के निदेशक मोहम्मद अबू सेल्मिया ने बताया कि गाजा शहर में एक थाने पर भी हवाई हमला हुआ, जिसमें 14 लोग मारे गए और कई अन्य लोग घायल हो गए। नासिर अस्पताल ने कहा कि तम्बू वाले शिविर पर हमले के कारण आग लग गई, जिसमें एक व्यक्ति, उसके परिवार के छह सदस्यों सहित सात लोग मारे गए। मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। शिफा अस्पताल ने कहा कि शनिवार सुबह गाजा सिटी अपार्टमेंट इमारत पर हमले में तीन बच्चों, उनकी चाची और दादी की मौत हो गई, पुलिस थाने पर हमले में चार महिला पुलिसकर्मियों सहित 11 अधिकारियों और हवालात में बंद कैदियों की मौत हो गई।

हमले संघर्ष विराम का खुला उल्लंघन

हमास ने शनिवार के हमलों को नए सिरे से खुला उल्लंघन कहा तथा अमेरिका और अन्य मध्यस्थ देशों से आग्रह किया कि वे इजराइल पर हमले रोकने के लिए दबाव डालें। एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि एक दिन पहले संघर्ष विराम का उल्लंघन किए जाने के जवाब में इजराइल ने शुक्रवार देर रात से शनिवार तड़के तक हमले किए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 10 अक्टूबर को संघर्ष विराम शुरू होने के बाद से इजराइली गोलीबारी में 509 के मारे जाने का दावा किया।

आज का भविष्यफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 1 फरवरी, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 2 फरवरी 03 .38 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

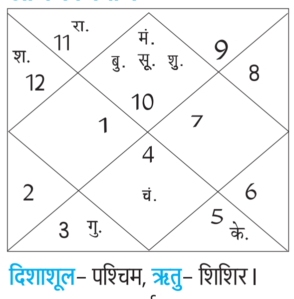

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- पुष्य 23 .58 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

मेष - आज दूसरों के भरोसे अपने जरूरी काम न छोड़ें। हालांकि पहले की गई मेहनत सुखद परिणाम दे सकती है। परिजनों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में कुछ नई योजना बना सकते हैं। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ी परेशानी रहेगी।

वृष - आज मन में अज्ञात भय का प्रभाव रहने वाला है। कर्मचारियों की गतिविधियों की जानकारी रखें। आप में सकारात्मक ऊर्जा की अधिकता रहेगी। अपने लक्ष्य पर पूरा फोकस बनाए रखें। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन - आज व्यवसाय में आपका प्रदर्शन बेहतरीन रहेगा। आप अपनी जॉब को बदलने का विचार बना सकते हैं। आपके आदर्शों और व्यवहार की प्रशंसा होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। बड़े भाई-बहनों के साथ व्यवहार में कड़वाहट हो सकती है।

कर्क - आज अनावश्यक कार्यों में अपना समय बर्बाद न करें। बुजुर्ग आपसे नाराज हो सकते हैं। धार्मिक आयोजन में जाने का अवसर मिल सकता है। संतान के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। रुके हुए निर्माण कार्यों को दोबारा शुरू कर सकते हैं।

सिंह - आज घर में मांगलिक कार्यक्रम की योजना बना सकते हैं। नए लोगों से दोस्ती करने से बचें। आपकी दिनचर्या अच्छी नहीं रहेगी। व्यवसाय में धन का नुकसान होगा। बच्चों से व्यवहार अच्छा रखें। आपका मन किसी कारण खराब हो सकता है।

कन्या - आज अपना मनोबल और आत्मविश्वास बनाए रखें। दोपहर के बाद आपको शुभ समाचार मिलेंगे। संतान की उन्नति से मन प्रसन्न रहेगा। जिम्मेदार व्यक्तियों का मार्गदर्शन मिलेगा। व्यस्तता के बावजूद परिवार के लिए समय निकालेंगे।

तुला - आज शाम के समय मित्रों के साथ भोजन का आनंद ले सकते हैं। प्रेम-प्रसंग में नजदीकियां बढ़ेंगी। बच्चों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। किसी इंटरव्यू में बैठ रहे हैं, तो आपको काफी अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

वृश्चिक - आज विरोधी आपकी आलोचना कर सकते हैं। कर्मचारियों की गतिविधियों की जानकारी रखें। आप में सकारात्मक ऊर्जा की अधिकता रहेगी। अपने लक्ष्य पर पूरा फोकस बनाए रखें। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे।

धनु - आज आवश्यक कार्यों को दोपहर से पहले पूर्ण कर लें। संपत्ति के क्रय-विक्रय से धन लाभ होगा। वैवाहिक संबंधों का तनाव दूर होगा। लोग आपके कार्यों की आलोचना कर सकते हैं। जीवन में आपको बड़े परिवर्तन करने से बचना चाहिए।

मकर - आज व्यापार में बिक्री बढ़ सकती है। त्वरित प्रतिक्रिया देने से बचें। आप अपने परिजनों को पूरा समय देंगे। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। परोपकार के कार्यों में मन लगाएंगे। विद्यार्थी पढ़ाई में व्यस्त हो सकते हैं।

कुंभ - आज आपको नए अनुभवों के लिए तैयार रहना चाहिए। आप जिन अवसरों को तलाश रहे थे, वे आपको प्राप्त हो सकते हैं। नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों को परेशानी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में अपनी उपलब्धियों को लेकर असंतुष्ट हो सकते हैं।

मीन - आज सभी कार्यों को समय से पूर्ण कर लेंगे। विद्यार्थियों को परीक्षा में उत्तम परिणाम मिलने के योग बन रहे हैं। घुटनों में दर्द की शिकायत हो सकती है। करियर को लेकर किसी से सलाह लेना उचित नहीं है। प्रेमीजन के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

सुडोकू-48

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	6		9		1			
9		3		2			5	
				7		3		
5			8			7		
		4						1
		2			6			5
				6				9
	1			8		4	7	
			4		7		1	

सुडोकू - 47 का हल

7	6	1	9	5	4	2	8	3
2	3	9	6	1	8	5	7	4
4	5	8	3	2	7	1	9	6
5	9	7	1	4	6	3	2	8
1	8	6	7	3	2	4	5	9
3	4	2	8	9	5	6	1	7
9	7	5	4	6	1	8	3	2
8	1	4	2	7	3	9	6	5
6	2	3	5	8	9	7	4	1

टी-20 क्रिकेट में बेशक हमारी टीम सबसे अच्छी टीम में से एक है– आपका दिन कभी भी खराब हो सकता है। लेकिन अगर आप क्रिकेट की बात कर रहे हैं तो आपको टेस्ट क्रिकेट की बात करनी होगी।
–कपिल देव

हाईलाइट

कपिल ने टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देने पर जोर दिया

नई दिल्ली। भारत के महान क्रिकेटर कपिल देव का मानना है कि विश्व कप के लिए उतरने से पहले राष्ट्रीय टीम टी20 क्रिकेट में सबसे मजबूत दावेदारों में से एक बनी हुई है लेकिन उन्होंने जोर दिया कि टेस्ट क्रिकेट को इस खेल की नींव बनाए रखना चाहिए। भारत की तैयारी पर बात करते हुए कपिल ने कहा कि जहां सबसे छोटा प्रारूप लोकप्रिय हुआ है तो वहीं खेल की बेहतर सेहत सुनिश्चित करने के लिए लंबे प्रारूप पर भी उतना ही ध्यान देना चाहिए। विश्व कप 1983 में भारत की खिताबी जीत के दौरान टीम के कप्तान रहे कपिल ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा उन्होंने कहा एकदिवसीय क्रिकेट को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मैं समझता हूं कि टी20 क्रिकेट रोमांचक है लेकिन खेल का आधार टेस्ट क्रिकेट है और हमें इसके साथ एकदिवसीय क्रिकेट में भी अधिक समय निवेश करना चाहिए।

गुकेश की खिताब की उम्मीदें खत्म

विक आन जी। डी गुकेश ने हमवतन अराविंद चिदंबरम से ड्रॉ खेला जिससे टाटा स्टील मास्टर्स 2026 में इस मौजूदा विश्व चैम्पियन की खिताब की उम्मीदें खत्म हो गई। आर प्रज्ञानानंदा भी विंसेंट केमर के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सके। साल के पहले सुपर टूर्नामेंट में दो दौर ही बाकी हैं और उजबेकिस्तान के सिंदारोव तथा अब्दुसत्तोरोव सात सात अंक लेकर शीर्ष पर हैं। हाल ही में विश्व शतरंज कप जीतने वाले सिंदारोव ने अर्जुन एरिगेसी को हराया। गुकेश का सामना अब नीमैन और फिर केमर से होगा।

सैम करन ने टी20 हैट्रिक ली

पल्लेकेले। इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन अपने देश के दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने टी 20 हैट्रिक ली है। इंग्लैंड ने शुक्रवार को पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में श्रीलंका को 11 रन (डीएलएस मेथड) से हराया। करन ने श्रीलंका के निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया, उन्होंने लगातार गेंदों पर दासुन शनाका, महेश थीक्षाना और मथीशा पथिराना को आउट किया। इस तरह क्रिस जॉर्डन के टी20 इंटरनेशनल में यह उपलब्धि हासिल करने के बाद करन ऐसा करने वाले इंग्लैंड के दूसरे गेंदबाज बन गए हैं।

आस्ट्रेलियाई ओपन महिला एकल खिताब के साथ एलेना रिबाकिना व उपविजेता दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका।

इतिहास रचने उतरेंगे जोकोविच और अल्काराज

मेलबर्न, एजेंसी

थकान और खुशी के पल में नोवाक जोकोविच ने भीड़ में मार्गरेट कोर्ट को पहचान लिया और उन्हें इतनी देर तक जागकर उन्हें अब तक के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बनने से सिर्फ एक जीत दूर पहुंचते हुए देखने के लिए धन्यवाद दिया। रोड लेवर एरिना में 83 साल की कोर्ट दो बार के गत ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर पर जोकोविच की पांच सेट की जीत के दौरान वीआईपी दर्शकों के बीच मौजूद थीं। यह मुकाबला शनिवार सुबह डेढ़ बजे खत्म हुआ।

ये दोनों 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब का सर्वकालिक रिकॉर्ड साझा करते हैं, लेकिन रविवार को यह बदल सकता है। सिनर पर जोकोविच की कड़ी जीत ने शीर्ष रैंकिंग वाले अल्काराज के खिलाफ खिताबी मुकाबला तय किया। स्पेन का 22 साल का यह खिलाड़ी करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनने की राह पर है। अल्काराज और सिनर मिलकर अब तक जोकोविच को 25वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने से रोकने में सफल रहे हैं। दोनों ने पिछले आठ ग्रैंडस्लैम खिताब बराबर संख्या में जीते हैं। सेमीफाइनल में जीत के बाद जोकोविच ने कोर्ट को धन्यवाद दिया।

मर्टेन्स और झेंग, हैरिसन और स्कुप्स्की ने युगल खिताब जीता

मेलबर्न। एलिस मर्टेन्स ने शनिवार को चीन की झेंग शुआई के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर महिला युगल में नंबर एक रैंकिंग पर वापसी की जबकि अमेरिका के क्रिश्चियन हैरिसन और ब्रिटेन के नील स्कुप्स्की ने पुरुष युगल खिताब जीता। चार साल बाद एक टीम के तौर पर वापसी करने वाली मर्टेन्स और झेंग पहले सेट में 0-3 और 1-4 से पीछे थीं लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए कजाखस्तान की एना डैनिलिना और सर्बिया की एलेक्जेंड्रा क्रूनिक को 7-6, 6-4 से हराया। पुरुष युगल के फाइनल में हैरिसन ने मैच प्वाइंट पर ऐस लगाकर स्कुप्स्की के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया के जेसन कुबलर और मार्क पोलमैन्स की जोड़ी को 7-6, 6-4 से शिकस्त दी। कुबलर का अपने घरेलू ग्रैंडस्लैम फाइनल में उतरने से पहले जीत-हार का रिकॉर्ड 14-3 था।

यूएस के क्रिश्चियन हैरिसन और ब्रिटेन के नील स्कुप्स्की।

ईशान ने लगाया तूफानी शतक
भारत का टी20 सीरीज पर कब्जा

न्यूजीलैंड को पांचवें व अंतिम मैच में 46 रनों से हराया, अर्शदीप ने पांच विकेट झटके

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

ईशान किशन के पहले टी20 शतक ने स्थानीय सितारे संजू सैमसन की नाकामी की भरपाई कर दी और उनके साथ अर्शदीप सिंह ने पांच विकेट लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को पांचवें और आखिरी मैच में भारत को 46 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने श्रृंखला 4-1 से जीतकर अगले सप्ताह शुरू हो रहे टी20 विश्व कप की तैयारी पुख्ता कर ली।

भारत के लिए ईशान ने 43 गेंद में 103 रन बनाए जिसमें छह चौके और दस छक्के शामिल थे। वहीं, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 30 गेंद में चार चौकों और छह छक्कों की मदद से 63 रन की पारी खेली। दोनों ने करीब दस ओवर में 137 रन की साझेदारी की। न्यूजीलैंड की टीम जवाब में 19.4 ओवर में 225 रन पर आउट हो गई। भारत के लिये तेज गेंदबाज अर्शदीप ने 51 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्होंने पहले दो ओवर में 40 रन दिये और टिम सीफर्ट का विकेट लिया लेकिन इसके बाद अगले दो ओवर में 11 रन देकर चार विकेट चटकाए।

न्यूजीलैंड के लिये फिन एलेन ने 38 गेंद में 80 रन बनाए, लेकिन लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके। एलेन ने अर्शदीप को पहले ही ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद अर्शदीप के दूसरे ओवर में चार चौके और एक छक्के समेतज 23 रन निकाले। वह बायें हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल की गेंद पर आउट हुए जिन्होंने 33 रन देकर तीन विकेट लिए। इससे पहले इस श्रृंखला में लगातार पांचवीं बार नाकाम रहे सैमसन (छह) की टी20 विश्व कप की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। वह लॉकी फर्ग्युसन की गेंद पर आउट हुए। अभिषेक शर्मा (16 गेंद में 30 रन) ने शुरूआत तो अच्छी की लेकिन फर्ग्युसन की तेज रफ्तार गेंद पर विकेट गंवा बैठे। भारत का स्कोर पावरप्ले के बाद दो विकेट पर 54 रन था। इसके बाद सूर्यकुमार और ईशान ने मोर्चा संभाला। चोट के कारण चौथे टी20 से बाहर रहे ईशान ने मैदान के चारों ओर स्ट्रोक्स लगाए। उन्होंने फर्ग्युसन को एक्स्ट्रा कवर पर छक्का और चौका लगाकर दबाव बना दिया। ईशान ने ईश सोढी को चौका लगाकर अपना अर्धशतक 28 गेंदों में पूरा किया। वहीं टी20 क्रिकेट में तीन हजार रन पूरे करने वाले सूर्यकुमार ने जैकब डफी को छक्का लगाकर 26 गेंद में पचासा पूरा किया। ईशान ने भी टी20 क्रिकेट में एक हजार रन पूरे कर लिये। उन्होंने सोढी को 12वें ओवर में चार चौके और दो छक्के लगाकर 29 रन दिए। इस बीच सूर्यकुमार को बायें हाथ के स्पिनर मिचेल सेंटनेर की गेंद पर टिम सीफर्ट ने स्टम्प आउट किया। ईशान ने 42 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और सेंटनेर को छक्का लगाकर इस आंकड़े को छुआ। उन्होंने दूसरा अर्धशतक सिर्फ 14 गेंद में पूरा कर डाला। डफी की गेंद पर हालांकि वह स्क्वेयर लेग में ग्लेन फिलिप्स को कैच देकर लौटे। पंड्या ने आखिरी ओवरों में 17 गेंद में 42 रन बनाकर भारत को उसके टी20 इतिहास में चौथी बार 250 रन के पार पहुंचाया।

103 रन
43 गेंद
6 चौके
10 छक्के

42
गेंदों पर शतक पूरा किया ईशान किशन ने

ईशान किशन।

"गेंद हरकत कर रही थी लेकिन जब आप अभिषेक शर्मा के साथ खेल रहे होते हैं तो आप यही कोशिश करते हैं कि गेंद को देखें और उस हिसाब से अपने शॉट खेलें। आज के समय में हमारी टीम के हर खिलाड़ी का यही अप्रोच होता है क्योंकि अगर हम सिंगल लेने पर ध्यान देंगे तो अंत में यह सोचने की स्थिति आ सकती है कि हम और रन बना सकते थे इसलिए आक्रामण करना सही रहता है।

ईशान किशन, प्लेयर ऑफ़ द मैच

"यह सुखद एहसास है। इस समय का काफी देर से इंतजार था। मैं उन्हीं चीज़ों को फ़ॉलो करने की कोशिश कर रहा था और वर्ल्ड कप से पहले यह एक अच्छी सीरीज़ गई और अभी काफ़ी अच्छा लग रहा है। यही खेल है और यह ज़िंदगी का हिस्सा है।

सूर्यकुमार, प्लेयर ऑफ़ द सीरीज

भारत

271/5 (20 ओवर)

अभिषेक शर्मा बो फर्ग्युसन	30
सैमसन का जैकब्स बो फर्ग्युसन	06
ईशान किशन का फिलिप्स बो डफी	103
सूर्यकुमार स्ट सीफर्ट बो सेंटनेर	63
हार्दिक का जैकब्स बो जैमीसन	42
रिंकू सिंह नाबाद	08
शिवम दुबे नाबाद	07

गेंदबाजी :डफी 4-0-53-1, जैमीसन 4-0-59-1, फर्ग्युसन 4-0-41-2, सोढी 3-0-48-0, फिलिप्स 1-0-10-0, सेंटनेर 4-0-60-1

न्यूजीलैंड

225/10 (19.4 ओवर)

टिम सीफर्ट का पंड्या बो अर्शदीप	05
फिन एलेन का सिंह बो पटेल	80
रचिन रविंद्र का पटेल बो अर्शदीप	30
ग्लेन फिलिप्स का सिंह बो पटेल	07
डेरिल मिचेल बो अर्शदीप	26
सेंटनेर का यादव बो अर्शदीप	00
बेवोन जैकब्स बो वरूण	07
काइल जैमीसन बो अर्शदीप	09
ईश सोढी का अर्शदीप बो सिंह	33
लॉकी फर्ग्युसन बो पटेल	03
जैकब डफी नाबाद	09

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-51-5, पंड्या 2-0-15 -0, बुमराह 4-0-58-0, वरुण 4-0-36-1, अक्षर 4-0-33-3, अभिषेक 1-0-13-0, रिंकू 0.4-0-7-1

"भारत एक मज़बूत टीम है और इन परिस्थितियों में उन्हें हराना और भी मुश्किल है। सीखने के क्रम में यह सीरीज़ काफ़ी अहम रही है और हम यहां से विश्व कप के लिए आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे।

मिचेल सैंटनर, कप्तान न्यूजीलैंड

रणजी में विदर्भ के खिलाफ शॉट लगाते उत्तर प्रदेश के शिवम शर्मा। एजेंसी

उत्तर प्रदेश को जीत के लिए छह विकेट की दरकार

नागपुर, एजेंसी

गत चैंपियन विदर्भ को रणजी ट्रॉफी नॉकआउट में जगह बनाने के लिए अपने मुख्य बल्लेबाज अमन मोखाडे से काफी उम्मीद हैं क्योंकि रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए मैच के आखिरी दिन उसे उत्तर प्रदेश के खिलाफ 110 रन और बनाने हैं जबकि उसके छह विकेट बाकी हैं।

उत्तर प्रदेश के 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए विदर्भ ने चार विकेट 91 रन रन बना लिए हैं। दोनों टीम ने पहली पारी में समान 237 रन बनाए थे जिसके बाद उत्तर प्रदेश की टीम ने दूसरी पारी में 200 रन बनाए। दिन का खेल खत्म होने तक मोखाडे छह चौकों की मदद से 50 रन बना चुके हैं। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में भी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

उत्तर प्रदेश के लिए बांए हाथ के स्पिनर शिवम शर्मा तीन विकेट ले चुके हैं और टूटती हुई पिच पर अंतिम दिन 110 रन बनाना आसान नहीं होगा। अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहा आंध्र प्रदेश पहली पारी में 170 रन की बड़ी बढ़त लेकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गया है। टीम की नजरें सोविमा में अपने आखिरी ग्रुप मैच में नागालैंड के खिलाफ बोनस अंक हासिल करने पर हैं।नागालैंड के पहली पारी के 366 रन के जवाब में आंध्र ने अपनी पारी नौ विकेट पर 536 रन पर घोषित कर दी। चेंगलपेट राजन ज्ञानेश्वर (नाबाद 227) ने आंध्र के लिए दोहरा शतक जड़ा। उन्होंने केवी शशिकांत (60) के साथ छठे विकेट के लिए 142 रन और त्रिपुराना विजय (54) के साथ आठवें विकेट के लिए 119 रन जोड़े। नगालैंड ने दूसरी पारी में 85 रन तक चार विकेट गंवा दिए और उसे पारी की हार से बचने के लिए 85 रन और चाहिए।जमशेदपुर में पहली पारी में 19 रन से पिछड़ने के बाद झारखंड को नॉकआउट में क्वालीफाई करने के लिए आखिरी दिन ओडिशा को हराने की मुश्किल चुनौती का सामना करना है। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ओडिशा ने आठ विकेट पर 202 रन बना लिए हैं और उसकी कुल बढ़त 221 रन हो गई है। ओडिशा ने पहली पारी में 282 रन बनाए थे जिसके जवाब में झारखंड टीम 263 रन पर सिमट गई थी। सलेम में तमिलनाडु ने सलामी बल्लेबाज आर विमल कुमार के 182 रन की मदद से बड़ौदा के खिलाफ पहली पारी में बढ़त बनाई। बड़ौदा के पहली पारी के 375 रन के जवाब में तमिलनाडु ने तीसरे दिन का खेल सात विकेट पर 411 रन पर खत्म किया।

- मोखाडे के अर्धशतक से विदर्भ नॉकआउट की दौड़ में बरकरार

दिल्ली को एलिमिनेटर में जगह बनाने से रोकने उतरेगा यूपी

वडोदरा। कुछ शीर्ष बल्लेबाजों की खराब फॉर्म की समस्या से जूझ रही दिल्ली कैपिटल्स की टीम रविवार को यहां वुमेंस प्रीमियर लीग मैच के आखिरी लीग मैच में यूपी वारियर्स के खिलाफ जीत की तलाश में होगी।

दिल्ली की जीत उन्हें सीधे गुजरात जाइंट्स के खिलाफ एलिमिनेटर में जगह दिला देगी। टीम ऐसी स्थिति में आठ अंक के साथ लीग में तीसरे स्थान पर रहेगी और गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स की टीम बाहर हो जाएगी।

गर्व की बात

जूनियर क्रिकेट के पुराने अच्छे दिनों को याद करते हुए बोले-वह देखते थे नीली जर्सी पहनने का सपना

बुमराह के साथ खेलने वाले मोनांक कर रहे अमेरिका की अगुआई

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 विश्व कप
6 दिन शेष

जब अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल डेढ़ दशक पहले गुजरात के एक शानदार अंडर-19 क्रिकेटर के तौर पर मशहूर वानखेड़े स्टेडियम के मैदान पर उतरे तो उनके साथ एक और तेजतर्रार तेज गेंदबाज था जिसका एक्शन बड़ा ही अनोखा था- जसप्रीत बुमराह। उस समय मोनांक को शायद ही पता था कि बुमराह आगे चलकर सभी प्रारूप में भारत के सबसे महान गेंदबाज बनेंगे। जूनियर क्रिकेट के पुराने अच्छे दिनों को याद करते हुए मोनांक को वे दिन याद आए जब वह भारत के लिए नीली जर्सी पहनने का सपना देखते थे।

भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में खेलने की तैयारी कर रहे मोनांक ने पीटीआई को बताया हां, अक्षर (पटेल) और जसप्रीत (बुमराह) के साथ खेलने की मेरी बहुत अच्छी यादें हैं। मैंने गुजरात अंडर-19 का अपना पहला साल जसप्रीत के साथ खेला था और उससे पहले मैं अक्षर के साथ अंडर-16 खेला था। हम (बुमराह और वह) दो साल, दो सत्र तक साथ रहे। गुजरात टीम के लिए बहुत सारे मैच खेले। उन्हें याद है बुमराह तब भी बाकियों से बेहतर थे।

मोनांक ने याद करते हुए कहा हमने लाल और सफेद गेंद, दोनों तरह का क्रिकेट खेला और वह सच में बहुत खास समय था। यह मेरे क्रिकेट के सफर का शुरुआती दौर था और तब भी जिस तरह से हम खेल रहे थे, विशेषकर जिस तरह से जसप्रीत प्रदर्शन कर रहा था, हम जानते थे कि उसमें वह एक्स फैक्टर है और वह निश्चित रूप से कुछ बड़ा करेगा। लेकिन मोनांक के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का रास्ता आसान नहीं था। उन्होंने 2013 में जब हमेशा के लिए अमेरिका जाने का फैसला किया तो उन्होंने क्रिकेट छोड़ने के बारे में सोचा था जबकि उन्हें 2010 में ही ग्रीन कार्ड मिल गया था।

मैं अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहता था। लेकिन क्रिकेट अमेरिका में शीर्ष 10 खेल में भी नहीं है और मोनांक के लिए इससे पेशेवर तौर पर पूरी तरह से जुड़ना आसान फैसला नहीं था। उन्होंने कहा ''2018 में यह आसान नहीं था। हमारे लिए सिर्फ क्रिकेट खेलकर वित्तीय रूप से आगे बढ़ना आसान नहीं था। इसलिए जब हम 2018 या 2019 में खेलते थे तो पूरे साल हमारा कार्यक्रम व्यस्त नहीं होता था। लेकिन बाद में जैसे ही हमने अच्छा करना शुरू किया और हमें 2020 में एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय टीम का दर्जा मिला तो वित्तीय स्थिति और मौकों के हिसाब से भी सब कुछ बेहतर होता गया। इसलिए एक खिलाड़ी के तौर पर शुरुआती दो-तीन साल थोड़े मुश्किल थे लेकिन हम इससे बहुत अच्छे तरीके से निपटे। भारत और पाकिस्तान की टीम दोनों देशों के बीच कड़वाहट के बीच मोनांक पाकिस्तानी मूल के अली खान और शायन जहांगीर के साथ मैदान पर उतरते हैं तो उनका लक्ष्य सिर्फ अपने देश का प्रतिनिधित्व करना होता है।

गुजरात से रणजी में मौका नहीं मिला तो चले गए अमेरिका

उन्होंने कहा मेरे पास 2010 से ग्रीन कार्ड था और मैंने 2013 के बाद फैसला किया कि मैं अमेरिका जाना चाहता हूं। मेरा परिवार पहले से ही वहां बसने की योजना बना रहा था। मोनांक ने कहा मैंने वहां एक-दो महीने रहने की कोशिश की और फिर भारत वापस आ गया और रणजी ट्रॉफी में गुजरात के लिए खेलने की आखिरी कोशिश करने के बाद। जब मुझे वह मौका नहीं मिला तो मैंने अमेरिका वापस जाने और हमेशा के लिए वहीं बसने का फैसला किया। मोनांक ने रेस्टोरेंट व्यवसाय की तरफ रुख किया लेकिन क्रिकेट से हमेशा उनका जुड़ाव रहा। उन्होंने कहा जब मैं अमेरिका गया तो मेरा विजन और लक्ष्य सिर्फ क्रिकेट खेलना नहीं था।

पाकिस्तान से एशिया कप का बदला लेने उतरेगा भारत

बुलावायो, एजेंसी

पांच बार का चैंपियन भारत रविवार को यहां आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से एशिया कप फाइनल में मिली शर्मनाक हार का बदला लेने की कोशिश करेगा। भारत पिछले साल 21 दिसंबर को दुबई में हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान से 191 रन से हार गया था जबकि 14 दिसंबर को उसने इसी टूर्नामेंट का ग्रुप मैच इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ 90 रन से जीता था।

भारतीय अंडर-19 टीम ने अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के साथ मैच के बाद हाथ मिलाने से परहेज किया। उस टूर्नामेंट के ग्रुप चरण मैच के दौरान भी भारत ने ऐसा ही किया था। रविवार को आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय टीम उस हार का बदला लेने के लिए बेताब होगी।

किसी भी मैच से पहले सचिन तेंदुलकर से वर्चुअल हौसलाअफजाई मिलना सपनों के सच होने जैसा होता है और भारतीय खिलाड़ियों को इस महान खिलाड़ी से कुछ कीमती सलाह मिली। बीसीसीआई ने लिखा मौजूदा अंडर-19 विश्व कप में खेल रही भारत की अंडर-19 टीम से सचिन तेंदुलकर के साथ वर्चुअल बातचीत की।

अंडर-19 विश्व कप

- भारतीय समयानुसार मुकाबला दोपहर एक बजे से
- सचिन तेंदुलकर ने वर्चुअल बातचीत कर बढ़ाया हौसला

भारत : आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उद्धव मोहन और किशन सिंह।

पाकिस्तान : फरहान यूसुफ (कप्तान), उस्मान खान, अली हसन बलूच, हमजा जहूर, हुजैफा अहसान, मोहम्मद शायन, समीर मिन्हास, अहमद हुसैन, अब्दुल सुभान, अली रजा, दानियाल अली खान, मोहम्मद सैयाम, मोमिन कमर, नकाब शफीक, उमर जैब।